नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, बुधवार, 9 जुलाई 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 53 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1963: अमेरिका ने क्यूबा के साथ अपने सभी वित्तीय लेन-देन बंद किए।

1972: बतौर कप्तान भारतीय क्रिकेट को नए तेवर देने वाले खिलाड़ी सौरव गांगुली का जन्म।

1981: फ्रांस के प्रधानमंत्री मॉरिस ने बैंको और कुछ बड़े उद्योगों का राष्ट्रीयकरण किया।

2007: पूर्व प्रधानमंत्री और समाजवादी नेता चंद्रशेखर का निधन।

राज्यपाल ने बोकारो में प्रतिभावान छात्रों को किया सम्मानित

गांव-कस्बों के बच्चे भी विकास के समान केंद्र : संतोष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बोकारो जिले के नावाडीह स्थित बिनोद बिहारी महतो स्टेडियम में आज आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह' में प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन केवल विद्यार्थियों को सम्मानित करने का नहीं, बल्कि स्व. बिनोद बिहारी महतो के विचारों और कार्यों को स्मरण करने का भी एक सशक्त अवसर है। उन्होंने कहा कि स्व. बिनोद बिहारी महतो महान विचारक, समाज-सुधारक और शिक्षा व क्षेत्रीय अस्मिता के प्रति समर्पित नेता थे। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी शिक्षा और सामाजिक चेतना के माध्यम से समाज में परिवर्तन की अलख जगाई। राज्यपाल ने झारखण्ड विधानसभा सदस्य जयराम महतो द्वारा अपने वेतन का अधिकांश भाग प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को समर्पित करने की सराहना करते हुए कहा कि आशा है कि यह कदम अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि मुझे बरेली की जनता ने आठ बार लोकसभा में अपना प्रतिनिधि बनाकर भेजा और मैंने जनसेवा को सदैव अपने जीवन का लक्ष्य माना। आज भी जनता का स्नेह मेरे साथ है क्योंकि मैंने सदैव जनहित को सर्वोपरि रखा। झारखण्ड राज्य के विकास हेतु यहां के राज्यपाल के रूप में वे सदैव तत्पर हैं। राज्य सरकार को विकास कार्यों में जब कभी भी उनकी जरूरत हो, वे जनहित में हमेशा उपलब्ध हैं। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में वे बहरागोड़ा में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2025' में गये थे और वहां उन्होंने बच्चों के साथ भोजन और संवाद किया था, जो बहुत सुखद अनुभव रहा। राज्यपाल ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित करने की सराहना की और कहा कि अवसर केवल शहरों तक सीमित नहीं है, गांव-कस्बों के बच्चे भी विकास के समान केंद्र हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप भारत का भविष्य हैं। कठिनाइयां आएंगी, लेकिन अगर हौसले बुलंद हों तो कोई भी सीमा आपकी प्रतिभा को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने बच्चों को ईमानदारी, परिश्रम, धैर्य और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा केवल निजी प्रगति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र ही आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की नींव है। राज्यपाल ने सभी सम्मानित विद्यार्थियों, उनके शिक्षकों, अभिभावकों और आयोजकों को बधाई दी। समारोह में झारखंड विधानसभा के सदस्य जयराम महतो, बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में फ़ेरी वाले की मौत

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। मेदिनीनगर-पांकी मुख्य मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सलगस झालखंडी पुल के पास एक कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार नीरज चन्द्रवंशी की मौत हो गई जबकि उसके साथ मौजूद श्रीकांत कुमार घायल हो गए। नीरज तरहसी थाना क्षेत्र के कुम्हराडीह गांव का रहने वाला था। वे फ़ेरी लगाकर साबुन-सर्फ बेचकर अपना परिवार का पालन-पोषण कर रहा था।

नीम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव

रांची(नबिटा ब्यूरो)। सरायकेला-खरसावां जिले के कांड्रा थाना क्षेत्र स्थित डुमरा गांव में मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक युवक का शव नीम के पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान गांव निवासी सनातन मंडल के 25 वर्षीय पुत्र भुवनेश्वर मंडल के रूप में हुई है। भुवनेश्वर हाल तक गुजरात में काम करता था और करीब 15 दिन पहले ही गांव लौटा था। सुबह-सुबह जब ग्रामीण खेत की ओर निकले तो उन्होंने एक नीम के पेड़ से शव को लटका देखा।

हर्ट अटैक से स्कूल गार्ड की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के जयनगर थाना क्षेत्र स्थित कटिया-परसाबाद स्टेशन रोड पर संचालित ए के मेमोरियल दिल्ली पब्लिक स्कूल के गार्ड का शव मंगलवार सुबह विद्यालय से करीब 200 मीटर की दूरी पर पाया गया। मृतक की पहचान 55 वर्षीय शंकर यादव के रूप में हुई है। वह हजारीबाग जिले के इचाक थाना क्षेत्र के निवासी थे। स्थानीय लोगों के अनुसार शंकर यादव प्रतिदिन सुबह टहलने के लिए बाहर जाया करते थे। मंगलवार को भी वह सुबह टहलने निकले थे लेकिन इसी दौरान उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई और उनकी मृत्यु हो गई। घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जेजेएमपी के एरिया कमांडर समेत दो नक्सली गिरफ्तार

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। पुलिस ने मंगलवार को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जेजेएमपी के पूर्व एरिया कमांडर समेत दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। डुमरी थाना क्षेत्र से पकड़े गए उग्रवादियों की पहचान सिरसी गांव निवासी प्रवीण एक्का उर्फ अड़ीया और पुटरुगी डूमरी निवासी छोटू नायक के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से एक पिस्टल, एक शिकार बंदूक, एक मैगजीन, पांच जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। प्रवीण एक्का के खिलाफ बिशनपुर थाने में पहले से मामला दर्ज है। एसपी हरीश बिन जमा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। सूचना थी कि जेजेएमपी का एरिया कमांडर क्षेत्र में घूम रहा है। वह दहशत फैलाकर विकास कार्यों से जुड़े लोगों से रंगदारी वसूल रहा था। चैनपुर एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम ने तांती के जंगल में छापेमारी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ा। पूछताछ में उसकी जेजेएमपी से संबद्धता की पुष्टि हुई। इस ऑपरेशन में डुमरी थानेदार अनुज कुमार, पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार, जहांगीर, रविंद्र भारती और आरक्षी नीरज तिवारी की टीम शामिल थी।

मायके आई महिला की कुएं में मिली लाश

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र के बैरिया गांव में 35 वर्षीय शहनाज खातून का शव मंगलवार सुबह घर के पास एक कुएं से मिला है। मृतका बैरिया निवासी अकबर अंसारी की बेटी थी, जो शनिवार को मुहर्रम के मौके पर कोलकाता से अपने पति मंजूर अंसारी के साथ मायके आई थी। घटना के बाद से मृतका का पति फरार है। इधर, मृतका के परिजनों का आरोप है कि शहनवाज के पति मंजूर अंसारी ने किसी और लड़की से अफ़ेयर में यह हत्या की है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, शहनाज की शादी 5 साल पूर्व हुई थी और दंपति के दो जुड़वा बेटे हैं। सोमवार की रात अचानक शहनाज खातून के छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर परिजन नींद से जागे तो देखा कि शहनाज कमरे में नहीं है। परिवार वाले घबरा गए और इधर-उधर खोजबीन शुरू की। जब काफी देर तक कुछ पता नहीं चला तो हीरोडीह थाना को सूचना दी गई। इसके बाद मंगलवार की सुबह गांव के ही एक कुएं में शहनाज का शव बरामद हुआ। वहीं, घटना के बाद से मृतका का पति मंजूर अंसारी फरार है।

रांची में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक कल

■ **केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह रहेंगे मुख्य अतिथि**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के होटल रेडिशन ब्लू में 10 जुलाई (गुरुवार) को पूर्वी क्षेत्रीय राष्ट्रीय परिषद की 27वीं बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। बैठक में पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार के मुख्यमंत्री भी भाग लेंगे। झारखंड सरकार की ओर से बैठक में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा, मुख्य सचिव अलका तिवारी, गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल और डीजीपी अनुराग गुप्ता समेत कुल 68 प्रतिनिधि भाग लेंगे। बिहार सरकार से मंत्री विजय चौधरी और सम्राट चौधरी शामिल होंगे। ओडिशा से मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, उपमुख्यमंत्री पार्वती परीदा और मंत्री मुकेश महालिंग भाग लेंगे। पश्चिम बंगाल की ओर से मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य बैठक में मौजूद रहेंगी। जिला प्रशासन ने बैठक की तैयारियां पूरी कर ली है। शहर के कई हिस्सों में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। विशेषकर डोरंडा क्षेत्र को पूरी तरह से वीआईपी जोन घोषित किया गया है। बैठक में शामिल सभी वीआईपी वाहनों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। शहर के विभिन्न इलाकों में गृह मंत्री अमित शाह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के पोस्टर लगाए गए हैं। बैठक झारखंड में आयोजित हो रही है, ऐसे में राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के उठने की पूरी संभावना है। झारखंड सरकार की कई विकास योजनाओं में केंद्र से करोड़ों रुपये की राशि लंबित है, जिस पर चर्चा हो सकती है। कोल कंपनियों से लगभग 1.36 करोड़ रुपये, जल जीवन मिशन के तहत करीब 6,000 करोड़ रुपये और विधवा-वृद्धा पेंशन मद में लगभग 300 करोड़ रुपये बकाया है। राज्य सरकार इन बकाया राशियों को केंद्र से दिलाने की मांग करेगी। इसके अलावा नक्सल प्रभावित जिलों के विकास के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग भी रखी जा सकती है। उग्रवाद प्रभावित 14 जिलों में बंद किए गए एसईआर फंड को पुनः शुरू करने की मांग भी इस बैठक में उठाई जाएगी। बैठक में बिहार के साथ परिसंपत्ति और देनदारी के बंटवारे तथा पश्चिम बंगाल के साथ जल बंटवारे के मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आया वाहन खलासी की मौत

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र के मखदुमपुर में एक हाइवा चालक की बिजली के करंट से मौत हो गई। कसमार प्रखंड के पौंडा गांव निवासी राजेंद्र टुड्डू सोमवार की रात मिट्टी लोड करने मखदुमपुर पहुंचा था। मिट्टी ढुलाई के दौरान हाइवा वाहन ऊपर से गुजर रही 11000 वोल्ट की बिजली तार के संपर्क में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तेज धमाके के साथ बिजली का करंट लगने से खलासी बेहोश हो गया। उसे तुरंत बोकारो जनरल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि उसकी पहले ही मौत हो गई। बालीडीह थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हाइवा को जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया चल रही है। परिजनों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। हाइवा के मालिक शंकर ठाकुर के प्रतिनिधि अस्पताल पहुंचे। उन्होंने परिजनों को दाह संस्कार की व्यवस्था और बीमा क्लेम की प्रक्रिया में मदद का आश्वासन दिया है।

डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद होने से नाराज छात्रों ने किया शिक्षा मंत्री का घेराव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड सरकार द्वारा सभी डिग्री कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद करने के फैसले से राज्यभर के छात्र नाराज हैं। इसी नाराजगी के चलते मंगलवार को जमशेदपुर में आयोजित जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का छात्रों ने घेराव किया। मंत्री वहां बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। आक्रोशित छात्रों ने घंटों घेराव कर मांगपत्र सौंपा। 12वीं कक्षा के छात्रों ने कहा कि जिन कॉलेजों में फिलहाल उनकी पढ़ाई चल रही है, वहीं से पढ़ाई पूरी करने दी जाए। छात्रों ने कहा कि सत्र के बीच में कॉलेज बदलने से पढ़ाई बाधित होगी और बोर्ड परीक्षा के परिणाम पर भी असर पड़ेगा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने मंत्री से इस फैसले पर पुनर्विचार करने और इस सत्र के छात्रों को राहत देने की मांग की। छात्रों ने बताया कि शिक्षा मंत्री ने उनकी बातें सुनीं और समस्याओं पर विचार करने का आश्वासन दिया है। छात्रों का कहना है कि अगर सरकार ने जल्द कोई समाधान नहीं निकाला तो यह फैसला उनके भविष्य को अंधकार में धकेल देगा। छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर मांगे पूरी नहीं हुईं तो राज्यव्यापी आंदोलन और उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। इस आंदोलन में अंशुल प्रिया, संदीप कुमार यादव, आशीष कुमार समेत कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और सरकार को जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। कई छात्र संगठनों ने भी इस फैसले के विरोध में सड़कों पर उतरने की चेतावनी दी है।

नई ट्रेनें चलाई जाएंगी : जीएम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। पूर्व रेलवे कोलकाता के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने मंगलवार को पाकुड़ रेलवे स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने स्टेशन के साथ रेलवे यार्ड, पाकुड़ क्वारी और कोल साइडिंग का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक विशेष सेलून से स्टेशन पहुंचे, जहां स्थानीय अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। स्टेशन निरीक्षण के बाद उन्होंने स्टेशन परिसर के पार्क में 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया। मिलिंद देउस्कर ने पत्थर क्वारी और कोल साइडिंग का भी दौरा किया। उन्होंने मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जीएम के दौरे से पहले स्टेशन और प्लेटफॉर्म की विशेष साफ-सफाई की गई। कई महीनों से बंद एस्केलेटर को चालू किया गया। निरीक्षण के बाद महाप्रबंधक ने बताया कि स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर में आ रही बिजली की समस्या का समाधान कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि थर्ड और फोर्थ लाइन शुरू होने के बाद स्टेशन का और विकास किया जाएगा। नई ट्रेनें भी चलाई जाएंगी। कई संगठनों ने महाप्रबंधक को स्थानीय समस्याओं से जुड़े मांगपत्र सौंपे। कोल साइडिंग के ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं।

अवैध शराब फैक्ट्री का पर्दाफाश

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के हरिहरगंज थाना से मात्र डेढ़ किलोमीटर दूर वैद्यबिगहा में चल रही अवैध शराब फैक्ट्री का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने मौके से दो हजार खाली बोतल, चार हजार रैपर और बड़ी मात्रा में ढक्कन बरामद किया है। थाना प्रभारी चंदन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि वैद्यबिगहा में राजा साव के घर पर नकली शराब फैक्ट्री चल रही है। एसआई धन्नजय गोप के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देखते ही आरोपी राजा साव मौके से फरार हो गया। छापेमारी में 375 एमएल की 18 बोतल शराब भी बरामद हुई है। थाना प्रभारी के अनुसार राजा साव पर पहले भी नकली शराब बनाने का मामला दर्ज है।

Ministry of Culture
Government of India

Tender Notice

RFP for comprehensive solution for digital data storage with user-friendly digital repository and web-cum-mobile application along with other tasks specified in the scope of work.

Tender documents can be downloaded from the Ministry of Culture's official website: **indiaculture.gov.in** and the Central Public Procurement Portal: **eprocure.gov.in/eprocure/app.**

Last date for bid submission is 28 July 2025.

CBC 09101/11/0009/2526

दो श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों का होगा संचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आगामी 11 जुलाई से शुरू हो रहे श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दो स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। ये सावन भर चलेंगी। शुरुआत 9 या 10 जुलाई से रांची रेलवे स्टेशन से होगी। ये ट्रेनें रांची से भागलपुर वाया सुल्तानगंज चलेंगी। रांची रेलमंडल की सीनियर डीसीएम शुचि सिंह ने बताया कि डिवीजन ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के प्रस्ताव को स्वीकार किया है। यह ट्रेन रांची, मूरी, बोकारो स्टील सिटी, चंद्रपुरा, कतरास, धनबाद, जसीडीह होते हुए भागलपुर तक जाएगी। वहीं, दूसरा प्रस्ताव दिशा समिति, लायंस क्लब की शिफाली गुप्ता का स्वीकार किया गया है। यह ट्रेन रांची, मूरी, बरकाकाना, हजारीबाग, कोडरमा, गया, क्यूल, सुल्तानगंज होते हुए भागलपुर तक जाएगी। धनबाद से सुल्तानगंज की दो और भागलपुर की एक ट्रेन में सभी श्रेणियों में वेटिंग लग चुकी है। सीधे बाबाधाम जाने के लिए जसीडीह तक की 4 ट्रेनों में बर्थ उपलब्ध हैं, पर रांची-गोड्डा व मौर्य एक्सप्रेस में वेटिंग हो चुकी है। इधर, श्रावणी मेले को देखते हुए धनबाद के बरटांड़ बस स्टैंड से विशेष रूप से 20 बसों का इंतजाम किया गया है। रोज 1-3 बसें चलेंगी और गुरुवार व रविवार को इनकी संख्या 5-6 हो सकती है। बड़े कांवरिया जत्थे बसों को रिजर्व भी करा सकेंगे। पिछले साल एसी बसों का किराया 450-550 रुपए और नन-एसी का 400-450 रुपए था। हालांकि, इस बार 50-100 रुपए अधिक किराया देना पड़ सकता है। सड़क मार्ग से बहुत-से लोग निजी व छोटे रिजर्व वाहनों से भी जाएंगे।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

रेल मंत्री से की जंक्शन पर तोड़े गए मंदिरों की पुनर्स्थापना की मांग

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय सनातन हिंदू वाहिनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को कर्पूरीग्राम रेलवे स्टेशन पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुजफ्फरपुर जंक्शन पर तोड़े गए दो मंदिरों की पुनर्स्थापना की मांग की गई। वाहिनी के केंद्रीय अध्यक्ष आचार्य चंद्रकिशोर पाराशर ने रेल मंत्री से पुराने मंदिर की मूर्तियों को वापस करने की मांग भी की।

टनकुप्पा स्टेशन पर हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस का ठहराव 10 जुलाई से

गया, एजेंसी। वर्षों की मांग के बाद आखिरकार टनकुप्पा स्टेशन पर हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस (13009/13010) के ठहराव को रेलवे ने स्वीकृति दे दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के आदेश के बाद रेलवे विभाग ने 10 जुलाई से ठहराव की तिथि व समय जारी कर दी है। रेलवे के अनुसार, अप ट्रेन टनकुप्पा में सुबह 4: 18 बजे और डाउन ट्रेन रात 9: 32 बजे रुकेगी। कोरोना काल में यह ठहराव हटा लिया गया था, जिसे अब पुनः बहाल कर दिया गया है। यह उपलब्धि सांसद सह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के प्रयासों से संभव हुई है। हम पार्टी के राष्ट्रीय सचिव नंदलाल मांझी और जिला अध्यक्ष नारायण मांझी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी। दैनिक रेल यात्री संघ, टनकुप्पा रेलवे संघर्ष समिति समेत क्षेत्रीय लोगों ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए रेल मंत्री व सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार जख्मी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सदर थाना के खबड़ा स्थित एनएच पर सोमवार की दोपहर को अज्ञात वाहन की चपेट में बाइक सवार एक युवक जख्मी हो गया। उसका बाइक भी छतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल को उठाकार सदर अस्पताल पहुंचाया। उसकी स्थिति गंभीर बनी है। उसे होश आने पर उसका बयान दर्ज किया जाएगा।

सुल्तानगंज में गोदाम में लगी आग, सामान जलकर राख

सुल्तानगंज, एजेंसी। घाट रोड स्थित मंटू मंडल के गोदाम में सोमवार की रात 2 बजे आग लग गई। आग देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते आग पूरे गोदाम को अपने आगोश में ले लिया। गोदाम में रखी बाइक, साइकिल, पंखे, होटल का सामान और कांवर बनाने आदि का सामान जलकर राख हो गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन आग की लपटे इतनी तेज थी कि लोगों में कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। आग लगने की सूचना थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सुल्तानगंज, शाहकुंड और भागलपुर से दमकल की गाड़ी पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पीड़ित ने बताया कि आग कैसे लगी इसका सही कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

नवादा में ताजिया जुलूस में लहराया फिलिस्तीनी झंडा

नवादा, एजेंसी। नवादा में सोमवार को ताजिया के जुलूस के दौरान बुंदेला बाग मैदान से डीएम ऑफिस के कर्बला तक निकले जुलूस में कुछ युवकों ने फिलिस्तीनी झंडा लहराया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

नालंदा में 10 से 17 जुलाई तक लंगोट मेला

बिहारशरीफ में उमड़ेगी लाखों श्रद्धालुओं की भीड़

चल रहा रंगाई-पुताई का काम

नालंदा, एजेंसी। पंचाने नदी के तट पर स्थित बाबा मणिराम अखाड़ा एक बार फिर आस्था के महाकुंभ की तैयारी में जुट गया है। बिहार शरीफ शहर के दक्षिणी भाग में पवित्र स्थल पर 10 से 17 जुलाई तक आयोजित होने वाले लंगोट मेले को लेकर व्यापक तैयारियां चल रही हैं। मंदिर परिसर में लिपाई-पुताई का काम पूरा हो चुका है। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न प्रकार के झूले और दुकानें सजाई जा रही हैं। यह मेला केवल एक सामान्य आयोजन नहीं, बल्कि 700 वर्षों से भी अधिक पुरानी अटूट आस्था का जीवंत प्रतीक है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इस दरबार से कोई भी श्रद्धालु खाली हाथ नहीं लौटता। सदियों पुरानी मान्यता के अनुसार, मेले की औपचारिक शुरुआत पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से बाबा की समाधि पर प्रथम लंगोट चढ़ाने के साथ होगी। इसी पल से ÷बाबा मणिराम की जय÷ के जयघोष से पूरा शहर गुंज उठेगा। अगले सात दिनों तक न केवल जिले के कोने-कोने से, बल्कि प्रदेश भर से लाखों श्रद्धालु बाबा की समाधि पर लंगोट चढ़ाकर अपनी मनोकामनाएं मांगेंगे।

राष्ट्रपति से प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं यहां : इस पवित्र स्थल की महिमा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां मनोकामना पूर्ति के लिए आने वालों में पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे कई राष्ट्रीय नेता शामिल हैं। यह तथ्य इस स्थान की व्यापक स्वीकार्यता और धार्मिक महत्व को दर्शाता है।

785 साल पुराना इतिहास : धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, संत शिरोमणि बाबा मणिराम का आगमन 1238 ईस्वी में अयोध्या से इस स्थान पर हुआ था। उन्होंने पिसत्ता घाट को अपनी तपोस्थली बनाया और ÷स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ तन÷ का संदेश देते हुए कुश्ती का अखाड़ा स्थापित किया। वर्ष 1300 में उन्होंने यहीं पर जीवित समाधि ली थी। इस प्रकार यह स्थान 785 वर्षों से निरंतर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

13 वर्षों से जल रही अखंड ज्योति : मंदिर परिसर की एक विशेष बात यहां 13 वर्षों से अनवरत जल रही अखंड ज्योति है। श्री बाबा मणिराम अखाड़ा न्यास समिति के उपाध्यक्ष अमरकांत भारती ने बताया कि वर्ष 2012 में अयोध्या की बड़ी छावनी से यह पवित्र ज्योति लाई गई थी, जो तब से निरंतर प्रज्ज्वलित है। यह ज्योति निरंतरता और आस्था के अटूट रिश्ते का प्रतीक बन गई है।

इस बार होंगे विशेष आकर्षण : न्यास समिति के उपाध्यक्ष अमरकांत भारती ने बताया कि इस वर्ष मेले को और भी भव्य बनाने की व्यापक तैयारी की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस मेले का उद्घाटन करने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष पंडाल, ठहरने की उचित व्यवस्था और 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछाया गया है। मेले की समाप्ति पर पहली बार बनारस के पंडितों द्वारा भव्य गंगा आरती का

आयोजन किया जाएगा, जो एक नया आकर्षण होगा। श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए बच्चों के लिए ड्रैगन, ब्रेक डांस और टावर झूले लगाए जा रहे हैं। महिलाओं के लिए श्रृंगार की विविध दुकानें और स्थानीय व्यंजनों के लिए तरह-तरह के चाट-पकौड़ों के स्टॉल भी व्यापक रूप में स्थापित किए जा रहे हैं। मेले का संपूर्ण प्रबंधन अनुमंडलाधिकारी की अध्यक्षता वाली न्यास समिति द्वारा किया जाता है। यह समिति प्रत्येक वर्ष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम करती है और मेले की सफलता सुनिश्चित करती है। आस्था के इस महाकुंभ में शामिल होने के लिए देश भर से श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

दीपंकर बोले-लोगों का वोट देने का अधिकार खत्म किया जा रहा

बिहार में डबल इंजन फेल, कल चक्का जाम होगा

पटना, एजेंसी। भाकपा-माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर आम लोगों का वोट देने का अधिकार खत्म किया जा रहा है। देश में पहली बार वोटर बनने के लिए नागरिकता की परीक्षा ली जा रही है। सोमवार को प्रेसवार्ता में दीपंकर ने कहा कि दो करोड़ से अधिक लोगों का नाम काटने की तैयारी है। इस पर भाजपा-जदयू चुप है। उनको लग रहा है कि हमारी जीत के लिए वोटर लिस्ट तैयार हो रही है। चिराग पासवान को एक इंजन फेल दिख रहा है। लेकिन, बिहार में डबल इंजन फेल हो गया है। इस तानाशाही के खिलाफ 9 जुलाई को चक्का जाम होगा।

किसान-मजदूरों ने अपनी हड़ताल में वोटिंग राइट को शामिल कर लिया है। यह आवाज सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचेगी। वहां 10

जुलाई को सुनवाई होनी है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद सबको वोटिंग राइट मिला। इसको केंद्र की सरकार छीन रही है। चुनाव आयोग कह रहा है कि आधार कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस को नहीं मानेंगे। आखिर यह किसने जारी किया। गरीबों के पास आधार कार्ड-राशन कार्ड है। असम की तरह बिहार में लोगों को घुसपैठिया बनाना चाहते हैं। बॉर्डर इलाके की सुरक्षा केंद्र सरकार की है। केंद्र बताए कि घुसपैठिये कहां से आए हैं।

आयोग द्वारा 24 जून को जारी आदेश को ठीक से पढ़ लें, आदेश में सारी चीजें हैं, जो विज्ञापनों में लिखी गई है: चुनाव आयोग

पटना, एजेंसी। बिहार में चुनाव आयोग के निर्देश पर जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष के सवालों पर चुनाव आयोग ने कहा कि आरोप लगाने वाले खुद ही भ्रमित हैं। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने आरोप लगाने वालों को सलाह दी कि आयोग द्वारा 24 जून को जारी आदेश को ठीक से पढ़ लें। आदेश में सारी चीजें हैं, जो विज्ञापनों में लिखी गई है। विज्ञापन में वहीं दिया जाता है, जितना लोगों को सहूलियत देनी होती है और जो अपेक्षित है। आदेश में यही है कि मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन एक अगस्त को होगा। सीईओ गुंजियाल ने कहा कि 26 जुलाई तक जो मतदाता गणना फॉर्म भी जमा कर देते हैं, तो उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची में आ जाएगा।

आगे के लिए उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में आसानी से शामिल हो जाए। उन्हें 11 निर्धारित दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज को साक्ष्य के रूप में जमा करना है। ये साक्ष्य जन्म के आधार पर हो। पहले क्या हो रहा था कि गणना

फार्म भी देना है और दस्तावेज भी देना है, लोगों की समस्या थी कि अभी दस्तावेज कहां से लेकर आएं। आयोग के अनुसार गणना फॉर्म, दस्तावेज दोनों चीजें जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभी फॉर्म ले लेते हैं, दस्तावेज बना के रखिए, उसे बाद में बीएलओ एकत्र कर लेंगे।

सरकारी कर्मचारियों के सैलरी अकाउंट पर डेढ़ करोड़ का बीमा

बिहार में 6.5 लाख स्थाई-संविदा कर्मचारी; 9 बैंकों से वित्त विभाग ने किया करार

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने अपने साढ़े छह लाख अफसरों और कर्मियों के परिवारों को बड़ी राहत दी है। कर्मियों का बीमा उनके सैलरी अकाउंट पर बिना किसी प्रीमियम के होगा और उन्हें दुर्घटना बीमा का लाभ मिलेगा। यह बीमा एक करोड़ रुपए से लेकर एक करोड़ 60 लाख रुपए तक का होगा। हादसे में मौत होने पर यह राशि उनके परिवार को मिलेगी। यह बीमा कवर स्थायी और संविदा दोनों कर्मचारियों को मिलेगा। हालांकि, स्थायी और संविदा दोनों के कवर राशि में अंतर होगा। इसके लिए वित्त विभाग ने 9 बैंकों के साथ करार किया है।

सांसद, विधायक व विधान पार्षदों को भी मिलेगा दुर्घटना बीमा का लाभ : सरकारी कर्मचारियों के अलावा इस बीमा का लाभ सांसद, विधायक और विधान पार्षदों को भी मिलेगा। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की मौजूदगी में वित्त विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर ने हस्ताक्षर किए है। इन सुविधाओं के लिए कर्मचारियों को अलग से कुछ भी नहीं करना होगा। बैंकों में वेतन का खाता खोलते ही कर्मी अपने आप सभी लाभ के हकदार हो जाएंगे। हर बैंक की सुविधाएं अलग-अलग हैं।

इन 9 सरकारी बैंकों से करार किया गया

वित्त विभाग ने स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा और यूको बैंक से करार किया गया। इस बैंकों से कर्मियों को दुर्घटना बीमा की सुविधा मिलेगी। करार के तहत शामिल बैंकों में सैलरी अकाउंट खोलते ही सरकारी कर्मी लाभ के हकदार हो जाएंगे।

सरकार का उद्देश्य कर्मियों को सम्मानजनक जीवन : सम्राट

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार का बैंकों के साथ यह समझौता केवल बीमा लाभ के लिए नहीं है, बल्कि यह राज्य सरकार का वेतन पैकेज समझौता है। इसका मकसद कर्मचारियों और उनके परिजनों को सम्मानजनक जीवन देना है। यह पूरी व्यवस्था पारदर्शी, सुसंगठित और तकनीक-सक्षम होगी।

राघोपुर में सरकारी योजनाओं में बड़ा घोटाला: बिना कार्य कराएं निकालें 23 लाख रुपए

मुखिया-सचिव और जेई पर आरोप

वैशाली, एजेंसी। वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड में सरकारी योजनाओं में बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। पहाड़पुर पश्चिमी पंचायत में मुखिया, पंचायत सचिव और जूनियर इंजीनियर ने मिलकर बिना काम कराए ही योजनाओं का पैसा निकाल लिया। मामले में चार योजनाओं में गड़बड़ी सामने आई है। पहली योजना में वार्ड नंबर 1 में विधान परिषद के फंड से बने सड़क को 15वें वित्त के तहत दिखाकर 8.23 लाख रुपए निकाल लिए गए। दूसरी योजना में पप्पू चौधरी के घर तक पक्की गली-नाली के निर्माण के नाम पर 11.28 लाख रुपए निकाले गए। तीसरी योजना में जिमादारी घाट से शिवचंद्र चौधरी के घर तक पक्की सड़क के नाम पर 2.21 लाख रुपए का गबन किया गया। चौथी योजना में विंदेश्वर चौधरी के पास सामुदायिक भवन की रंगाई-पुताई के नाम पर 1.75 लाख रुपए निकाल लिए गए। बीडीओ आनंद प्रकाश ने बताया कि लोगों की शिकायत पर जांच की गई। जांच में बिना काम के पैसे निकालने की पुष्टि हुई। आरोपी मुखिया, पंचायत सचिव महावीर शाह और जेई राहुल कुमार को नोटिस जारी कर दिया गया है। मामले से वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है।

आठ कृषि वैज्ञानिकों का आरोप- सबौर विवि ने उन्हें समय से पहले ही रिटायर कर दिया

विवि ने कहा- ये गैर शैक्षणिक कर्मी हैं, इनकी सेवानिवृत्ति उम्रसीमा 62 साल

पटना, एजेंसी। प्रदेश के आठ कृषि वैज्ञानिकों ने आरोप लगाया है कि सबौर कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनको 65 साल के बदले जबरन 62 साल में ही सेवानिवृत्त कर दिया। इसमें न तो सेवानिवृत्ति की शर्तें लागू की गईं और न समय से पहले सूचना दी गई। एक कृषि वैज्ञानिक को 31 दिसंबर 2024 और 7 कृषि वैज्ञानिकों को 31 जनवरी 2025 की शाम पांच बजे अचानक ईमेल से पता चला कि वे सेवानिवृत्त हो गए हैं।

बीते दिसंबर में भोजपुर केवीके के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी को सेवानिवृत्ति का पत्र दिया गया। वे 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे। विवि ने 11 दिसंबर को पत्र दिया कि उनका कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। डॉ. प्रवीण ने बताया कि सेवानिवृत्ति के नियमों के तहत कम से कम दो महीने पहले इसकी सूचना देनी पड़ती है। इसके अलावे सात अन्य कृषि वैज्ञानिकों को 31 जनवरी की शाम ईमेल से रिटायर होने की सूचना दी गई। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा घटाई गई है तो किस तारीख से मान्य होगा, इसका जिक्र होना चाहिए था।

डॉ. प्रवीण बताते हैं कि पिछले साल कृषि वैज्ञानिकों के सम्मेलन में आईसीएआर के उपमहानिदेशक डॉ. यूएस गौतम ने कहा था कि आप बिहार कृषि विवि के वैज्ञानिक हैं, इसलिए आपलोगों पर विवि के नियम लागू होंगे। इन्हें सेवानिवृत्त किया गया .डॉ. शंभु राय, लखीसराय केवीके .डॉ. एसबी सिंह, गया केवीके .डॉ. कुमारी शारदा, कटिहार केवीके . डॉ. बिपुल कुमार मंडल, खगड़िया केवीके .डॉ. केपी सिंह, कटिहार केवीके .डॉ. जावेद इदरिस, कटिहार केवीके .डॉ. डीएन पांडेय, शेखपुरा केवीके।

कुलसचिव डॉ. एम. हक का कहना है कि बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर अन्तर्गत संचालित सभी कृषि विज्ञान केन्द्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित हैं। परिषद् से पत्र के जरिए मिले निर्देश के अनुसार कृषि विज्ञान केंद्र के सभी कर्मी को गैर-शैक्षणिक वर्ग में रखा गया है। विवि परिनियम में निहित प्रावधान के आलोक में विवि एवं इसकी अंगीभूत इकाइयों में कार्यरत गैर-शैक्षणिक कर्मियों का सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष है।

खेमका हत्याकांड के विरोध में सड़कों पर उतरे व्यापारी

बेतिया, एजेंसी। पटना के प्रसिद्ध व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या ने पूरे बिहार के व्यापारियों में आक्रोश और भय का माहौल पैदा कर दिया है। हत्या की इस सनसनीखेज घटना के विरोध में बेतिया के नरकटियागंज में सोमवार की रात व्यापारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। दर्जनों की संख्या में जुटे स्थानीय व्यवसायियों ने गुरुद्वारा से कैंडल मार्च निकालकर अपराध के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। यह कैंडल मार्च सब्जी मंडी, स्टेशन रोड, अम्बेडकर चौक होते हुए शहीद चौक पहुंचा, जहाँ व्यापारियों ने एकत्र होकर प्रशासन से तत्काल हत्यारों की गिरफ्तारी और व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान कई व्यापारियों की आंखें नम थीं और चेहरे पर आक्रोश साफ दिख रहा था। प्रदर्शन में शामिल व्यापारियों का कहना था कि जब तक गोपाल खेमका के हत्यारों को सजा नहीं मिलती, तब तक वे चैन से नहीं बैठेंगे।

बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद

व्यापारियों ने कहा कि अगर पटना जैसे सुरक्षित माने जाने वाले शहर में एक बड़े व्यापारी की सरेआम हत्या हो सकती है, तो फिर छोटे शहरों में उनका क्या हाल होगा? उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और व्यापारियों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। इस कैंडल मार्च के जरिए व्यापारियों ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि वे अब चुप नहीं बैठेंगे और एकजुट होकर अपनी सुरक्षा के लिए आवाज उठाएंगे। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस जनदबाव के आगे कब तक कार्रवाई करता है और दोषियों को पकड़कर सख्त सजा दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाता है।

छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या

शव को जमीन में दफनाया, पुलिस ने चार आरोपितों को लिया हिरासत में, आरोपी की निशानदेही पर शव और सामान बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रजौली (नवादा)। रजौली थाना क्षेत्र के गंगटा गांव से मंगलवार को रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां आपसी रंजिश में छोटे भाई ने अपने सगे बड़े भाई की बेरहमी से हत्या कर शव को जमीन में दफना दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गंगटा गांव निवासी रामबालक यादव के दो बेटे–रंजीत यादव (मृतक) और छोटन यादव–के बीच कुछ दिन पूर्व मामूली विवाद को लेकर मारपीट हुई थी। इसी विवाद ने जल्द ही रंजिश का रूप ले लिया और छोटे भाई ने बदले की भावना में आकर अपने बड़े भाई की हत्या की साजिश रच डाली। 4 जुलाई को रंजीत यादव अपनी पत्नी से यह कहकर निकला कि वह बाजार जा रहा है बच्चों के लिए किताबें और कॉपियां खरीदने। लेकिन जब देर शाम तक वह घर नहीं लौटा, तो पत्नी नीतू देवी ने खोजबीन शुरू की। कहीं से कोई जानकारी न मिलने पर 5 जुलाई को रजौली थाना में पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही रजौली पुलिस हरकत में आई और जांच शुरू की। जांच के क्रम में पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतक के छोटे भाई छोटन यादव सहित चार लोगों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में छोटन यादव ने चौंकाने वाला खुलासा किया कि उसने ही अपने बड़े भाई की हत्या कर शव को गुप्त रूप से गौरी ईंट भट्ठा के पास दफन कर दिया।

पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर मंगलवार दोपहर को सीओ गुफरान मजहरी की उपस्थिति में शव को जमीन से बाहर निकाला और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर सदर अस्पताल, नवादा में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन और पर्स बुढियाशाख के जंगल से बरामद कर लिया है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गांव में इस दर्दनाक वारदात से शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। रिश्तों की हत्या और रंजिश की यह कहानी हर किसी को झकझोर रही है।

विकसित नवादा हेतु मेरा प्रयास निरंतर जारी : विवेक ठाकुर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। भाजपा नेता एवं नवादा सांसद विवेक ठाकुर ने बताया कि राज्य की एनडीए सरकार ने नवादा के दो लंबित प्रमुख सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दे दी है। उन्होंने कहा नवादा संसदीय क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु मेरा प्रयास निरंतर जारी रहेगा। विवेक ठाकुर ने बताया कि नवादा के प्रमुख शहर हिसुआ को जाम से निजात हेतु बाईपास के निर्माण की स्वीकृति मिली है। वहीं नवादा जिलांतर्गत लेधा, कझिया, नाद, कुलना, कौशी हवार भुमई, अकबरपुर पथ (एसएच-103) तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य की भी स्वीकृति मिली है। सांसद विवेक ठाकुर ने बताया कि यह नवीन हिसुआ बाईपास हिसुआ - राजगीर एन.एच 82 पर बगोदर से बगोदर करमचक पथ होते हुए हिसुआ - नवादा एस.एच 08 पर उड़सा आहर तक बनेगा। इसके निर्माण हेतु कुल 3519.355 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। सांसद विवेक ठाकुर ने कहा कि यह अतिआवश्यक बाईपास की मांग बहुत दिनों से स्थानीय लोग कर रहे थे। इसके निर्माण को लेकर कुछ दिन पूर्व हमने राज्य सरकार से आग्रह किया था। जिसकी स्वीकृति अब मिली है। उन्होंने कहा कि हिसुआ शहर की आबादी बहुत घनी हो गई है। पूरा शहर वर्तमान समय में जाम से त्रस्त है। गया - नवादा रोड पर हिसुआ बाजार स्थित सड़क काफी संकीर्ण है, जिससे घंटों जाम लगा रहता है। इससे निजात हेतु यह बाईपास अतिआवश्यक था। सांसद विवेक ठाकुर ने इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन के प्रति समस्त नवादा लोकसभा वासियों के तरफ से आभार प्रकट किया है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अंतरण कार्यक्रम की तैयारी तेज, डीएम ने की समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिलाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खाते में बढ़ी हुई दर से राशि अंतरण कार्यक्रम को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बताया गया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत संचालित सभी छह पेंशन योजनाओं की पेंशन राशि जून 2025 से 400 से बढ़ाकर 1100 कर दी गई है। इस बढ़ी हुई राशि का डीबीटी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से भुगतान 11 जुलाई की सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालय से लेकर नगर निकाय वार्डों तक टीवी, लैपटॉप या मोबाइल के माध्यम से दिखाया जाएगा। इसके लिए जिले भर में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम स्थलों पर कम से कम 60 प्रतिशत पेंशनधारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। कार्यक्रम का आयोजन जिला स्तर पर बिहारशरीफ स्थित टाउन हॉल में किया जाएगा। वरीय प्रभारी पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजन होगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी को कम से कम 300 पेंशनधारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। स्थानीय विद्यालयों या सरकारी भवनों में कार्यक्रम होगा। पंचायतों में पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। वार्डों में कार्यपालक पदाधिकारी आयोजन सुनिश्चित करेंगे।सभी आयोजन स्थलों पर अल्पाहार, पेयजल, कुर्सी, टेबल, जनरेटर, फ्लेक्स, माइक, टीवी, इंटरनेट की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा कार्यक्रम की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी अनिवार्य रूप से करानी होगी। उसे ईमेल या व्हाट्सएप (9110141198) पर भेजना होगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए नोडलाधिकारी के रूप में सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, नालंदा को नियुक्त किया गया है। उनके सहयोग के लिए अन्य संबंधित अधिकारियों को भी दायित्व सौंपा गया है। पेंशन योजना के लिए नए आवेदन प्राप्त करने के लिए अलग से स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जिससे पात्र लोग मौके पर आवेदन कर सकें।

नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति की मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने मंगलवार को पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार भेंट की। यह कुलपति पद संभालने के बाद उनकी मुख्यमंत्री से पहली औपचारिक मुलाकात थी। बैठक में प्रो.चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय के नेट जीरो कैंपस मॉडल की प्रगति साझा की जो राष्ट्रीय और वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप एक पर्यावरणीय पहल है मुख्यमंत्री ने इस नवाचार की सराहना करते हुए इसे बिहार के अन्य विश्वविद्यालयों में भी अनुप्रयोजित (रिप्लिकेट) करने का सुझाव दिया। जिससे राज्य में सतत उच्च शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। बातचीत में पटना-राजगीर के बीच प्रस्तावित सीधा और कम दूरी वाला मार्ग भी चर्चा का विषय रहा।

साइकिल रैली निकाल मतदाताओं को किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर मतदाताओं को जागरुक करने के लिए मंगलवार को जदयू कार्यकर्ताओं ने रजौली प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में साइकिल सायकिल यात्रा निकाली। रजौली नगर पंचायत के अर्चना नगर में पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता एमएलसी प्रतिनिधि दीपक कुमार मुन्ना तथा प्रखंड जदयू अध्यक्ष सह प्रखंड 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष दिलीप कुमार उर्फ कारू सिंह, बजरंगबली चौक पर नगर अध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा, प्रखंड सचिव सह 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति सदस्य अनिल प्रसाद सिंह, छात्र जदयू प्रखंड अध्यक्ष सुमन खत्री, कौआकोल में तकनीकी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अजय सिंह, आरती नगर में अति पिछड़ा प्रखंड उपाध्यक्ष सह 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति सदस्य अरुण चंद्रवंशी के नेतृत्व में तथा फरका बुजुर्ग पंचायत में पंचायत अध्यक्ष राजू यादव, रजौली पूर्वी में मनोज कुमार, रजौली पश्चिमी में अवधेश पांडेय, मुरहेना में डॉ धर्मेंद्र कुमार, बहादुरपुर में अजय कुमार, अंधरवारी में प्रखंड युवा अध्यक्ष सह प्रखंड 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति सदस्य संदीप कुमार व पंचायत अध्यक्ष सौरभ कुमार, धमनी में विक्रम मोदी, चितरकोली में रवि चंद्रवंशी, हरदिया में पंचायत अध्यक्ष पुरुषोत्तम पांडेय के नेतृत्व में व अन्य पंचायतों में भी पंचायत अध्यक्षों के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाल कर मतदाताओं को फॉर्म भरने के लिए जागरूक किया गया।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठने की जरूरत : विकास कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जनता दल यूनाइटेड द्वारा मंगलवार को प्रदेशव्यापी साइकिल रैली निकाली गई। इसी क्रम में हिलसा प्रखंड में भी जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों छात्र-युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व युवा जदयू बिहार के प्रदेश उपाध्यक्ष विकास कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदाता पुनरीक्षण अभियान बेहद जरूरी है। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि जनहित से जुड़ा संवैधानिक दायित्व है। इसलिए सभी राजनीतिक दलों को दलगत भावना से ऊपर उठकर इसमें सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जदयू शुरू से ही लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रबल समर्थक रही है और इसी भावना से पार्टी ने प्रदेशभर में यह साइकिल रैली आयोजित की है ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर युवा जदयू हिलसा प्रखंड अध्यक्ष रूपेश पटेल, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय छात्र जदयू अध्यक्ष श्री आशीष कुमार, छात्र जदयू बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष चंदन कुमार, युवा नेता प्रेम कुमार, विक्की कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-युवा कार्यकर्ता शामिल हुए।

द्वितीय अपील के तहत शिकायतों का डीएम ने किया त्वरित निपटारा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के अंतर्गत द्वितीय अपील की सुनवाई की गई। इस अवसर पर तीन परिवादी उपस्थित हुए, जिनमें से एक की शिकायत का समाधान ऑन-स्पॉट कर दिया गया। प्रस्तुत द्वितीय अपील अमित कुमार पाण्डेय एवं अंकित कुमार, पिता- राम नरेश शर्मा, ग्राम- माखर, थाना/प्रखंड- अकबरपुर, जिला- नवादा द्वारा ऑनलाइन माध्यम से दर्ज की गई थी। संबंधित पदाधिकारी द्वारा की गई जांच के उपरांत प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर जिला पदाधिकारी द्वारा अपीलार्थी एवं लोक प्राधिकार की उपस्थिति में मामले की विस्तृत सुनवाई की गई। तत्पश्चात परिवाद का निष्पक्ष समाधान किया गया।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिनियम, 2015 के अंतर्गत किसी भी शिकायत का समाधान अधिकतम दो माह की अवधि में सुनिश्चित किया जाता है। अनुमंडलीय स्तर पर नवादा सदर एवं रजौली लोक शिकायत निवारण कार्यालयों में प्रखंड/पंचायत से संबंधित शिकायतें दायर की जा सकती हैं। वहीं, जिला स्तर की समस्याओं के लिए समाहरणालय स्थित लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम भवन में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, नवादा के कार्यालय में शिकायत दर्ज की जा सकती है। इस अधिनियम की विशेषता यह है कि शिकायत दर्ज करने, सुनवाई तथा निवारण की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है। सभी वादों की सुनवाई दोनों पक्षों की उपस्थिति में की जाती है और यदि आदेश से कोई असंतुष्ट हो, तो वह निःशुल्क अपील भी कर सकता है। अब आम नागरिकों के लिए शिकायत दर्ज करना और भी सरल हो गया है। ऑनलाइन माध्यम से भी शिकायतें व अपील दर्ज की जा सकती हैं।

गांधी स्कूल नवादा की धरोहर है इसे बचाकर रखें : विभा देवी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा की विधायक विभा देवी ने मंगलवार को जिले के ऐतिहासिक गांधी इंटर स्कूल का निरीक्षण किया और विद्यालय की बदहाल स्थिति पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर वहां फैली अव्यवस्थाओं के लिए विद्यालय प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि गांधी स्कूल नवादा की धरोहर है। यह विद्यालय डेढ़ सौ वर्षों का गौरवशाली इतिहास समेटे हुए है। इसकी रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी दीपक कुमार और डीपीओ प्रियंका कुमारी भी मौजूद थीं। विधायक ने देखा कि विद्यालय भवन जर्जर अवस्था में है, पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है, सफाई व्यवस्था बदहाल है, शौचालय अनुपयुक्त हैं और कई कक्षाओं में छात्र अनुपस्थित मिले। उन्होंने बताया कि पुराने छात्रावास और भवनों में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। लोग यहां जुआ, नशा और अवैध शराब के धंधे में लगे हैं। पश्चिमी बाउंड्री के टूटे होने पर डीईओ ने विद्यालय प्राचार्य को कड़ी फटकार लगाते हुए सुधार की चेतावनी दी।

विधायक विभा देवी ने आश्वस्त किया कि विद्यालय के पुनर्निर्माण, डेंटिंग-पेंटिंग, बिजली व्यवस्था, शौचालय और पेयजल आपूर्ति जैसे कार्यों पर जो भी व्यय आएगा, वह विधायक निधि से उपलब्ध कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कन्या इंटर विद्यालय का भी जायजा लिया, जहां शिक्षकों की भारी कमी पाई गई। उन्होंने शिक्षा विभाग से शीघ्र प्रतिनियुक्ति की मांग की ताकि छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित न हो। निरीक्षण में मौजूद अमित सरकार ने डीइओ का ध्यान आकृष्ट कराया कि गांधी इंटर विद्यालय, कन्या इंटर विद्यालय, प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय, सत्येंद्र सिंह उच्च विद्यालय और कन्हाई इंटर विद्यालय को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किया जाए। विधायक विभा देवी के इस दौरे की क्षेत्रवासियों द्वारा सराहना की जा रही है। उन्होंने अपील की कि जिले के लोगों और शिक्षकों को भी इस ऐतिहासिक विद्यालय को फिर से शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए पहल करनी चाहिए।

बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा में सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के सौजन्य से बाबू जगजीवन राम राष्ट्रिय प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के तत्वाधान में बाबू जगजीवन राम के पुण्यतिथि के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के द्वारा कराया गया। प्रतियोगिता में संगीत, डान्स, भाषण, पेंटिंग और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता कराया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया गया अन्य भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को संतावना पुरस्कार एवं सम्मान-पत्र भी दिया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन छात्र-छात्राओं, अतिथि एवं मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विनीता मेहता, सदस्य जिला परिषद, रोह पूर्वी, निभा देवी मुखिया ग्राम पंचायत छनौन, श्यामदेव प्रसाद सिंह से0नी0 प्रधानाध्यापक, संटू सिंह सामाजिक कार्यकर्ता एवं बबलू कुमार, उपाध्यक्ष ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन न्यू प्रगति फाउंडेशन, नवादा, बिहार द्वारा किया गया और इस कार्यक्रम में 205 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

जिले में 34 फरार अपराधियों की गिरफ्तारी : एसपी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने बताया कि 6 जुलाई 2025 को नवादा जिला में पुलिस द्वारा विभिन्न गिरफ्तारियां की गयी हैं, मद्य निषेध में चार एवं अन्य गिरफ्तारी 30 कुल 34 गिरफ्तारियां हुई। शराब की बरामदगी अन्तर्गत 146.5 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया। वारंट के निष्पादन की संख्या-06 एवं कुर्की के निष्पादन की संख्या-03 है। वाहन जांच के क्रम में कुल 215 वाहनों की जॉच की गयी है एवं जुर्माने की कुल राशि 71 हजार 500 रूपया वसूला गया है। अन्य गिरफ्तारी अन्तर्गत एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नवादा पुलिस इस तरह के क्रुर एवं जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने एवं सजा दिलाने के लिए लगातार संकल्पित है। अपराध को अंजाम देने के बाद अन्यत्र जगह छुपकर रहने वाले अपराधियों के विरूद्ध नवादा पुलिस लगातार आसूचना संकलन कर रही है तथा कार्रवाई के लिए प्रयासरत है। नवादा पुलिस के लिए यह बड़ी सफलता है।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान के तहत सुलह योग्य मामलों के शीघ्र निपटारे पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देशानुसार व्यवहार न्यायालय, नवादा के कॉन्फ्रेंस रूम स्थित पुस्तकालय कक्ष में सोमवार को प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, धनंजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रशिक्षित मध्यस्थ अधिवक्ताओं एवं न्यायिक पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर न्यायाधीश श्री सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य है - न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सुलभ और समयबद्ध बनाते हुए लंबित मामलों का आपसी संवाद व सहमति से समाधान सुनिश्चित करना। उन्होंने कहा कि इस पहल से पक्षकार ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड मोड के माध्यम से भी मामले निपटा सकते हैं। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव धीरेन्द्र कुमार पांडेय ने कहा कि यह अभियान उन मामलों पर केंद्रित है जिनमें समझौते की संभावना अधिक होती है। इसमें परिवार विवाद, मुआवजा वाद, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, उपभोक्ता विवाद, सुलह योग्य आपराधिक मामले, संपत्ति बंटवारा, मकान मालिक-किरायेदार विवाद, भूमि अधिग्रहण जैसे मामलों को शामिल किया गया है।

प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बताया कि जुलाई माह में ऐसे मामलों की पहचान कर पक्षकारों को सूचना दी जाएगी और प्रशिक्षित मध्यस्थ अधिवक्ताओं को मामले सौंपे जाएंगे। मध्यस्थता के माध्यम से समाधान की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

इस बैठक में नवादा व्यवहार न्यायालय के अनेक वरिष्ठ न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य था–न्याय को जनसुलभ बनाना और मुकदमों के बोझ को कम कर त्वरित न्याय सुनिश्चित करना, जिसमें सभी न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

नालंदा पहुंचीं नॉर्वे की राजदूत माई-एलीन स्टेनर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। भारत में नॉर्वे की राजदूत हेर एक्सीलेंसी माई-एलीन स्टेनर मंगलवार को नालंदा जिले के दौरे पर पहुंची। इस दौरान उन्होंने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और नवजात देखभाल व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सबसे पहले दीपनगर स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया, इसके बाद बिहारशरीफ सदर अस्पताल के विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) का भ्रमण किया। निरीक्षण के क्रम में राजदूत स्टेनर ने अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने नवजात शिशुओं को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं, साफ-सफाई, स्तनपान प्रोत्साहन, कंगारू मदर केयर, टीकाकरण और संक्रमण नियंत्रण जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने नालंदा में स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बताते हुए कहा कि यह मॉडल अन्य जिलों के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता है। राजदूत ने विशेष रूप से एसएनसीयू वार्ड की व्यवस्थाओं की सराहना की। निरीक्षण के मौके पर नॉर्वे प्रतिनिधिमंडल की ओर से उंडिस वी. सिंह, एस्पेन आसन, डॉ. अशफाक अहमद भट, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, और स्वास्थ्य विभाग की ओर से डीपीएम श्याम कुमार निर्मल, प्रबंधक मोहम्मद इमरान, लेखपाल सुरजीत कुमार समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

पंचायत समिति सदस्य पद के उपचुनाव के लिए आज होगा मतदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कौआकोल। कौआकोल प्रखंड के दरावां पंचायत समिति सदस्य पद के रिक्त स्थान पर बुधवार, 9 जुलाई को उपचुनाव के तहत मतदान संपन्न होगा। पंचायत की कुल 14 वार्डों में मतदाता सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। जानकारी के अनुसार, दरावां पंचायत में कुल 8,954 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें पुरुष मतदाता 4,623 और महिला मतदाता 4,331 शामिल हैं। पूर्व में पंचायत समिति सदस्य रहीं रीता देवी के इस्तीफ़े के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी, जिसके उपरांत निर्वाचन आयोग द्वारा उपचुनाव की घोषणा की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार ने बताया कि मतदान के लिए 14 मुख्य मतदान केंद्रों के अलावा 3 सहायक मतदान केंद्र भी बनाए गए हैं। वार्ड संख्या 4, 8 और 11 में एक-एक सहायक केंद्र की व्यवस्था की गई है ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त चुनाव को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है। मतगणना 11 जुलाई को प्रखंड मुख्यालय परिसर में स्थित कार्यालय भवन में की जाएगी। इसके लिए दो टेबल बनाए गए हैं और सुबह 8 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। इस उपचुनाव में प्रमिला देवी और रूपा सिंह के बीच सीधा मुकाबला है। स्थानीय स्तर पर यह चुनाव चर्चा का विषय बना हुआ है, और दोनों प्रत्याशियों के समर्थकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

मतदान के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

201 महिला श्रद्धालुओं ने निकाली कलश शोभायात्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। रहुई नगर पंचायत क्षेत्र के ताड़ापर मोहल्ले स्थित देवी मंदिर में अखंड कीर्तन को लेकर मंगलवार को कलश शोभायात्रा निकाली गयी। कलश शोभायात्रा के दौरान मौजूद वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रामलालन प्रसाद ने बताया कि समस्त मोहल्ले वासियों के सहयोग से देवी मंदिर परिसर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया है। अखंड कीर्तन के एक दिन पूर्व मंगलवार की सुबह में 201 महिला श्रद्धालु द्वारा गाजे बाजे के साथ कलश शोभायात्रा निकाली गयी।

जदयू ने निकाली मतदाता जागरूकता साइकिल रैली, हर वोटर तक पहुंचने का लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बिहार में संभावित विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जनता दल (यूनाइटेड) की ओर से मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का नेतृत्व जदयू जिला अध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने किया। रैली के माध्यम से ग्रामीण और शहरी इलाकों के मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, सुधार कराने और सत्यापन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। रैली पुरानी कचहरी रोड, भगत सिंह चौक और प्रजातंत्र चौक होते हुए नगर के विभिन्न इलाकों से गुजरते हुए मतदाताओं से सीधा संवाद करती रही। जिला अध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने कहा कि हमारी पार्टी का संकल्प है – 'सत्यापन हम करेंगे, लोकतंत्र को मजबूत बनाएंगे। वोट हमारा अधिकार है, सत्यापन ही उपचार है। सही नाम कटे नहीं, फर्जी नाम जुड़े नहीं।' उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग प्रत्येक 20 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने और पुराने रिकॉर्ड की शुद्धता के लिए विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाता है। इसके तहत बूथ लेवल ऑफिसर घर-घर जाकर फॉर्म वितरित कर रहे हैं। मतदाता को आधार नंबर, मोबाइल नंबर और फोटो संलग्न कर फॉर्म उसे को देना है। पार्टी ने हर बूथ पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए हैं, जो मतदाताओं को फॉर्म भरने और जमा करने में सहयोग करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया आसान, पारदर्शी और लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जदयू नेताओं ने बताया कि अक्टूबर-नवंबर 2025 में संभावित विधानसभा चुनावों को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने बिहार से ही इस अभियान की शुरुआत की है। जदयू का संकल्प है कि कोई भी योग्य मतदाता वंचित न रहे। इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी अरुण कुमार वर्मा, जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता जयशंकर चंद्रवंशी, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष संजय साव, वरिष्ठ नेता मनोहर पासवान, प्रो. प्रमिला प्रजापति, डॉ. इंद्रजीत वैद्य, डॉ. रियाज खान, विनोद चौधरी, प्रिंस प्रभात डांगी, संदीप कुमार चुन्नू, विपिन चौधरी, अंकित राय, नरेंद्र कुमार यादव, किशोरी सिंह, विक्की कुमार, विवेक कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 08-07-2025 21:54 Page 1

ट्रक और ई-रिक्शा की टक्कर में तीन की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा-मधुबनी एनएच-27 पर अयुबनगर चौक के पास मंगलवार को ट्रक और ई-रिक्शा के बीच सीधी टक्कर में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला का इलाज सकरी के रामशिला अस्पताल में चल रहा है।

मृतकों की पहचान भालपट्टी थाना क्षेत्र के अयुबनगर ठेका टोल निवासी संजिदा खातून, फिरोजा खातून और रिक्शा चालक विकास मंडल के रूप में हुई है। घायल महिला नदीमा खातून बताई जा रही हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दरभंगा से मधुबनी की ओर जा रहे ट्रक का अचानक चक्का फट गया, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ई-रिक्शा से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रिक्शा सवार तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि रिक्शा चालक गांव से यात्रियों को लेकर एनएच-27 पर चढ़ रहा था, तभी यह हादसा हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही भालपट्टी और सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, जबकि घायल महिला की हालत नाजुक बनी हुई है।

हाइवा की ठोकर से बाइक सवार की गयी जान

मधुबनी। जिले के फुलपरास थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह दर्दनाक सड़क हादसा फुलपरास हटिया बांध एनएच-57(27) पर मंगलवार को हुआ।

मृतक की पहचान लौकही प्रखंड में कृषि समन्वयक के पद पर कार्यरत 36 वर्षीय चंदन कुमार के रूप में हुई है। वह घोघरडीहा प्रखंड के बथनाहा गाँव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि चंदन कुमार बाइक से बथनाहा से लौकही जा रहे थे, इसी दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने उनकी बाइक में जोरदार ठोकर मार दी।

घटना की सूचना मिलते ही फुलपरास थाना पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मधुबनी भेज दिया। हादसे की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुँची, परिवार में कोहराम मच गया।

मंदिरों में चोरी की घटनाओं में वृद्धि

भागलपुर। चोरों से अब मंदिरों में मौजूद भगवान भी असुरक्षित होने लगे हैं तो आम लोगों की बिसात क्या। आम लोगों के घरों को दिन में ताड़ कर रात में आसानी से बेशकीमती सामान झाड़ ले रहे हैं। मंदिरों में चोरी की घटना में हाल के महीनों में काफी इजाफा देखा जा रहा है।जनवरी से अबतक आधा दर्जन से अधिक मंदिरों को चोरों ने निशाना बना डाला है। हद तो यह हो गई कि जिस मंदिर में पांच माह पूर्व चोरी हुई थी, उसी मंदिर को चोरों ने दिनदहाड़े निशाना बनाते हुए भगवान भोलेनाथ में लिपटे पांच किलोग्राम की अष्टधातु से बनी नाग को ही चुरा लिया।चोरों ने मंदिर के अंदर ही मजबूत पट से सुरक्षित ढक दी गई दुर्गा महारानी की सोने की मुकुट और सोने की हार चुरा ले जाते। प्रयास भी किया, लेकिन पट खोलने में सफल नहीं हो सके। यह वारदात चार जुलाई 2025 को एसएम कालेज रोड चौराहे पर मौजूद पुलिस शिविर के पास वाली मंदिर में घटी। चोरों की करतूत कैमरे में कैद हो गई। सिटी एसपी के निर्देश पर जोगसर थानाध्यक्ष को सहयोग के लिए बरारी थानाध्यक्ष बिट्टू कुमार कमल को भी टीम के साथ लगाया, लेकिन अबतक चोरों की पहचान नहीं हो सकी है।

पताही से शुरू होगी विमान सेवा, सर्वे शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पताही हवाई अड्डा से विमान सेवा शुरू करने की दिशा में सर्वे का कार्य शुरू हो गया है। यह पांच दिनों तक चलेगा। इसके लिए विशेषज्ञ की टीम पहुंचेगी। इसमें वरिष्ठ जीआइएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) विश्लेषक और एसोसिएट कंसल्टेंट टीम लीडर शामिल हैं।

एटीएम-सर्वे एंड कार्टोग्राफी के महाप्रबंधक संदीप मुखोपाध्याय ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण पटना के एयरपोर्ट निदेशक को इससे अवगत कराया था और सर्वे कार्य के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था।

इसपर डीएम सुब्रत कुमार सेन ने भवन प्रमंडल विभाग के कनीय अभियंता सुनील कुमार को नोडल पदाधिकारी नामित किया है। उन्हें सर्वेक्षण पदाधिकारियों से साथ समन्वय बनाकर सहयोग का निर्देश दिया है।

एसएसपी को सुरक्षा की दृष्टिकोण से एक पुलिस पदाधिकारी व स्काट की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। इसके अलावा अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, मड़वन व मुशहरी सीओ को अपने कार्यालय से दो कार्यालय परिचारी की प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया है।

विदित हो कि पताही हवाई अड्डा से विमान सेवा शुरू करने की स्वीकृति पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में दी गई थी। इसके लिए एमओयू भी साइन किया जा चुका है। अब सर्वे करते हुए इसकी विस्तृत रिपोर्ट भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और राज्य सरकार को सौंपी जाएगी।

सर्वेक्षण के दौरान नए सिरे से रनवे निर्माण, टैक्सी-वे, पार्किंग, नए भवन का निर्माण समेत अन्य बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस दौरान इसका मानचित्र भी बनाया जाएगा। हवाई अड्डा पर सर्वेक्षण अधिकारियों को प्लाटिंग, मानचित्रण कार्य और महंगे उपकरणों के भंडारण के लिए अस्थायी भंडार कक्ष भी बनाया जाएगा। उसी परिसर में एक सुरक्षित क्षेत्र चिह्नित करने को कहा गया है। हवाई अड्डा के आसपास के क्षेत्र में अवस्थित ऊंचे भवनों का भी मानचित्र तैयार होगा, ताकि जब विमान सेवा शुरू हो तो इन भवनों के कारण विमान को टेकऑफ करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

वर्तमान में पताही हवाई अड्डा से छोटी विमान सेवा शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि पहले से करीब 101 एकड़ भूमि पर यह अवस्थित है।

पूर्व में इसके विस्तारीकरण को लेकर सीओ से सर्वे कराया गया था। बड़ी विमान सेवा शुरू करने के लिए 475 एकड़ भूमि का अधिग्रहण करने की रिपोर्ट दी गई थी।

इसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया था। उनका कहना था कि अधिग्रहण व विस्तारीकरण से पूरा गांव बर्बाद हो जाएगा। सभी घर व दुकानें टूट जाएंगी। इसे देखते हुए अब यहां से छोटी विमान सेवा की शुरूआत होने वाली है।

उत्सवी माहौल में हुआ दरभंगा विवि के पंचांग का विमोचन

पहली बार हुआ था 1977-78 में प्रकाशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। उत्सवी माहौल में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.लक्ष्मीनिवास पांडेय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय पंचांग का विमोचन किया गया। मौके पर कई विद्वान उपस्थित थे।

अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि यह पंचांग सिर्फ मुहूर्त व शुभ दिन देखने के लिए नहीं है बल्कि यह विश्वविद्यालय की स्मिता व पहचान है। यहां के विद्वान विशेषज्ञों द्वारा कठिन मेहनत कर इसे तैयार किया जाता है। ये सभी धन्यवाद के पात्र हैं।

उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि आगे से और पहले ही इसे प्रकाशित कराने की व्यवस्था की जाएगी। वहीं शोध व प्रकाशन प्रभारी प्रो. दिलीप कुमार झा ने कहा कि विश्वविद्यालय पंचांग के जनक कुलपति प्रो. रामकरण शर्मा थे। उन्हीं के संरक्षण में पहली बार 1977-78 में इसका प्रकाशन शुरू हुआ। यह सिलसिला अनवरत जारी है।

आज हर्ष का विषय है कि पंचांग का 48वां अंक हमलोगों के हाथों में है। पंचांग के निदेशक ज्योतिष विभागाध्यक्ष डा. कुणाल कुमार झा ने पंचांग प्रकाशन की गुणवत्ता पर सवाल उठाया। डीन डा. शिवलोचन झा ने कहा कि विश्वविद्यालय पंचांग का इंतजार देश-विदेशों में रहता है। यह सम्पूर्ण देश के लिए गौरव है। मौके पर प्रो. दयानाथ झा, प्रो. पुरेन्द्र वरिक, डा. सुनील कुमार झा, डा. महानन्द ठाकुर, डा. ध्रुव मिश्र, डा. उमेश झा, डा. धीरज कुमार पांडेय, डा. नरोत्तम मिश्रा, डा. रामसेवक झा, डा. अनिल कुमार झा, डा. रविन्द्र मिश्र आदि उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के पीआरओ निशिकांत ने बताया कि शुक्रवार को विमोचित चिर प्रतीक्षित विश्वविद्यालय पंचांग 2025-26 आगामी 11 जुलाई से व्यवहृत होगा जो 29 जुलाई 2026 तक मान्य होगा। पंचांग के बाजार में आने से अब सम्पूर्ण मिथिला समेत अन्य प्रदेशवासी शुभ मुहूर्त व तिथि को मांगलिक कार्यों का बखूबी सम्पादन करेंगे। पर्व-त्योहारों व व्रतों को सही तिथि में करेंगे।

बता दें कि इस बार ज्येष्ठ माह में 15.5.26 से 15.6.26 तक मलमास लगेगा। वहीं, गणितकर्ता सह सम्पादक डा. वरुण कुमार झा ने बताया कि दो जुलाई से 12 जुलाई,26 तक सौराठ सभा आयोजित होगी। वहीं, सात सितम्बर,25 को एवं तीन मार्च,26 को चन्द्रग्रहण लगेगा। इस बार राजा बुध है और मंत्री शनि। बताया गया कि विश्वविद्यालय पंचांग पूर्णतः स्कंध ज्योतिष शास्त्र के सिद्धांतों एवं मकरन्द गणित पर आधारित है। इसमें तिथि व मुहूर्त का निर्धारण मूलतः मैथिल धर्मशास्त्रों के सम्मत है।

मामूली विवाद में दो को मारी गोली

बिहारशरीफ। दीपनगर थाना क्षेत्र के डुमरावां गांव में बच्चों के बीच मामूली विवाद में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में उक्त गांव निवासी ओम प्रकाश पासवान की पुत्री अन्नू कुमारी (22) और संतोष पासवान का पुत्र हिमांशु कुमार (24) शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, पहले बच्चों के बीच कहासुनी हुई और फिर बड़े भी विवाद में कूद पड़े। मामला इतना बढ़ गया कि आक्रोश में गोलीबारी शुरू हो गई। दोनों के सिर में गोली लगी है। घटना के बाद ग्रामीणों ने आनन-फानन में घायल युवकों को सदर अस्पताल बिहारशरीफ पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी जितेंद्र राम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इधर, आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर हंगामा किया और गेट को जाम कर दिया। परिजन पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे और शव को सीधे घर ले जाने की मांग पर अड़े रहे।

पारिवारिक कलह में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

योगापट्टी। थाना क्षेत्र के बलुआ भवानीपुर पंचायत की वार्ड संख्या तीन परेगवा अवधिया टोला गांव में पारिवारिक कलह के कारण एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान थाना क्षेत्र के परेगवा अवधिया टोला गांव निवासी नंदलाल कुशवाहा की पत्नी इंदू देवी (35 वर्ष) के रूप में हुई है।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया है। थानाध्यक्ष सम्राट सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। महिला के गले में साड़ी का फंदा मिला है।

स्थानीय लोग भी पारिवारिक झगड़ा में आत्महत्या की बात कह रहे हैं। फिलहाल, पुलिस पोस्टमार्टम करा रही है। रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा। अभी तक मृतका के मायकेवालों ने आवेदन नहीं दिया है। आवेदन मिलने पर कांड दर्ज कर पुलिस जांच करेगी।

बताया गया है कि सोमवार की सुबह में पति-पत्नी में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। महिला ने अपने पिता को फोन कर बताया था कि वह मायके आना चाहती है। वह रो रही थी।शाम छह बजे के आसपास मृतका की सास घर से बाहर गई। उसका पति सुबह में झगड़ा करने के बाद घर से चला गया था। दोनों बच्चों को घर से बाहर निकाल कर महिला घर के छप्पर में लगे एस्बेस्टस के पाइप में साड़ी का फंदा लगाकर लटक गई। बच्चों ने घर से बाहर जाकर हल्ला किया तो ग्रामीण के साथ मृतका के पति नंदलाल कुशवाहा आए।दरवाजा तोड़कर देखा तो महिला फांसी के फंदे पर लटकी मिली। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से महिला को इलाज के लिए गांव के एक चिकित्सक के पास ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृत महिला के पिता बैरिया थाना क्षेत्र के मलाही गांव निवासी केदारनाथ प्रसाद ने बताया कि उसकी पुत्री इंदू देवी से सोमवार की दोपहर में फोन पर बात हुई। वह अपने मायके आने की बात कह रही थी।

सनकी बेटे ने पिता को तलवार से काटा, मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। जिला से हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक सनकी बेटे ने संपत्ति के लिए अपने ही पिता की तलवार से काट कर मौत के घाट उतार दिया। हत्या की खबर मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना हिसुआ थाना क्षेत्र के बजड़ा गांव की है। मृतक की पहचान बजड़ा गांव निवासी 60 वर्षीय अनिल कुमार सिंह आजाद के रूप में हुई है।

पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है, लेकिन हत्या के बाद आरोपित बेटा बब्लू सिंह मौके से फरार है। पुलिस ने तलवार बरामद कर आरोपित बेटा की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है। आजाद को इतनी बुरी तरह से काटा गया, कि हाथ और अंगुली भी अलग हो गया।

शरीर पर लगभग चार-पांच जगहों पर वार किया गया है। मृतक के छोटा बेटा डबलू सिंह ने बताया कि रात को बिजली नहीं रहने से छत पर सोए हुए थे, रात करीब एक बजे पिताजी की आवाज सुनकर नीचे पहुंचे तो पिता को बड़ा भाई तलवार से वार कर रहे थे।

इस बीच अपने बचाव को लेकर घर से तलवार निकालकर लाया तो बड़ा भाई घर से भाग गया। हालांकि पुलिस के अनुसार आरोपित पहले मारपीट व अन्य मामले में भी जेल काट चुके हैं, इनका पुराना अपराधिक इतिहास रहा है।

पुलिस के अनुसार परिवार में सिर्फ चार लोग थे, जिसमें पिता और दो बेटा व दो बहू हैं। इसमें बड़ा बेटा बब्लू सिंह और उनके पिता के बीच जायदाद के बंटवारे व पैसों को लेकर लंबे समय से विवाद हो रहा था। इसमें कई बार पंचायती समझौते भी हुए, लेकिन सोमवार को दिन में पिता ने दोनों बेटे बड़ा बेटा बब्लू सिंह और छोटा बेटा डबलू सिंह के बीच बंटवारा किया।

ट्रेन से गिरकर छात्र की मौत

आरा। पटना-पीडीडीयू रेलखंड पर कारीसाथ व बिहिया स्टेशन के बीच ट्रेन से गिरकर एक छात्र की मौत हो गई। शव डाउन लाइन से बरामद किया गया।

मृत छात्र 21 वर्षीय विशाल केसरी जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर नगर सदर बाजार महावीर स्थान वार्ड संख्या 12 निवासी गुप्तेश्वर प्रसाद केसरी का पुत्र था। वह पीजी का छात्र था। शव का पोस्टमार्टम मंगलवार को सदर अस्पताल, आरा में कराया गया।

इधर, मृत छात्र के चचेरे भाई दीपक कुमार केसरी ने बताया कि सोमवार को विशाल अपनी बहन शिल्पी केसरी के ससुराल आरा शहर के नाला रोड मोहल्ला जाने के लिए बिहिया स्टेशन से ट्रेन पर चढ़ा था। इसी दौरान यह घटना घट गई। बहन के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की। लेकिन, कुछ पता नहीं चल सका।खोजबीन के दौरान जब परिजन आरा स्टेशन स्थित जीआरपी थाने पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि ट्रेन दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

जमीन खोदकर लापता युवक की लाश बरामद

शक के आधार पर युवक को लिया गया हिरासत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। थाना क्षेत्र के गंगटा गांव से लापता एक युवक के शव को पुलिस ने मंगलवार की दोपहर को जमीन खोदकर बरामद किया है।मृतक की पहचान फरका बुजुर्ग पंचायत के गंगटा गांव निवासी स्व. बालक यादव के 35 वर्षीय पुत्र रंजीत यादव के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पत्नी नीतू देवी ने 5 जुलाई को पुलिस को लिखित आवेदन देकर बताई थी कि मेरे पति 26 जून की सुबह 8 बजे बच्चों के कॉपी किताब को लेकर रजौली बाजार से आ रहा हूं।किंतु शाम तक वापस नहीं आने पर परिजन खोजबीन में जुट गए।काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर मृतक की पत्नी ने थाने को लिखित आवेदन देकर पति की बरामदगी की गुहार लगाई थी।

थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि मृतक की पत्नी द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त होने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा था।अनुसंधान के क्रम में घर में पुराने विवाद को लेकर लड़ाई-झगड़े की जानकारी पुलिस को हुई थी।

बीते दिन शक के आधार पर चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।पूछताछ के क्रम में हिरासत में लिए लोगों के निशानदेही पर शव को फरका बुजुर्ग पंचायत के जॉब जलाशय डैम के रास्ते में स्थित काशी भट्ठा और गौरी भट्ठा के बीच में रहे एक टिल्हा और जमीन के अंदर खोदकर बरामद किया गया है।बरामद किया गया शव सड़े-गले स्थिति में था,जिससे बहुत ज्यादा दुर्गंध आ रहा था।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दी है।पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

फुटपाथ की बदहाली से राहगीर हो रहे परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोहनिया। जीटी रोड से भभुआ रोड स्टेशन को जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ का फुटपाथ अतिक्रमण का शिकार हो गया है। जिससे राहगीरों को आने-जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर पंचायत इस समस्या को ले गंभीर नहीं है।फुटपाथ पर ठेले पर दुकानें लगती हैं, जिससे राहगीरों को आवागमन में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस पथ पर 24 घंटे वाहनों का परिचालन होता है। फुटपाथ की बदहाली प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।चांदनी चौक से भभुआ रोड रेलवे स्टेशन जाने वाले पथ की चौड़ाई कम है। फुटपाथ पर अतिक्रमण से पैदल चलने वाले यात्रियों को परेशानी होती है। लोग मजबूरी में व्यस्त सड़क पर चलने को मजबूर होते हैं। कई बार राहगीर दुर्घटना का शिकार हुए हैं। गत वर्ष तीन छात्राएं वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। स्टेशन रोड के दोनों तरफ दुकानें बनी हैं। इसी रोड में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा व कोआपरेटिव बैंक तथा आधा दर्जन एटीएम हैं। इसी रोड पर नगर पंचायत का कार्यालय भी है। दुकानों के आगे बने फुटपाथ पर एक लाइन से ठेले वाले सब्जी और फलों की दुकान लगाते हैं। स्टेशन रोड में ही लाखों की लागत से बनी सब्जी मंडी वीरान पड़ी है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

सं. सीओएम/पीयूबी/पीआरओ/ई-ऑक्शन/पार्किंग/25-6 **दिनांक: 03.07.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण इस प्रकार है: **नीलामी का प्रकार:** पार्किंग। **ई-नीलामी कैटलॉग सं.:** एएसएन-पीएआरके-020725, **ई-नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** 17.07.2025 को 12.15 बजे। **स्टेशनों/स्थानों के नाम:** (1) मंडल रेलवे अस्पताल कैम्पस में टू व्हीलर्स पार्किंग। (2) मधुपुर रेलवे स्टेशन पर नए एफओबी रैम्प के पास उत्तरी भाग के सर्कुलेटिंग एरिया में टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स एवं फोर व्हीलर्स पार्किंग। (3) बैद्यनाथधाम रेलवे स्टेशन पर नए जीआरपी कार्यालय के पास सर्कुलेटिंग एरिया में टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स एवं फोर व्हीलर्स पार्किंग। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को उपर्युक्त सूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी के संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-112/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ब्रांडेड शराब की किल्लत झेल रहे संचालक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में ब्रांडेड शराब की आपूर्ति पिछले दो महीनों से ठप है, जिससे राज्यभर में किल्लत बनी हुई है। शराब कंपनियों का आरोप है कि झारखंड स्टेट बेवरेजेस कारपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) पर उनका करीब 500 करोड़ रुपये का बकाया है, जिसके चलते उन्होंने आपूर्ति रोक दी है।

इसके अलावा, पिछले एक सप्ताह से शराब की खुदरा दुकानों में हैंडओवर-टेकओवर की प्रक्रिया के कारण दुकानें बंद हैं, जिससे बार संचालकों को भी शराब नहीं मिल रही। प्रमुख ब्रांड्स की भारी कमी है। पुराने स्टाक पर निर्भर बार संचालक परेशान हैं और नई आपूर्ति करीब दस दिनों से बंद है।

बार संचालकों का कहना है कि वे सालाना शुल्क और सिक्योरिटी मनी जमा करते हैं। नगर निगम क्षेत्र में नौ लाख और बाहर छह लाख रुपये का शुल्क देना पड़ता है, चाहे बिक्री हो या नहीं। इस स्थिति में बिक्री प्रभावित होने से उनकी परेशानी बढ़ गई है।

जेएसबीसीएल के गोदाम में जल्द नई आपूर्ति की उम्मीद है। महाप्रबंधक वित्त का पद 21 मई से रिक्त था, जब तत्कालीन अधिकारी सुधीर दास को शराब घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। अब प्रेम मेहरा को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

आयुक्त उत्पाद ने शराब कंपनियों को बकाया भुगतान का आश्वासन दिया है, और एक-दो दिन में भुगतान पूरा होने की उम्मीद है। कंपनियों को आपूर्ति शुरू करने को कहा गया है ताकि किल्लत दूर हो और राजस्व की भरपाई हो सके।

मई 2022 की उत्पाद नीति के तहत बार संचालकों को खुदरा दुकानों से ही शराब लेने का निर्देश है, पहले वे जेएसबीसीएल के गोदाम से लेते थे। राज्य में 243 लाइसेंसी बार हैं, जो मुख्य रूप से रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, और देवघर में हैं। खुदरा दुकानों के बंद होने से इनकी आपूर्ति प्रभावित है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

सं. सीओएम/पीयूबी/पीआरओ/ई-ऑक्शन/एमएसएस/25 **दिनांक: 07.07.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है: **नीलामी की कैटेगरी: एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस। ई-नीलामी कैटलॉग सं.:** एएसएन-एमएसएस-23-07, **ई-नीलामी शुरू होने की तिथि:** 23.07.2025 को 12.00 बजे। **क्रम सं., प्रकार, स्टेशनों/स्थानों के नाम :-**(1) **रिलैक्सेशन चेयर** का संस्थापन एवं परिचालन : अण्डाल रेलवे स्टेशन। (2) **मेडिकल स्टोर** का संस्थापन एवं परिचालन: सिउड़ी रेलवे स्टेशन। (3) **सलोन सर्विसेस** का संस्थापन एवं परिचालन: सिउड़ी रेलवे स्टेशन, दुमका रेलवे स्टेशन, देवघर रेलवे स्टेशन, पानागढ़ रेलवे स्टेशन। (4) **मोबाइल और एक्सेसरीज किऑस्क** का संस्थापन एवं परिचालन: अण्डाल रेलवे स्टेशन, रानीगंज रेलवे स्टेशन, सिमुलतला रेलवे स्टेशन, उखड़ा रेलवे स्टेशन, दुबराजपुर रेलवे स्टेशन, सिउड़ी रेलवे स्टेशन, पानागढ़ रेलवे स्टेशन, पाण्डबेश्वर रेलवे स्टेशन, जामताड़ा रेलवे स्टेशन, चित्तरंजन रेलवे स्टेशन। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि दी गई सूची के अनुसार संपूर्ण विवरण एवं उक्त ई-नीलामी में भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

ASN-114/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व रेलवे, हावड़ा, चतुर्थ तल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा 05 वर्ष की अवधि के लिए जीएमयू के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं के प्रावधान के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जिनके पास (क) कैटरिंग व्यवसाय में न्यूनतम 03 (तीन) वर्ष का अनुभव है, (ख) कैटरिंग व्यवसाय से पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों के किसी एक वर्ष में सांकेतिक लाइसेंस शुल्क के 03 (तीन) गुना का न्यूनतम वार्षिक कारोबार है और (ग) पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों में न्यूनतम रु. 03 (तीन) लाख का लाभ या हानि + संचित आरक्षित + शेयर पूंजी है। **हावड़ा मंडल के तहत 'ए1' कैटेगरी स्टेशनों पर जीएमयू यूनिटों के लिए जारी। स्टेशन:** हावड़ा, **स्टेशन कोड:** एचडब्ल्यूएच, **स्टेशन की कैटेगरी:** ए1, **स्थान:** न्यू कॉम्प्लेक्स/साउथ कॉनकोर्स/प्लेटफॉर्म सिरे से/6, **स्टॉल का माप:** 10'x6' अर्थात 60 वर्गफीट, **आरक्षण की कैटेगरी:** जीएमयू-जनरल, **आरक्षित मूल्य/सांकेतिक लाइसेंस शुल्क (प्रति वर्ष)** : रु.28,17,683/-, **बयाना राशि (अनुबंधित मूल्य का 2%):** रु. 2,93,100/-, **निविदा कागजात का मूल्य** : रु.5,000/-, **जीएसटी (निविदा कागजात के मूल्य पर 12%):** रु.600/-, **निविदा सूचना सं.:**आर3-जीएमयू-एचडब्ल्यूएच-एनसी-एसटी-पीएफईएनडी6, **अंतिम तिथि:** 23.07.2025, (1) निविदा कागजात की लागत पर 12% जीएसटी राशि फॉर्वर्ड चार्ज के रूप में संग्रह की जाएगी। (2) **निविदा कागजात की उपलब्धता: www.ireps.gov.in** (3) **अनुबंध की अवधि:** 05 वर्ष। (4) **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। (5) बोली केवल ऑनलाइन जमा की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

HWH-180/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

केवीआइसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने किया बिहार का एक दिवसीय दौरा

खादी की गुणवत्ता और उपलब्धता में सुधार का निर्देश

102 खादी संस्थाओं के बजट के माध्यम से 9004 कारीगरों को रोजगार मिला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष मनोज कुमार ने सोमवार को बिहार का एक दिवसीय दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खादी केवल वस्त्र नहीं, यह आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक बन चुकी है। यह परिवर्तन संभव हुआ है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में खादी का पुनर्जागरण हुआ है। अध्यक्ष केवीआईसी का यह दौरा राज्य में खादी और ग्रामोद्योग की योजनाओं की समीक्षा एवं भविष्य

की रणनीति तय करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। पटना आगमन के पश्चात मनोज कुमार ने हाजीपुर के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित केंद्रीय पूनी संयंत्र का दौरा किया। उन्होंने संयंत्र की नवीनीकरण की स्थिति और गुणवत्ता नियंत्रण के मुद्दों पर विस्तार से समीक्षा की। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि खादी की गुणवत्ता और उपलब्धता में सुधार के लिए आधुनिक तकनीक और कार्य संस्कृति को अपनाया जाए। अध्यक्ष केवीआईसी ने बोधगया में प्रस्तावित खादी अनुभव सह ज्ञान केन्द स्थापित करने की योजना की भी समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी और केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे के मार्गदर्शन में स्थापित होने वाला यह केंद्र न केवल पर्यटकों के लिए खादी को जानने और खरीदने का मंच होगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी सीधा लाभ देगा। उन्होंने कहा कि बोधगया जैसे अंतरराष्ट्रीय स्थल पर खादी का केंद्र स्थापित कर हम भारत की सांस्कृतिक विरासत और स्वदेशी आत्मा को वैश्विक मंच दे सकते हैं। यह प्रस्तावित प्रोजेक्ट इसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप केवीआईसी की पहल है।

इस अवसर पर केवीआईसी के राज्य कार्यालय, पटना में राज्य की 100 से अधिक खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ 'खादी संवाद' का आयोजन हुआ। संवाद के दौरान खादी विकास योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना तथा पीएमईजीपी के अंतर्गत हुई प्रगति, चुनौतियां एवं सुझावों पर विस्तृत चर्चा की गई। अध्यक्ष ने सभी संस्थाओं से कहा कि प्रधानमंत्री का स्पष्ट संदेश है कि ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भरता में खादी की केंद्रीय भूमिका होनी चाहिए। हमें इस संकल्प को सिद्धि में बदलना है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य कार्यालय, पटना के अंतर्गत यहां के 28 जिलों में 102 खादी संस्थाएं कार्यरत हैं जिनके माध्यम से 9004 कारीगरों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले 11 वर्षों में बिहार में 36,129 नयी इकाइयों की स्थापना हुई है जिसके जरिए यहां पर अनुमानित 2,78,957 लोगों को रोजगार मिल रहा है। इन इकाइयों की स्थापना के लिए भारत सरकार ने 1041.11करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरित की है। ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत बिहार में अभी तक लगभग17 हजार से अधिक मशीन और टूलकिट का वितरण किया गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया अभिलेख भवन में निर्माण कार्य का शिलान्यास

नरेन्द्र भवन का निर्माण कार्य बेहतर ढंग से पूरा करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नेहरू पथ स्थित अभिलेख भवन के परिसर में नये भवन के निर्माण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। शिलान्यास के पश्चात मुख्यमंत्री ने निर्माण स्थल का जायजा लिया और तेजी से निर्माण कार्य करने का निर्देश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिलेखों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुये अभिलेख भवन परिसर में अभिलेख भवन के पीछे वाले भाग में नये भवन का निर्माण कराया जा रहा है ताकि महत्वपूर्ण रिकॉर्डों को और बेहतर ढंग से संरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि इस नये भवन का निर्माण कार्य बेहतर ढंग से पूर्ण करें। मुख्यमंत्री ने अभिलेख भवन परिसर का भी जायजा लिया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, अभिलेख भवन के निदेशक डॉ. मो. फैसल अब्दुल्लाह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

किसान मोर्चा ने 100 करोड़ के अनुदान को बताया 'ऊंट के मुंह में जीरा'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में मानसून की बेरुखी ने कृषि पर गहरा असर डाला है। औसतन 46 प्रतिशत कम वर्षा के कारण राज्य के कई जिलों में जल संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार ने इसे गंभीर संकट करार देते हुए सरकार द्वारा घोषित 100 करोड़ रुपये के सुखाड़ राहत पैकेज को किसानों के साथ मजाक बताया है। किसान मोर्चा के नेताओं – दिनेश कुमार, अशोक प्रसाद सिंह, आनंद किशोर, अमेरिका महतो और भूप नारायण सिंह ने संयुक्त बयान जारी कर कहा है कि यह अनुदान प्रस्ताव किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। उनका कहना है कि इस गंभीर स्थिति में कम से कम 1000 करोड़ रुपये का राहत पैकेज अविलंब घोषित किया जाना चाहिए। बिहार में जलस्तर लगातार नीचे गिर रहा है। नदियों के जलस्तर में गिरावट का एक बड़ा कारण बालू के अंधाधुंध खनन को बताया गया है। चापाकल और बोरिंग फेल हो रहे हैं, पीने के पानी के लिए भी हाहाकार मचा है। बांका, जमुई, मुंगेर, नवादा, गया और औरंगाबाद जैसे जिलों में हालात बद से बदतर हो चुके हैं। यहां पेयजल के लिए त्राहिमाम मचा है। दरभंगा और मधुबनी, जो सामान्यतः बाढ़ प्रभावित होते हैं वहां भी लोग बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार जुलाई में भी वर्षा कम होने की संभावना है जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है। सूखे का प्रभाव खरीफ फसलों पर सीधा पड़ रहा है। राज्य भर में धान की रोपनी बेहद कम स्तर पर है – पूर्णिया में 10 प्रतिशत, सीतामढ़ी में 8 प्रतिशत, कटिहार में 7 प्रतिशत, सिवान, सारण, गोपालगंज, जहानाबाद, पूर्वी चंपारण और मधुबनी जैसे जिलों में मात्र 2-3 प्रतिशत जबकि भोजपुर में अभी तक शुरुआत भी नहीं हुई है। बक्सर, अररिया, भागलपुर, समस्तीपुर और नालंदा में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। किसानों का कहना है कि यदि सरकार ने अविलंब पर्याप्त राहत और प्रोत्साहन नहीं दिया तो इस साल धान उत्पादन में 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ सकती है। उमस और भीषण गर्मी के चलते डायरिया, बुखार, सर्दी और खांसी जैसी मौसमी बीमारियों से अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ती जा रही है। संयुक्त किसान मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने स्थिति की गंभीरता को नहीं समझा और किसानों की तत्काल मदद नहीं की, तो राज्यभर में बड़े आंदोलन छेड़े जाएंगे। इसकी पूरी ज़िम्मेदारी सरकार की होगी।

बिहार में एस.आई.आर. आदेश के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण तेजी पर

97.42% मतदाताओं को पूर्व-भरे हुए गणना प्रपत्र वितरित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए एस.आई.आर. आदेश (24.06.2025) के अंतर्गत चल रही प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। इस आदेश के चार प्रमुख स्तंभों के आधार पर राज्य भर में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम व्यापक स्तर पर चल रहा है जिसका उद्देश्य 7.89 करोड़ से अधिक मौजूदा मतदाताओं को कवर करना है। चुनाव आयोग के अनुसार अब तक राज्य के 7.69 करोड़ मतदाताओं यानी 97.42 प्रतिशत को

उनके नाम, पता और पुरानी फोटो जैसे विवरणों के साथ पूर्व-भरे हुए गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए जा चुके हैं। बी.एल.ओ. द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र एकत्र करने का कार्य जारी है। पहली बार का दौरा पूरा किया जा चुका है और दूसरा दौरा जारी है। ताकि कोई भी मतदाता छूटे नहीं। गणना के दौरान कई ऐसे नाम सामने आए हैं जो या तो मृत हो चुके हैं, राज्य से बाहर स्थानांतरित हो गए हैं या पलायन कर गए हैं। इन जानकारियों के आधार पर मतदाता सूची को अद्यतन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन लोगों ने गणना प्रपत्र 25 जुलाई 2025 तक जमा कर दिए हैं, उन्हें 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। ई.आर.ओ. मसौदा सूची तैयार कर रहा है जिसमें सभी पात्र मतदाताओं को सम्मिलित किया जाएगा। इस प्रक्रिया में विशेष रूप से बुजुर्ग, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य कमजोर वर्गों को सहयोग प्रदान करने पर ध्यान दिया जा रहा है। स्वयंसेवकों की सहायता से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी को भी अनावश्यक परेशानी न हो। मतदाता की पात्रता भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 और 19 के अनुसार तय की जाएगी।

बैंक ऑफ इंडिया और बिहार सरकार के बीच वेतन-खाते संबंधी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना में उप मुख्यमंत्री (वित्त) सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित एक विशेष समारोह में बैंक ऑफ इंडिया और बिहार सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया जिसके तहत बिहार सरकार के समस्त विभागों के समस्त कर्मचारियों के वेतन खाते तथा मंत्रियों, विधान सभा/विधान परिषद के सदस्यों के वेतन खाते अब बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा खोले जाएंगे। यह अभूतपूर्व समझौता ज्ञापन बैंक ऑफ इंडिया की महाप्रबंधक शम्पा सुधीर बिस्वास तथा बिहार सरकार के प्रधान सचिव आनंद किशोर द्वारा हस्ताक्षरित हुआ। बैंक ऑफ इंडिया, पटना अंचल के आंचलिक प्रबंधक ओ. पी. चौधरी ने बिहार सरकार के इस कदम को सरकारी कर्मचारियों के लिए एक वरदान बताया और कहा कि यह द्विपक्षीय सहयोग बैंक ऑफ इंडिया को

बिहार के सरकारी कर्मचारियों को विशेष बैंकिंग सुविधाएं, अनुकूलित वित्तीय समाधानएवं बेहतर सेवा अनुभव देने का एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करेगा। इस करार के तहत बैंक ऑफ इंडिया अपने यहां सरकारी कर्मचारियों का जीरो बैलेंस वेतन खाता खोलेगी जिसके साथ 1 करोड़ रुपए तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा निशुल्क उपलब्ध होगा। हवाई यात्रा के दौरान यह दुर्घटना बीमा 2 करोड़ रुपए तक होगा। साथ ही स्थायी एवं पूर्ण विकलांगता पर 50 लाख से एक करोड़ रुपये तक कवर प्रदान करेगा। इसके साथ स्वास्थ्य बीमा भी रियायती दर पर उपलब्ध कराने का प्रावधान है। यदि सरकारी कर्मचारी गृह, वाहन अथवा व्यक्तिगत ऋण लेते हैं तो उन्हें लोन प्रोसेसिंग शुल्क पर 100 प्रतिशत तक छूट तथा ब्याज दरों पर भी रियायत उपलब्ध होगा। इस विशेष खाते के साथ एटीएम से निकासी की सीमा भी एक लाख रुपए प्रतिदिन तक हो सकती है तथा इसमें विविध बैंकिंग सुविधाएं भी निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। बैंक ऑफ इंडिया बिहार सरकार के साथ अपने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाते हुए, मूल्य-आधारित बैंकिंग सेवा प्रदान करने हेतु सदैव कृत्संकल्पित हैं।

फोर्ड हॉस्पीटल एवं रिसर्च सेंटर के साथ कर्मचारी राज्य बीमा निगम का टाई-अप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना जिले में फोर्ड हॉस्पीटल एवं रिसर्च सेंटर के साथ कर्मचारी राज्य बीमा निगम का टाई-अप कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पटना के क्षेत्रीय कार्यालय और फोर्ड हॉस्पीटल, पटना के निदेशक के बीच एक अनुबंध संपादित किया गया है। इस अनुबंध के तहत फोर्ड हॉस्पीटल के माध्यम से पटना जिले में ई.एस.आई. के पंजीकृत लाभार्थियों को कैशलेस चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। प्रस्तुत सुविधा में हृदय, मस्तिष्क, नेफ्रोलॉजी एवं डाइलिसिस, यूरोलॉजी, गेसट्रोलाजी एवं गी आई सर्जरी संबंधित रोग के उपचार की अच्छी सुविधा उपलब्ध है। यह अस्पताल पटना जिले के खेमनीचक, बाईपास में अवस्थित है।

आइजीआइएमएस में जल्द शुरु होगी रोबोटिक सर्जरी : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ मंत्री एवं अध्यक्ष शासी निकाय इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान मंगल पांडेय के कर कमलों द्वारा क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के विभिन्न नई सुविधाओं का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक संजीव चौरसिया तथा एमएलसी नवलकिशोर यादव की भी गरिमामय उपस्थिति रही। इस नए क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के परियोजना का उद्घाटन सितंबर 2024 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ था जिसके तहत विभाग को 24 घंटे इमर्जेन्सी सुविधाओं को उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री श्री पांडेय ने कहा कि आज अत्यंत गौरव महसूस हो रहा है कि इस 24 घंटे इमर्जेन्सी की सुविधा मरीजों को प्राप्त हो गयी जिसके तहत इस इमर्जेन्सी सेवा में अल्ट्रासाउंड, एक्स रे, आंखों की जांच हेतु विभिन्न

अत्याधुनिक उपकरण एवं दो अत्याधुनिक मॉडयूलर ऑपरेशन थिएटर का भी उद्घाटन कर दिया गया। श्री पांडेय ने कहा कि इस परियोजना के तहत आये हुए अत्याधुनिक ल्यूमरा -आई माइक्रोस्कोप का भी लोकार्पण किया गया जिससे कि इमरजेंसी में आए हुए मरीजों को तत्काल ऑपरेशन की सुविधाएं उपलब्ध हो सके। हमारी यह कोशिश है कि बिहार के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से भी आए हुए मरीजों को कम से कम समय में उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा उपलब्ध कराई जा सके। इस इमरजेंसी में राउंड द क्लॉक चिकित्सक की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। इसके अलावा लैब सर्विसेज का भी उद्घाटन किया गया है जिसमें सारे बेसिक्स लैब इन्स्ट्रुमेंट साथ ही पीसीआर, बायो केमिकल ऐनालाइजर, एबीजी मशीन तथा अन्य उपकरणों का लोकार्पण हो गया। ताकि इस भवन में एक ही छत के नीचे मरीजों को तमाम सुविधाएं दी जाए। उन्होंने ऐलान किया कि जल्द ही यहां 100 बेड का दंत चिकित्सालय एवं 50 सीट वाले डेंटल कॉलेज की स्थापना होगी। श्री पांडेय ने कहा कि आज इन सुविधाओं के अलावा दो अन्य सुविधाओं रेटिना सर्विसेज व ग्लूकोमा सर्विसेज का भी उद्घाटन कर दिया गया। रेटिना सर्विसेज में 30 दिन के बच्चों से लेकर वृद्ध मरीजों तक का इलाज किया जा रहा है और यह अत्यंत गौरव का विषय है। इसके अलावा ग्लूकोमा सर्विसेज में भी एक एक्स्ट्रा फील्ड ऐनालाइजर, इसपेकूलर माइक्रोस्कोप, अल्ट्रासाउंड मशीन का भी लोकार्पण किया गया जिससे की मरीजों के जांच में तेजी आएगी ।

जदयू ने पटना में निकाली मतदाता जागरूकता साइकिल रैली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर चल रही कवायद के बीच जदयू ने मंगलवार को पटना में मतदाता जागरूकता साइकिल रैली निकाली। यह रैली जदयू के प्रदेश कार्यालय से शुरू होकर शहर के विभिन्न इलाकों में निकाली गई। इस दौरान जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि विपक्ष मतदाता सूची को लेकर भ्रम फैला रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब, दलित, पिछड़े या अति पिछड़े किसी भी वर्ग के व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से नहीं कटेगा। जदयू इस भ्रम को दूर करने के लिए पूरे बिहार के हर पंचायत में साइकिल रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक करेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 'सही नाम कटेगा नहीं, फर्जी नाम छूटेगा नहीं।' उन्होंने विपक्ष के बिहार बंद को नाकाम करने का दावा करते हुए कहा कि जदयू जनता के बीच जाकर सच्चाई बताएगी। उमेश कुशवाहा ने पूरे पटना में साइकिल रैली की अगुवाई की और लोगों से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपने नाम की जांच जरूर कर लें, ताकि भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव होने से पहले चुनाव आयोग मतदाता सूची पुनरीक्षण करा रही है जिसका विपक्ष विरोध कर रहा है। इसको लेकर विपक्ष की ओर से बुधवार को बिहार बंद का आह्वान किया गया है।

बीओसीडब्लू के नूतन पोर्टल का उद्घाटन

पारदर्शिता, सुविधा और सशक्तिकरण हमारा लक्ष्य : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। श्रम संसाधन विभाग अंतर्गत बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के नए डिजिटल पोर्टल का उद्घाटन दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान, पटना में विभाग के मंत्री संतोष कुमार सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग के विशेष सचिव आलोक कुमार, बोर्ड सचिव सुनील कुमार यादव, श्रमायुक्त राजेश भारती, संयुक्त श्रमायुक्त विजय कुमार, संयुक्त सचिव राजीव रंजन, क्षेत्रीय महाप्रबंधक इंडियन बैंक विवेक, उपमहाप्रबंधक इंडियन बैंक अमन कुमार झा, सहायक महाप्रबंधक, सरकारी संबंध विभाग, इंडियन बैंक पटना रुचिर कुमार

सिन्हा एवं विभाग के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। उक्त अवसर पर मंत्री ने बताया कि इस नूतन पोर्टल के माध्यम से अब बिहार के लाखों श्रमिक बीओसीडब्लू बोर्ड की 16 कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी, ऑनलाइन पंजीकरण, नवीकरण, सहायता के लिए आवेदन और आवेदन की स्थिति की रीयल-टाइम ट्रैकिंग की सुविधा पा सकेंगे। मंत्री ने कहा कि यह पोर्टल तकनीक के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है जो श्रमिकों और सरकार के बीच की दूरी को खत्म करेगा और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाएगा। मंत्री संतोष कुमार सिंह ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर उन्होंने जनेवा में बिहार की श्रमिक योजनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया था जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहा गया। उन्होंने इसे बिहार के लिए गर्व की बात बताया और कहा कि राज्य सरकार लगातार श्रमिक हितों की रक्षा व संवर्धन के लिए प्रयासरत है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बीओसीडब्लू बोर्ड की सभी 16 योजनाएं अब नए पोर्टल के माध्यम से तेजी से और सुगमता से लागू की जाए जिससे अधिक से अधिक पंजीकृत श्रमिकों को लाभ मिल सके। उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों से समन्वय बनाकर श्रमिकों को जागरूक करने और पोर्टल के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने का भी निदेश दिया।

अपराधियों के डर से क्या हम शासन राक्षसों के हाथ में सौंप दें : मांझी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना में बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या के लिए हथियार उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी विकास उर्फ राजा को पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने पर केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना उन पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने लिखा है कि अपराधिक घटनाओं का मतलब यह थोड़े न है कि अपराधियों के डर से हम शासन राक्षसों के हाथ में सौंप दें। मांझी ने लिखा है कि यह वह बिहार नहीं जहां माफिया मुख्यमंत्री निवास से आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलवाते थे। मांझी ने आगे लिखा है कि यह नया बिहार है जहां अपराधियों की ठोकाई शुरू हो गई है। वैसे हम कुछ कहेंगे तो कहेगा सब कि मांझी बहुत बोलता है। खैर खेमका साहब के हत्या में शामिल शूटर ने साबित कर दिया कि तेजस्वी यादव के लोग तकरीबन हर अपराधिक वारदातों में शामिल होते हैं जिनका इलाज भी शुरू हो गया है। बता दें कि गोपाल खेमका हत्याकांड अब राजनीतिक रूप लेता जा रहा है। इसको लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है।

सरकार को बदनाम करने के लिए हत्याकांड को दिया जा रहा अंजाम : जदयू

खेमका हत्याकांड में गिरफ्तार मुख्य शूटर उमेश यादव के महागठबंधन से संबंधों की भी गहन जांच होनी चाहिए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जदयू ने कहा कि सरकार को बदनाम करने के लिए हत्या की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। पार्टी प्रवक्ता अभिषेक झा ने खेमका हत्याकांड में राजद और उसके नेतृत्व वाले महागठबंधन पर राजनीतिक साजिश रचने का शक जाहिर किया है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में गिरफ्तार मुख्य शूटर उमेश यादव के महागठबंधन से संबंधों की भी गहन जांच होनी चाहिए। जदयू का यह बयान उस समय आया है जब इस हत्याकांड में शामिल साजिशकर्ता अशोक शाह, शूटर उमेश यादव और आर्म्स सप्लायर राजा उर्फ विकास में से राजा एनकाउंटर में मारा गया है। अभिषेक झा ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की है, लेकिन अब जांच इस दिशा में भी होनी चाहिए कि शूटर उमेश यादव का किसी राजनीतिक दल विशेष से कोई संपर्क तो नहीं रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि कहीं यह पूरी साजिश सरकार को बदनाम करने और जनता में भय फैलाने की पूर्व नियोजित रणनीति का हिस्सा तो नहीं है। अभिषेक झा ने कहा कि 'तार जुड़ते हैं, लिंक सामने आते हैं और यही गहराते हुए शक को जन्म देता है कि यह एक राजनीतिक साजिश हो सकती है।' वहीं जदयू के मुख्य प्रवक्ता एवं विधान पार्षद नीरज कुमार ने कहा कि नीतीश सरकार कानून के माध्यम से अपराध का कलेजा तोड़ देगी। पटना पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, उन चेहरों का भी पर्दाफाश होगा जो अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड को सिर्फ आपराधिक घटना के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि इसके राजनीतिक कनेक्शन और मंशा की भी गहन तफ्तीश जरूरी है।

जिनके परिवार ने चारा खाया और जमीन लिखवाई, उन्हें घुसपैठ का पाताल समझ नहीं आएगा : सम्राट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट के बीच मतदाता पहचान पत्र और आवासीय प्रमाण पत्र का मुद्दा तूल पकड़ लिया है। खासकर किशनगंज जिले में बीते छह दिनों में 1.27 लाख से अधिक आवासीय प्रमाण पत्र के आवेदनों ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। इसको लेकर उपमुख्यमंत्री स्त्रमाट चौधरी ने मंगलवार को आशंका जताई है कि कहीं ये बांग्लादेशी 'घुसपैठिया' तो नहीं हैं। सम्राट चौधरी ने इसे 'शॉकिंग' करार देते हुए कहा कि यह आंकड़ा साफ संकेत देता है कि किशनगंज में बड़ी संख्या में घुसपैठिए मौजूद हैं। उन्होंने राजद पर तंज कसते हुए कहा कि जिनके परिवार ने चारा खाया और जमीन लिखवाई, उन्हें घुसपैठ का पाताल समझ नहीं आएगा। चौधरी ने यह भी स्पष्ट किया कि जो बिहारी या भारतीय नागरिक हैं, उनकी सहमति से मतदाता सूची में नाम जुड़ सकता है, लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों का नाम नहीं। चौधरी का यह दावा कि इतनी बड़ी संख्या में आवेदन घुसपैठ का संकेत है, भाजपा की रणनीति को दर्शाता है, जो चुनाव से पहले ध्रुवीकरण को हथियार बना सकती है, लेकिन विपक्ष इसे भाजपा की 'सांप्रदायिक' चाल बता रहा है जिससे किशनगंज का माहौल गरमाया हुआ है।

राजकीय पॉलिटेक्निक गुलजारबाग में भूजल विकास एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आई.ई.सी. गतिविधियों के अंतर्गत राजकीय पॉलिटेक्निक, गुलजारबाग, पटना में भूजल विकास एवं प्रबंधन विषय पर एक टीयर-3 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीव रंजन शुक्ला, क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय भूजल बोर्ड, पटना द्वारा की गई। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में नित्यानंद प्रसाद, मुख्य अभियंता-सह-विशेष सचिव, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, पटना सम्मिलित हुए। उन्होंने भूजल विकास एवं प्रबंधन विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा इस प्रकार के कार्यक्रमों की सराहना की। राजीव

रंजन शुक्ला, क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय भूजल बोर्ड, पटना द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए भूजल के महत्व एवं बिहार राज्य के भूजल परिदृश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। संस्थान के प्राचार्य डॉ. श्री भगवान सिंह द्वारा जल प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। उन्होंने कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर बल देते हुए जल के समुचित उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम में लगभग 140 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान भूजल के न्यायोचित उपयोग के लिए प्रतिभागियों को शपथ भी दिलाई गई।

संपादकीय

दिल्ली का दम घुटा जा रहा, समस्या सिर्फ वाहनों की उम्र नहीं

दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रदूषण की समस्या जिस स्तर पर गहराती गई है, उसमें इस पर काबू पाने के लिए किए जाने वाले उपायों से शायद ही किसी को असहमति होगी। विडंबना यह है कि कई बार किसी समस्या से पार पाने के लिए जिन उपायों का सहारा लिया जाता है, उसकी व्यावहारिकता कठघरे में होती है। दिल्ली में हर अगले साल प्रदूषण के गहराते संकट के सबसे बड़े कारणों में एक वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को माना गया और इस आधार पर पिछले कुछ वर्षों से सम-विषम जैसे नियम लागू कर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने की कोशिश की गई।इसके अलावा, पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने को लेकर नियम-कायदे बनाए गए। हालांकि इसके अपेक्षित नतीजे को लेकर हमेशा संशय रहा। गौरतलब है कि दिल्ली में कुछ दिन पहले यह घोषणा की गई कि पंद्रह वर्ष पुराने पेट्रोल और दस वर्ष पुराने डीजल वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। साथ ही पेट्रोल पंप पर पुरानी गाड़ियों को जब्त किया जा रहा था।जाहिर है, एक साथ बड़ी तादाद में वाहनों के सड़कों से हटाने की नौबत आने पर आम लोगों के बीच व्यापक पैमाने पर आक्रोश का भाव पैदा हुआ और सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे कि क्या अकेले इस उपाय से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या को खत्म किया जा सकता है। इससे बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका भी प्रभावित हो सकती है। सरकार के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है।यह बेवजह नहीं है कि गुरुवार को दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिख कर कहा कि तकनीकी चुनौतियों और जटिल प्रणाली के कारण तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं है। यानी फिलहाल पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने की कवायद थमती दिख रही है। हालांकि इसे लेकर आम लोगों के बीच जैसी प्रतिक्रिया सामने आई, उसके बाद यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर सरकार क्या रुख अपनाती है।माना जाता है कि तकनीकी रूप से पुराने, अधिक ईंधन खपत करने और खराब रखरखाव वाले वाहनों से प्रदूषण ज्यादा फैलता है और ऐसी स्थिति में ऐसे वाहन पर्यावरण और लोगों की सेहत के लिए जोखिम भरे हो सकते हैं। मगर ऐसे सवाल भी उठते रहे हैं कि प्रदूषण फैलाने के लिए किसी वाहन की उम्र को पैमाना माना जाना चाहिए या फिर प्रदूषित पदार्थ उत्सर्जित करने की जांच के आधार पर वाहन के दुरुस्त होने के बारे में तय किया जाएगा।अगर कोई पुराना वाहन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, तो उसकी उम्र को ही अकेला मानदंड क्यों बनाया जाना चाहिए? जहां तक दिल्ली का सवाल है, यह न केवल अन्य राज्यों के कुछ शहरों को मिला कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, बल्कि दिल्ली के अलावा अन्य शहरों में पुराने वाहनों को लेकर अलग नियम हैं।साथ ही दिल्ली में आसपास के राज्यों से हर रोज ऐसे हजारों वाहन आते-जाते हैं, जो पुराने हो सकते हैं, हालांकि उन्हें दूसरे राज्यों में प्रदूषण जांच के पैमाने पर दुरुस्त माना जाता है।

(9 जुलाई 77 वे स्थापना दिवस पर विशेष)

राष्ट्रभक्ति के जज्बा जोश और जुनून का दूसरा नाम है अभाविप

(सुरेंद्र शर्मा)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भारत ही नहीं विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन आज जिसके 60 लाख से अधिक सदस्य हैं देश भर में 6 हजार से अधिक परिसर इकाइयां हैं।अभाविप नाम आते ही स्मृति पटल पर एक तस्वीर उभर कर आती है ऐसे छात्र-छात्राओं की जिनके लिए देश सर्वोपरि है जो समाज के लिए कुछ अलग हट कर करना चाहते हैं जिनके मन में संकल्प होता है 'शिक्षा जीवन के लिए जीवन वतन के लिये' देश में राष्ट्रभक्ति के जज्बा जोश और जुनून का नाम है अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद।।

उद्देश्य सही हो लक्ष्य स्पष्ट हो एवं कार्य करने की दिशा ठीक हो तो कोई भी कार्य आसानी से किया जा सकता है कार्य का परिणाम तो ठीक होता ही है कार्य भी यशस्वी होता है इन्हीं विशेषताओं के साथ राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के व्यापक संदर्भ में शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना आज ही के दिन अर्थात 9 जुलाई 1949 को हुई थी।

ज्ञान,शील,एकता की अपनी विशेषता के साथ अभाविप विगत 76 वर्षों से अपनी 60 लाख से अधिक सदस्यता 3000 से अधिक स्थानों पर 6000 से अधिक परिसरों में कार्य करते हुए निस्संदेह भारत ही नहीं विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में स्थापित हुआ है। अपनी कार्यपद्धति की अनेक विशेषताओं के कारण अभाविप ने छात्र संगठन का एक पृथक दर्शन विकसित किया है।

शैक्षिक परिवार की एक अभिनव कल्पना भी अभाविप ने देश के सामने रखी है परिषद के स्थापना काल के समय एवं उसके बाद भी समाज के कुछ लोगों एवं संगठनों के मन में यह विचार था कि छात्र एवं शिक्षक इनमें परस्पर द्वंद है परंतु अभाविप ने शिक्षा परिवार जिसमें छात्र शिक्षक शिक्षाविद शामिल हैं की एक नई सोच समाज के सम्मुख रखी है द्वंद्व के स्थान पर सहकार करते हुए संपूर्ण देश में हजारों प्राध्यापक परिषद कार्य करते हुए शिक्षा जगत में अपनी उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

प्रोफेसर वेद प्रकाश नंदा से लेकर आचार्य गिरिराज किशोर(जो राष्ट्रीय अध्यक्ष बाद अभाविप में प्रथम पूर्णकालिक निकले) दत्ता जी डिंडोलकर,प्राध्यापक यशवंत राव केलकर,राजकुमार जी भाटिया ,डॉक्टर डी मनोहर राव,प्रोफेसर पी व्ही कृष्ण भट्ट,डॉक्टर कैलाश शर्मा ,मिलिंद मराठे, एवं वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राज शरण शाही जैसे हजारों ज्येष्ठ और श्रेष्ठ प्राध्यापकों ने छात्रों के साथ कदम ताल करते हुए अभाविप का नेतृत्व किया एवं छात्र संगठन को ऊंचाइयों तक पहुंचाया।छात्र शिक्षक एवं शिक्षाविद की त्रिवेणी का संगम अभाविप के अंदर अद्भुत एवं अनूठा है।

रचनात्मक दृष्टिकोण एवं उसके फल स्वरुप रचनात्मक कार्य करने की इच्छा शक्ति भी अभाविप ने छात्रों के अंदर विकसित की है छात्र जिसे प्रायः उद्दंड समझा जाता था उसकी इस प्रकार की छवि को बदलते हुए उसकी सोच विध्वंस की नहीं रचनात्मक है यह अभाविप ने अपने कार्यों से कर दिखाया है आज वृक्षारोपण रक्तदान अभाविप के नियमित कार्यक्रम है जो संपूर्ण देश में होते हैं।

जब भी देश पर संकट आया अभाविप के कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवाएं देश को दीं ,चाहे वह 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय आंतरिक प्रतिरक्षा में सहयोगिता हो महाराष्ट्र गुजरात के भूकंप हों या देश के किसी भी हिस्से में आपदा आई हो या कोरोना जैसी भयानक महामारी हो पीड़ितों की मदद करने में अभाविप के कार्यकर्ता सबसे आगे रहे।

मुझे मुझे स्मरण है जब में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रदेश का संगठन मंत्री था उस समय सुनामी इस देश के कुछ राज्यों में आई थी मध्य प्रदेश के छात्र संघ जिनमें अधिकांश पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के ही कार्यकर्ता विजय हुए थे वार्षिक सम्मेलनों की राशि संपूर्ण प्रदेश से लगभग 11 लाख प्रधानमंत्री राहत कोष में दान देकर अपनी इसी रचनात्मक दृष्टि का परिचय दिया था।

देश में ऐसे अनेक अवसर आए हैं जब अभाविप के कार्यकर्ताओं ने अपनी राष्ट्रीय सोच और अनुशासन को प्रमाणित किया है 26 नवंबर 2002 को दिल्ली में शिक्षा एवं रोजगार की मांग को लेकर हुई रैली में आए सभी 75000 कार्यकर्ता अनुशासित तो थे ही इसके साथ-साथ दिल्ली में आए सभी लोग या तो अपने निजी वाहनों से आए थे या फिर रेल का टिकट खरीद कर। रैली में भी रेल का टिकट लेकर आना एक प्रकार से संभव दिखने वाले कार्य को करने की क्षमताओं छात्रों के अंदर अभाविप ने पैदा की है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने समाज के अंदर यह भी साबित करके दिखाया है की राजनीति की बैसाखी के बिना भी समाज का कार्यकिया जा सकता है एवं एक मजबूत संगठन खड़ा किया जा सकता है ,इस दृष्टि से अभाविप ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। कुछ लोग जो नजदीक से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को नहीं जानते वह उसका संबंध राजनीति से जोड़ते हैं परंतु उनकी यह केवल भ्रांति मात्र है अभाविप के कार्यों पर ना ही किसी दल का हस्तक्षेप है और ना ही नियंत्रण हां केवल कुछ पूर्व कार्यकर्ता राजनीतिक क्षितिज पर चमकते हुए दिखाई देते हैं उनके आधार पर लोग यह आकलन कर लेते हैं जबकि वास्तविकता तो यह है परिषद से जुड़ने वाले लाखों छात्रों में से कुछ लोग ही राजनीति में जाते हैं। अधिकतर लोग समाज के प्रति अपनी भूमिका निभाते हमे दिखाई देते हैं बस उनकी चर्चा राजनीति में गए लोगों की तरह नहीं होती।

आज परिषद से निकले कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपने योगदान दे रहे हैं वे हर क्षेत्र में है पत्रकार हैं ,राजनेता है ,समाज सेवा में है चिकित्सक हैं ,इंजीनियर हैं व्यवसायिक है जिन लोगों को केवल राजनीतिक कार्यकर्ता दिखाई देते हैं उन्हें समाज जीवन में कार्य कर रहे अभाविप के अन्य कार्यकर्ताओं को भी देखना चाहिए।।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आज का छात्र आज का नागरिक है न केवल कहा अपितु से उसे साकार किया है 'छात्र शक्ति यह राष्ट्र शक्ति है 'इसे अभाविप ने सुनिश्चित किया है ।आपातकाल के विरोध में सत्याग्रह एवं 10000 से अधिक छात्रों की गिरफ्तारी, पूर्वांचल में देश विरोधी वातावरण को बदलने के लिए युवा विकास की स्थापना एवं अंतर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन , भारत मेरा घर जैसे प्रकल्प जिनके परिणाम स्वरूप छात्रों में राष्ट्रीय एकात्मकता का भाव विकसित हुआ कश्मीर हो या गोहाटी-अपना देश अपनी माटी,चेन्नई हो या अमृतसर-अपना देश अपना घर अभाविप के अधिवेशन के दौरान लगने वाले केवल नारे मात्र नहीं हैं बल्कि राष्ट्रीय एकात्मकता के भाव को सिद्ध करने वाले मंत्र बन चुके हैं।

आंध्र प्रदेश में नक्सलवाद के विरोध में आंदोलन एवं नक्सलियों के हमलों 36 कार्यकर्ताओं के बलिदान के परिणाम स्वरूप आंध्र प्रदेश के परिसरों से नक्सलवाद का सफाया, बांग्लादेशी घुसपैठ के विरोध में, आंदोलन कश्मीर में तिरंगा फहराने को लेकर 1991 में उधमपुर में गिरफ्तारी ,परिसर बचाओ आंदोलन के माध्यम से लाखों की संख्या की अनुशासित रैलियां ,राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बिहार के किशनगंज में चिकन नेक पर प्रदर्शन इत्यादि ऐसे अनेक कार्य हैं जो अभाविप को देश की सर्वश्रेष्ठ छात्र संस्था स्थापित करते हैं।

अभाविप द्वारा शिक्षा के भारतीयकरण हेतु अभियान चलाया गया उसका परिणाम आज सामने आ रहा है देश की नई शिक्षा नीति उसी आंदोलन का परिणाम है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों को जोड़ने के लिए सृजन , डीपेक्स ,थिंक इंडिया , सविष्कार,

एग्री विज़न ,मेडीविजन, जिज्ञासा, विकासार्थ विद्यार्थी , कला संगम ,खेलो भारत उड़ान,साहसी जैसे कार्यक्रम चलाए हैं जो छात्रों को परिषद की ओर सहज ही आकर्षित करते है।।

स्वामी विवेकानंद जयंती,महारानी लक्ष्मी बाई जयंती,बाबा साहब अंबेडकर पुण्यतिथि,राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस,एवं विकास चेतना सप्ताह अभाविप के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम हैं जो केवल कार्यक्रम न होकर देश भर के छात्रों की जीवन दृष्टि प्राप्त करने का मध्यम बन रहे हैं।।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बात चले और स्वर्गीय यशवंत राव केलकर जी और स्वर्गीय मदन दास जी का स्मरण न हो यह कैसे संभव है स्वर्गीय मदन दास जी ने अपनी 22 वर्षों की संचार तपस्या से 1970 से लेकर 1992 तक राष्ट्रीय स्तर पर पर अभाविप के कार्य का विस्तार किया स्वयं के लिए कठोर दूसरे के लिए उदार का साक्षात् उदाहरण थे मदन जी,सामूहिकता,अनामिकता पारस्परिकता यह मदन जी के व्यक्तिव की सहज विशेषता थीं जो अभाविप की कार्य पद्धति का हिस्सा बन गई,देश भर में प्रवास करके आने के बाद पूरा वृत्त यशवंत राव जी एवं अन्य सहयोगियों को सुनाना परिणाम स्वरूप संगठन को दिशा देने वाले वरिष्ठ कार्यकर्ता देशभर की गतिविधि और कार्यकताओं को उतना ही जानते थे जितना मदन जी केंद्रीय टोली का हर सदस्य संगठन की गतिविधि से संपूर्ण रूप से परिचित रहता था यह मदन दास जी की विशेषता थी,संगठन में टीम या टोली की आंतरिक रचना मदन जी की देन है,उनके साथ सहयोगी की भूमिका में संगठन की आदर्श कार्यपद्धति को गढ़ने का कार्य प्राध्यापक यशवंत राव केलकर जी ने किया, यशवंत राव जी का एक वाक्य 'हम सभी अपूर्णांक हैं मिलकर पूर्णांक बनना है' अभाविप के पूर्व और वर्तमान कार्यकर्ताओं के लिए जैसे जीवन मंत्र है।गुणों की चर्चा सर्वत्र कमियों की यथा स्थान,रेड पेंसिल एप्रोच नहीं, पूर्व योजनाङ्कपूर्ण योजना,सभी महत्वपूर्ण है-अपरिहार्य कोई नहीं, सर्व स्पर्शी-सर्व व्यापी, मत अनेक निर्णय एक , टीम स्प्रिट ऐसे छोटे छोटे कथन जो अभाविप की कार्यपद्धति का हिस्सा बन कार्यकर्ताओं के दिलों में उतरते गए एवं जिनसे लाखों कार्यकर्ताओं को जीवन दृष्टि प्राप्त हुई।

यशवंत राव जी ने स्वयं के जीवन का आदर्श अभाविप के कार्यकर्ताओं एवं समाज के सम्मुख रखा,अभाविप स्वर्गीय यशवंतराव केलकर जी की स्मृति में -प्राध्यापक यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार भी देश के नौजवानों को प्रदान करती है।

समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे ऐसे 40 वर्ष से कम के युवा जो सामाजिक क्षेत्र में कुछ विशेष कार्य करते हैं उन्हें अभाविप के राष्ट्रीय अधिवेशन में यह पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

जब इन पुरस्कार प्राप्त व्यक्तियों की सूची देखेंगे तो आश्चर्य चकित रह जायेंगे कोई गौ सेवा का कार्य कर रहा है,कोई कुष्ठ रोगियों की सेवा कर रहा है,किसी ने बांस की खेती से स्वरोजगार का सृजन किया है तो कोई संस्कृत के उत्थान के लिए कार्य कर रहा,कोई पॉलीथिन मुक्त भारत के लिए काम कर रहा है तो कोई ग्राम विकास के लिए कार्य कर रहा है,आई.आई.टी की पढ़ाई कर बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम न कर अपने छोटे से गांव में ही जैविक खेती कर स्वरोजगार का सृजन करने वाले भी यशवंत राव केलकर पुरस्कार से सम्मानित हुए हैं तो देह व्यापार करने वाली महिलाओं के उत्थान का कार्य करने वाले युवा भी सम्मानित होने वालों में हैं,मुंबई के स्टेशन पर भिक्षा वृति करने वाले बच्चों को शिक्षा देकर उनका जीवन परिवर्तित करने वाले युवाओं को भी अभाविप ने सम्मानित किया है।

यह वर्ष स्वर्गीय यशवंत राव केलकर जी का जन्मशताब्दी वर्ष भी है यशवंत राव जी जहां भी होंगे जब अभाविप के इस विस्तार को सुदृढ़ीकरण को देखते होंगे तो निश्चित ही उनकी आत्मा प्रसन्न होती होगी।।

स्वर्गीय मदन दास जी का राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में दायित्व आने के श्री दत्तात्रेय होसवले जी जो अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माननीय सरकार्यवाह हैं ने अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री के रूप में अभाविप को एक नई ऊर्जा और दिशा दी उनके बाद श्री सुनील आंबेकर जी जो वर्तमान में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख हैं ने अपने परिश्रम से परिषद को सींचा वर्तमान में श्री आशीष जी चव्हाण राष्ट्रीय संगठन मंत्री के रूप में छात्रशक्ति को राष्ट शक्ति बनाने में अहर्निश प्रयत्न रत हैं स्व.मदन जी से लेकर आशीष जी तक के साथ में अब तक हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ता मन मस्त फकीरी धारी है अब एक ही धुन जय जय भारत के भाव से भारत माता की सेवा में जुटे रहे हैं।।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की यह यात्रा लगातार जारी है, समर्थन विरोध की राजनीति में न पड़ते हुए,जयङ्कपराजय लाभ हानि की चिंता ना करते हुए ,संपूर्ण छात्र जगत एवं समाज के सामने ज्ञान का दीप जलाकर शील रूपी सुमन खिलाते हुए एकता का अलख अभाविप ने जगाया है राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के कार्य में छात्र शक्ति और यशस्वी हो 77 वे स्थापना दिवस पर यही शुभकामना है।

(लेखक मप्र कार्य समिति सदस्य
भाजपा के सदस्य हैं)।

अपने शरीर की सुनें

(अक्षय शुक्ला)

एक हैं मिस्टर एक्स। दफ्तर के बाहर अक्सर टकरा जाते हैं। जब भी मिलते हैं किसी न किसी मसले पर किसी न किसी को कठघरे में खड़ा करते रहते हैं। उन्हें हर किसी से शिकायत रहती है। उनके साथ थोड़ा ज्यादा वक्त बिता लें तो लगेगा कि दुनिया में कुछ भी सही नहीं है। इस बार मिले तो अचानक गिरकर होने वाली मौत पर अपना गुस्सा जताने लगे। कर्नाटक के हासन ज़िले का उदाहरण देते हुए बोले, देखिए कोविड का टीका कैसे लोगों की जान ले रहा है। वहां एक महीने में 20 से अधिक लोगों की कार्डिएक अरेस्ट यानी दिल की धड़कन अचानक रुकने से मौत हो गई, जिनमें अधिकांश युवा हैं।

वह इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और एम्स की यह बात मानने को तैयार ही नहीं कि वैक्सीन का इन मौतों से कोई संबंध नहीं। कोरोना संक्रमण ने शरीर पर असर किया है, वैक्सीन ने तो जान बचाने का काम किया है।

हमने कहा कि डॉक्टर्स भी लगातार चेता रहे हैं कि कोविड के बाद हमें और संभलकर रहने की ज़रूरत है, लेकिन लोग अपनी सेहत को लेकर पहले की तरह बेपरवाह हो चुके हैं।

हमारी बातें सुन मुंह बनाते हुए उन्होंने दुकानदार से समोसा, चाय बनने तक एक और सिगरेट मांग ली। हमने सोचा कि ये जनाब खुद अपनी सेहत को लेकर इतने लापरवाह हैं कि इतने प्रदूषित शहर में रहने के बाद भी चेन स्मोकर हैं और दिनभर बाहर का तला हुआ खाते रहते हैं, लेकिन दोष वैक्सीन, सरकार और अस्पतालों को दे रहे।

देखिए, यह बात सही है कि युवाओं की ऐसी अकस्मात मौत की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिसे लेकर चिंता वाजिब है। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि इसके लिए बहुत से फैक्टर ज़िम्मेदार हैं, सिर्फ टीके पर दोष मढ़ देना इन मौतों को बहुत हल्के में लेना हो जाएगा।

मेडिकल एक्सपर्ट्स इसके लिए खराब जीवनशैली को काफी हद तक ज़िम्मेदार बता रहे हैं। वर्क प्रेशर, लगातार बैठकर काम करने, पैदल न चलने, नींद पूरी न होने, जंक फूड और स्मोकिंग की वजह से आज कम उम्र में ही युवा ब्लड प्रेशर, शुगर, कॉलेस्ट्रॉल जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

अभी कुछ दिन पहले फोर्ब्स 30 अंडर 30 की लिस्ट में शामिल युवा सीईओ हर्ष मैकवान का एक पोस्ट काफी चर्चा में आया था, जो उन्होंने अस्पताल में अपने बेड से लिखा था। यंग प्रफेशनल्स को संबोधित करते हुए हर्ष ने लिखा कि हाल में मैं उस स्थिति में पहुंच गया, जिसकी इतनी कम उम्र में मुझे उम्मीद नहीं थी। मेरे सीने में तेज़ दर्द हुआ, सांस फूलने लगी, बायां हाथ सुन्न हो गया और कुछ देर में मैं अस्पताल में था।उन्होंने लिखा, महत्वाकांक्षा में मैंने थकान और तनाव को नज़रंदाज़ कर सिर्फ डेडलाइन पर फोकस किया लेकिन एक दिन मेरे शरीर ने कह दिया, बस बहुत हुआ। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि मौत को करीब से देखने के बाद अहसास हुआ कि जीवन से बढ़कर कुछ नहीं, इसलिए काम से पहले अपनी सेहत पर ध्यान दें क्योंकि आपका दिल मशीन नहीं। फोन बंद करें, आराम करें और उन पर फोकस करें जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, आप और आपके प्रियजन।

हालांकि हर्ष को भी यह बात झटका खाने के बाद समझ में आई। खैर, उन्हें तो ज़िंदगी ने एक मौका दे दिया, पर शरीर के संकेतों को अनसुना करने वाले सब इतने खुशनसीब नहीं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

बारिश का कहर: प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है।

(ललित गर्ग)

यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज़ हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में ज़बरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नज़र जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवज़े की घोषणाएं, और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर ज़मीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य ज़मीनी ज़रूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल ज़िम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 08-07-2025 21:49 Page 1

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रशासन ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित सभागार में खूँटी जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/सचिव के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के आलोक में सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया गया कि वे प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिए बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति सुनिश्चित करें। इससे मतदाता सूची के अद्यतन और संशोधन की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को सुदृढ़ किया जा सकेगा।

बैठक के दौरान निर्वाचन संबंधी विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई तथा राजनीतिक दलों को उनके दायित्वों की जानकारी दी गई।

साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि मतदाता सूची अद्यतन के दौरान उनके द्वारा नाम, पते या अन्य विवरणों की सही जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी दलों से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि शुद्ध मतदाता सूची सुनिश्चित करने में सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्वाथ नरसिंह हॉस्पिटल पर फिर लगा लापरवाही का आरोप

गिरिडीह। 35 वर्षीय धनेश्वर दास इलाज के दरम्यान ऑपरेशन की जरूरत पड़ी,आयुष्मान कार्ड के जरिए ऑपरेशन हुआ किन्तु अचानक तबियत खराब हो गयी किन्तु बचाया नहीं जा सका। पत्नी रिंकी देवी ने हॉस्पिटल पर आरोप लगाया कि इलाज सही तरीके से नहीं हुआ। इस बात की जानकारी जमुआ की माले नेत्री मिना दास को हुई। माले नेता राजेश सिन्हा ने बताया कि विश्वनाथ हॉस्पिटल के अलावे कई हॉस्पिटल की लापरवाही को लोग जानते है। कुछ का लक्ष्य रहता है आयुष्मान का पैसा को लेना ताकि अपना तिजोरी भरे, इससे पहले दर्जनों कांड हो चुका है। हालांकि मैनेजमेंट से बात की गई। मैनेजमेंट ने कहा कि हमारी कोई गलती नहीं है बावजूद इसके हॉस्पिटल मैनेजमेंट 50,000 रुपए अंतिम संस्कार के लिए दिया। भीम सेना के नेता उज्जवल रावण, किताब मीना दास,रावण,लिलो दास,सहदेव दास,दुलारचंद,चंदन तिवारी,उमेश दास, सहदेव दास आदि दर्जनों लोग थे।

फर्जी वेबसाइटों से जन्म- मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने पर होगी कार्रवाई : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। फर्जी वेबसाइटों द्वारा फर्जी जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पलामू जिला प्रशासन तत्परता के साथ कार्य कर रही है। पलामू उपायुक्त सह जन्म- मृत्यु के जिला रजिस्ट्रार समीरा एस इस मामले पर गंभीर हैं। उन्होंने कहा है कि फर्जी वेबसाइट बनाकर फर्जी जन्म- मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने की सूचना विभाग को प्राप्त हो रही है। यह गंभीर मामला है। इससे आम जनता भ्रमित होती है। साथ ही सरकारी अभिलेखों की विश्वसनीयता भी कमजोर होती है। जन्म व मृत्यु निबंधन कार्य के लिए भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय द्वारा विकसित प्रज्ञा केन्द्रों, स्थानीय इंटरनेट कैफे पोर्टल ही अधिकारिक वेबसाइट है। इसके माध्यम से निर्गत जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र ही वैध की श्रेणी में हैं।

उपायुक्त ने फर्जी वेबसाइट के माध्यम से जारी किए जाने वाले जन्म- मृत्यु प्रमाण पत्र पर प्रभावी रोक लगाने व संबंधितों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिया है। उपायुक्त ने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्रों को जारी किये जाने वाले कुछ फर्जी वेबसाइटों को भी रेखांकित करते हुए जिले के सभी प्रज्ञा केंद्रों, स्थानीय इंटरनेट कैफे इत्यादि से जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जाने पर रोक लगाने के लिए उन केंद्रों की सतत जांच करने व संबंधित व्यक्तियों पर समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि संबंधित पदाधिकारी अपने क्षेत्राधिकार अंतर्गत आमजनों को जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने के अधिकारिक व ऑफिसियल वेबसाइट सीआरएस पोर्टल की जानकारी सभी को दी जाए। इससे लोग जागरूक रहें व फर्जी वेबसाइट के माध्यम से जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने में सावधानी बरतें।

के माध्यम से ही जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करना व कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त, नगर निकायों में प्रशासक, कार्यपालक पदाधिकारी, सभी सरकारी अस्पतालों में उपाधीक्षक व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी व ग्रामीण क्षेत्रों के सभी ग्राम पंचायतों में संबंधित पंचायत सचिव ही जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए अधिसूचित हैं। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सह जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के अपर जिला रजिस्ट्रार, मेदिनीनगर नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त सह रजिस्ट्रार, विश्रामपुर नगर परिषद के सहायक नगर आयुक्त सह रजिस्ट्रार, नगर पंचायत हुसैनाबाद, छतरपुर व हरिहरगंज के कार्यपालक पदाधिकारी सह रजिस्ट्रार, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी व जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी को विशेष रूप से निर्देशित करते हुए अधिकारिक पोर्टल पर ही जन्म -मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने व बनवाने के लिए जागरूक कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने लोगों तक सुलभ तरीके से जानकारी पहुंचाने के लिए जागरुकता कार्यक्रम चलाने की बात कही है।

उपायुक्त ने प्रज्ञा केन्द्रों, स्थानीय इंटरनेट कैफे आदि से फर्जी वेबसाइट के माध्यम से जारी किये जाने पर रोक लगाने के लिए उन केन्द्रों की मॉनिटरिंग एवं जांच कर फर्जी वेबसाइट से फर्जी जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने पर समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है।

सोनी, मुक्ता और निमित बने योगासना स्पोर्ट के राज्य स्तरीय जज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । धनबाद के द लाइट रिजॉर्ट में 5 जुलाई से 7 जुलाई तक झारखंड योगासना स्पोर्ट संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय योगासना स्पोर्ट जजेज ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया था जिसमें में झारखंड के विभिन्न जिलों से 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस प्रशिक्षण शिविर में गिरिडीह योगासना स्पोर्ट संघ की ओर से सोनी कुमारी, मुक्ता कुमारी और निमित सिंह भी गई हुई थी और सभी ने सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर योगासना स्पोर्ट के राज्य स्तरीय लेवल टू के जज बने।

संघ के तकनीकी इंचार्ज सह कोषाध्यक्ष अमित स्वर्णकार ने बताया कि इन तीनों के राज्यस्तरीय जज बनने पर गिरीडीह के खिलाड़ियों को तकनीकी रूप में मजबूत करने में मदद मिलेगी और जिला स्तरीय प्रतियोगिता कराने के लिए अब बाहर से जज नहीं बुलाना पड़ेगा। वहीं गिरिडीह जिला योगासना स्पोर्ट संघ के जिला अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि गिरीडीह जिला योगासना स्पोर्ट को तकनीकी रूप से मजबूत करने के लगातार प्रयाय किया जा रहा है जिससे यहां के खिलाड़ीयो और तकनीकी रूप से अपडेट किया जाए ताकि वो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक जीत कर जिला का नाम रौशन कर सके। उन्होंने कहा कि सोनी कुमारी , मुक्ता कुमारी और निमित सिंह के योगासना स्पोर्ट के राज्य स्तरीय जज बनने से गिरिडीह जिला योगासना संघ में हर्ष का माहौल है। स्वर्णकार के राष्ट्रीय जज बनने से यहां के योगासना खिलाड़ियों को अब तकनीक रुप में और मजबूत करने में सफलता मिलेगी और यहां के खिलाड़ी को भी जिला से ले कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने में कामयाबी मिलेगी। संघ के मुख्य संरक्षक राजेश जलान, संरक्षक नवीनकांत सिंह,जिला अध्यक्ष संतोष शर्मा, सचिव अनीता ओझा, कोषाध्यक्ष अमित स्वर्णकार के अलावा दयानंद जयसवाल,पुष्पा शक्ति, रोहित श्रीवास्तव, नितेश नंदन, संजीत कुमार, उत्कर्ष गुप्ता, आकाश कुमार स्वर्णकार,रोहित ने बधाई दी।

निकाय चुनाव की सुगबुगाहट हुई तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में अध्यक्ष और एक सदस्य का मनोनयन होने से राज्य में इस वर्ष नगर निकाय चुनाव होने की संभावना बढ़ा गई है। ओबीसी आरक्षण तय नहीं होने से अभी तक नगर निकाय चुनाव नहीं हो पा रहा था। अब आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति होने से इस प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। हालांकि, इस वर्ष निकाय चुनाव कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयुक्त की शीघ्र नियुक्ति करनी होगी।

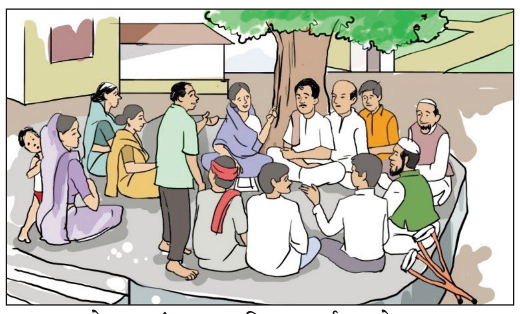

वर्तमान स्थिति यह है कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने उच्च न्यायालय के आदेश पर ट्रिपल टेस्ट कराने के लिए सभी जिलों में सर्वेक्षण करा लिया है। जिला स्तर पर हुए इस सर्वेक्षण के आधार पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए निजी संस्थान की सेवा लेने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है, लेकिन आयोग में अध्यक्ष के पद रिक्त होने से ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया में तेजी नहीं आ पा रही थी।

अध्यक्ष की नियुक्ति होने से इस प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। ओबीसी आरक्षण तय होने के बाद नगर विकास विभाग चुनाव की अनुशंसा राज्य निर्वाचन आयोग को करेगा। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग में मतदाता सूची तैयार करने, वार्डों के निर्धारण और ईवीएम की व्यवस्था जैसी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। दशहरा तक ये सभी प्रक्रियाएं पूरी होती हैं तो राज्य में नवंबर-दिसंबर में निकाय चुनाव हो सकता है।

राज्य सरकार ने बरकट्ठा के पूर्व विधायक जानकी यादव को झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष मनोनीत किया है। साथ ही गिरिडीह के जोरासांख निवासी नरेश वर्मा को आयोग का सदस्य मनोनीत किया है। अध्यक्ष एवं सदस्य का मनोनयन तीन वर्ष के लिए हुआ है। बताते चलें कि योगेंद्र प्रसाद द्वारा विधानसभा चुनाव लड़ने से पहले अध्यक्ष का पद छोड़ने के बाद यह पद रिक्त था। उसके बाद इस पद पर किसी का मनोनयन नहीं हो सका था। झारखंड के 13 नगर निकायों में वर्ष 2020 से चुनाव नहीं हुए हैं। वहीं, 35 अन्य शहरी निकायों का कार्यकाल भी 2023 के मार्च-अप्रैल में समाप्त हो चुका है। ओबीसी आरक्षण पर निर्णय नहीं हो पाने के कारण अभी तक चुनाव नहीं हो सका है।

झारखंड हाई कोर्ट ने एक अवमाननावाद में चार माह के भीतर चुनाव कराने के निर्देश राज्य सरकार को दिए हैं, जिसकी समय सीमा 16 मई को ही खत्म हो चुकी है। राज्य सरकार ने कोर्ट से चुनाव के लिए और समय मांगा है।

शहर में वाहनों का प्रवेश रहेगा पूरी तरह बंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। इस बार श्रावणी मेला के दौरान पहले की अपेक्षा अधिक भीड़ होने की उम्मीद है। खासकर रविवार और सोमवार को भीड़ सबसे अधिक होगी। ऐसे में मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने रविवार रात 11 बजे से सोमवार रात 12 बजे तक शहर में सभी प्रकार के भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के तहत इस अवधि में दुमका की ओर से आने वाले सभी भारी वाहन जैसे ट्रक, ट्रैक्टर व अन्य मालवाहक वाहनों को जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के घोरमारा अस्थाई टीओपी अंतर्गत तीर नगर से पीछे या पीछे से मोड़ दिया जाएगा।

यहां से ये वाहन सारवां होते हुए जाएंगे। वहीं गिरिडीह की ओर से आने वाले सभी भारी वाहनों को जिले के देवीपुर थाना चौधरी डोड में प्रवेश पर रोक रहेगी। चकाई, जमुई की ओर से आने वाले भारी वाहनों को जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र के मानिकपुर मोड से 100 मीटर पहले ही रोक दिया जाएगा।

सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सर्कस मैदान में आयोजित फुटबॉल टुर्नामेंट प्रतियोगता में जीते हुए खिलाड़ियों को किया गया पुरस्कृत जिला शिक्षा अधीक्षक, मुकुल राज ने कहा कि सरकार चाहती है कि बच्चे खेलकूद और कला, संस्कृति के क्षेत्र में आगे बढ़े और राज्य ही नहीं देश में अपनी प्रतिभाओं को दिखाकर सम्मान और पुरस्कार प्राप्त करे राज्य परियोजना निदेशक के निर्देश के आलोक में 7 जुलाई को जिला स्तरीय 64 वीं सुब्रतो कप फुटबॉल टुर्नामेंट प्रतियोगता 2025-26 का आयोजन +2 उच्च विद्यालय पचम्बा के खेल मैदान (तेतरिया खेल मैदान) एवं +2 उच्च विद्यालय गिरिडीह के खेल मैदान (सर्कस मैदान) गिरिडीह में किया गया।

प्रतियोगिता में सभी प्रखण्डों के यू -15/यू -17 बालक वर्ग एवं यू -17 बालिका वर्ग ने भाग लिया। यू -17 बालिकाओं हेतु +2 उच्च विद्यालय गिरिडीह के खेल मैदान (सर्कस मैदान) गिरिडीह में एवं यू -15/यू -17 बालक वर्ग हेतु +2 उच्च विद्यालय पचम्बा के खेल मैदान (तेतरिया खेल मैदान) में प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारम्भ जिला शिक्षा अधीक्षक-सह-अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, गिरिडीह, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, गिरिडीह एवं जिला फुटबॉल एसोशिएसन के अध्यक्ष, गुलाम समदानी के द्वारा +2 उच्च विद्यालय गिरिडीह के खेल मैदान (सर्कस मैदान) गिरिडीह में किया गया। प्रतियोगिता के विजेता टीम निम्नवत हैं। जिसमें बालिका व- 17- क०गाँ०बा०वि० बिरनी विजेता तथा बालिका यू -17- देवरी प्रखण्ड उपविजेता रहा। साथ ही बालक यू -15 - गाण्डेय प्रखण्ड विजेता तथा बालक यू 15 बेगाबाद प्रखण्ड उप विजेता रहा।

जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स ने विद्युत विभाग के साथ की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता, शहरी क्षेत्र के सहायक अभियंता, कनीय अभियंता एवं स्मार्ट मीटर स्थापित करने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि अभिषेक कुमार के साथ एक अहम बैठक की। स्मार्ट मीटर को लेकर चर्चा एवं स्पष्टीकरण बैठक की शुरूआत स्मार्ट मीटर से संबंधित विषयों से हुई, जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि उपभोक्ताओं के घरों के बाहर मीटर लगाना अनिवार्य नहीं है। मीटर घर के भीतर प्रवेश द्वार के समीपतम स्थान पर लगाया जा सकता है। मीटर लगाने की जिम्मेदारी लेने वाली एजेंसी आगामी 10 वर्षों तक उसकी देखरेख करेगी, और यदि कोई तकनीकी गड़बड़ी होती है तो निःशुल्क बदलने की व्यवस्था भी की जाएगी। रीडिंग की सटीकता पर उपभोक्ताओं की शंकाओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया कि चैंबर के दो सदस्यों के घर या प्रतिष्ठान में स्मार्ट मीटर को मौजूदा मीटर के समानांतर स्थापित किया जाएगा, ताकि न्यूनतम सात दिनों तक दोनों की रीडिंग की तुलना की जा सके। इसके उपरांत ही चैंबर यह आह्वान करेगा कि आम जनता को स्मार्ट मीटर लगवाना चाहिए या नहीं। स्मार्ट मीटर की विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि स्मार्ट मीटर नेटवर्क के माध्यम से स्वतः हर माह की रीडिंग भेजेगा, जिससे बिना बाधा के बिल जारी किया जा सकेगा। भविष्य में इन्हें प्रीपेड मीटर के

रूप में परिवर्तित करना भी संभव होगा।

चेंबर ने बिजली बिलों के वितरण में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इससे राज्य सरकार की 200 यूनिट तक की निःशुल्क बिजली देने की योजना प्रभावित हो सकती है, विशेषकर तब जब कई माहों का बिल एक साथ जारी होता है। फॉल्ट और एबी स्विच की मांग को ले चेंबर ने दोहराई कि प्रत्येक ट्रांसफार्मर पर एबी स्विच लगाया जाए ताकि किसी फॉल्ट की स्थिति में केवल संबंधित क्षेत्र की आपूर्ति रोकी जाए। विभाग ने आश्वासन दिया कि अगले माह तक चार-पाँच ट्रांसफार्मरों के समूहों पर यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। आपूर्ति में हो रही बाधाओं और लो वोल्टेज की समस्या पर भी चर्चा हुई। बैठक में चेंबर अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला, महासचिव प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष विकास खेतान, कार्यकारिणी सदस्य संजय भूदौलिया, निर्मल कुमार, प्रशांत बगड़िया एवं विकास बसईवाला सम्मिलित थे।

मेले में यातायात नियंत्रण हेतु 62 जगहों पर बनेगा प्वाइंट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेले के दौरान शहर व बाहरी इलाकों में यातायात को नियंत्रित करने के लिए व्यापक योजना बनायी गयी है। इस योजना के तहत शहर के अंदर ऑटो, टोटो व अन्य वाहनों के प्रवेश के लिए 62 स्थानों को चिन्हित किया गया है। वहां से ऑटो, टोटो व अन्य वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।बता दें कि बाबा मंदिर तक श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

जिन स्थानों से वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है उनमें टावर चौक, पटेल चौक, जलसार रोड, बिजली ऑफिस मोड़, सब्जी मंडल मोड़, भारती होटल, मानसरोवर मोड़, शिवराम झा चौक, बमबम बाबा पथ स्थित मोड़, मिलन पैलेस मोड़, नवीन स्पोर्ट्स मोड़, लक्ष्मीपुर चौक, शिक्षा सभा चौक, ड्रोलिया गली, अवंतिका गली, बैजू मंदिर गली, न्यू धोबिया तालाब, हिंदी विद्यापीठ, नरसिंह सिनेमा हॉल गली, बिलासी बजरंग बली मंदिर, दुलारी देवी खेतान भवन शामिल हैं।

डायवर्जन थ्री चिल्ड्रेन पार्क, कैकेयी धर्मशाला मोड़, हदहदिया पुल, तिवारी चौक, दर्शनिया मोड़, हिलमैक्स हॉस्पिटल के बगल वाली गली, होटल आम पैलेस के बगल वाली गली, पीपीसी रोड सोरेन पेट्रोल पंप के बगल वाली गली, भुरभुरा मोड स्थित एनडीआरएफ कैंप के सामने वाली गली, भुरभुरा मोड़, एसीसी सीमेंट दुकान के बगल वाली गली, डब्लूवीडी प्लाईवुड के बगल वाली गली, आशा स्टोर के बगल वाली गली, पूर्व सांसद के घर के बगल वाली गली भुरभुरा मोड, शोरूम के बगल में बंसल लेन, प्रोफेसर कॉलोनी के बगल में लेन, प्रोफेसर कॉलोनी श्याम मेडिकल के बगल में लेन, श्री शिव शक्ति हार्डवेयर के बगल में लेन, बिलासी मोड, सिटी गैस के बगल में लेन, शिवास ट्रेडर्स के बगल में लेन, गैस गोदाम मोड रामपुर, विनय ट्रेडर्स के बगल में लेन, गौरव ट्रेडर्स के बगल में लेन, पानी टंकी रामपुर पार्क रोड, वीपी उषा टेक्सटाइल्स के बगल में लेन।

पूर्व मेयर अरूणा शंकर पर रूचिर तिवारी ने लगाये गंभीर आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। निगम क्षेत्र में 700 करोड़ रुपया खर्च कर विकास किया गया है। खर्च हुआ लेकिन विकास के नाम पर केवल पूर्व मेयर ने अपनी संपत्ति बढ़कर अपना विकास किया। उक्त राशि आम जनता के टैक्स के पैसे का है।

उक्त आरोप भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रूचिर कुमार तिवारी, वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता सूर्यपत सिंह व केडी सिंह ने संयुक्त रूप से लगाया है। सोमवार को हुई बारिश के बाद शाम में देखा गया कि निगम कार्यालय जलमग्न है।जब कभी बारिश होती है तो निगम कार्यालय का गेट पानी से जाम हो जाता है। क्योंकि पानी निकास का कोई रास्ता नहीं छोड़ा गया। यह कार्य भाजपा के प्रथम पूर्व मेयर अरुणा शंकर के समय ही हुआ है। उनके समय में जो भी सड़क या नाली निर्माण का कार्य हुआ वह सब घटिया हुआ। पूरे निगम क्षेत्र में थोड़े से पानी होने पर जल जमाव की स्थिति बन जाती है। लेकिन विकास

का ढोल पीटने वाले भाजपा के विधायक व सांसद को इससे कोई मतलब नहीं रहता है। पूर्व में अपने द्वारा किए गए कार्यकाल की बड़ाई पूर्व मेयर स्वयं करती हैं। जबकि उनके समय में निगम क्षेत्र में 700 करोड़ रुपया आम जनता के टैक्स का पैसा खर्च हुआ है । लेकिन विकास के नाम पर केवल पूर्व मेयर ने अपनी संपत्ति बढ़कर अपना विकास किया। निगम वासियों को भगवान भरोसे छोड़ दिया। वहीं वर्तमान समय में झामुमो कांग्रेस गठबंधन की सरकार भी आम जनता से टैक्स वसूलने के लिए 5 प्रतिशत टैक्स बढ़ाने के लिए प्रस्ताव भेजा है। जबकि निगम क्षेत्र के 35 वार्ड में विकास का कोई काम नहीं हुआ। निगम में शामिल किए गए नए क्षेत्रों में तो गड्ढे में कहीं- कहीं सड़क नजर आ रहे हैं। चारों तरफ जल जमाव बना हुआ है। निगम के पदाधिकारी मकान बनाने वाले व अन्य लोगों के साथ अवैध वसूली करने में लगे हुए हैं।

सीओ पर राइट टू सर्विस एक्ट के तहत जुर्माना लगाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू की उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने मंगलवार को राजस्व से जुड़े सभी विभागों को राजस्व संग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि राजस्व उगाही में सभी रुकावटों को दूर करते हुए लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहें। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारी को अपने- अपने विभाग में राजस्व वसूलने के लिए किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने की बात कही। कहा कि राजस्व संग्रहण जिले की कार्यप्रणाली का अहम हिस्सा है। इस कार्य में पारदर्शिता आवश्यक है। उन्होंने पदाधिकारियों को लोगों को कर भुगतान करने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त मंगलवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में राजस्व संग्रहण की वर्तमान स्थिति पर विभागीय प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थी।

उपायुक्त ने खनन विभाग की समीक्षा की। कहा कि इस वित्तीय वर्ष में अब तक वार्षिक लक्ष्य अप्राप्त है। इस दौरान पिछले वर्ष के लक्ष्य के आधार पर समीक्षा किया गया। इस दौरान पाया गया कि पिछले साल प्राप्त लक्ष्य के आधार पर अबतक 13 प्रतिशत वसूली किया गया है। ज्ञातव्य है कि वित्तिय वर्ष 2024-25 में खनन विभाग का वार्षिक लक्ष्य 41357 लाख रुपये का था।डीसी ने खान निरीक्षक को खनन के क्षेत्र में राजस्व वसूली में तेजी लाने की बात कही। उन्होंने राजस्व उगाही को लेकर कहा कि इसमें जो भी कारक बाधक हैं, उन्हें यथाशीघ्र दूर कर लक्ष्य प्राप्त करें।

परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पाया कि विभाग को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 7608.30 लाख रुपये की वसूली का लक्ष्य दिया गया था।इसके विरुद्ध परिहवन विभाग द्वारा अबतक 2230.59 लाख रुपये की राजस्व वसूली कर ली गयी है। इस दौरान उपायुक्त ने डीटीओ से कहा कि अगली माह होने वाली सड़क सुरक्षा की मीटिंग में यह आंकड़ा बढ़ा हुआ मिले, यह सुनिश्चित करें।

उत्पाद विभाग की समीक्षा के दौरान उत्पाद अधीक्षक ने उपायुक्त को बताया कि उत्पाद विभाग को 14000 लाख रुपए वसूली का वार्षिक लक्ष्य दिया गया था। इसके विरुद्ध जून माह तक 3117.01 लाख रुपये के राजस्व वसूली कर ली गयी है। यह 22 प्रतिशत है। इसी तरह अवर निबंधन, राष्ट्रीय बचत विभाग, नगर निगम, विद्युत आपूर्ति विभाग की भी समीक्षा की गयी। सरकार के विभिन्न विभागों को भूमि हस्तांतरण हेतु लंबित भूमि के विवरणी का अंचलवार समीक्षा की। बैठक में पर्याप्त जानकारी नहीं होने पर पर डीसी ने हुसैनाबाद सीओ के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी से स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी बैठक में उचित जानकारी व मीटिंग से जुड़े सभी प्रतिवेदन के साथ भाग लेना सुनिश्चित करें।

राजधर्म और पुत्र धर्म एक साथ निभा रहे सीएम सोरेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पिता और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए 24 जून से दिल्ली में हैं। दिशोम गुरु की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति के कारण उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन न केवल अपने पुत्र धर्म का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं, बल्कि झारखंड के राजकाज पर भी पूरी तत्परता से नजर रखे हुए हैं। यह दोहरी जिम्मेदारी का निर्वहन उनकी नेतृत्व क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण को दशार्ता है। झारखंड आंदोलन के नायक शिबू सोरेन किडनी से संबंधित गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। उनकी देखभाल के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम दिन-रात कार्यरत है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं अस्पताल में मौजूद रहकर पिता के स्वास्थ्य की

स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और विदेशी चिकित्सकों से भी परामर्श ले रहे हैं। उनकी स्थिति को लेकर झारखंड में जनता के बीच चिंता का माहौल है।

रजरप्पा मंदिर सहित कई स्थानों पर शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए जा रहे हैं। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी अस्पताल पहुंचकर शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

इस नाजुक दौर में भी हेमंत सोरेन ने झारखंड के प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। दिल्ली में रहते हुए वे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स के माध्यम से न केवल उच्च अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं, बल्कि जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित कर रहे हैं। अब तक उन्होंने एक दर्जन से अधिक जनशिकायतों का निपटारा किया है, जिनमें स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और दिव्यांगजनों से संबंधित मामले प्रमुख हैं। उदाहरण के तौर पर उन्होंने घायल अंतरराष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी विमल लकड़ा को बेहतर इलाज और मूकबधिर सौम्या को आवश्यक मशीन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से लेकर विभिन्न जिलों के उपायुक्तों तक को एक्स पर टैग कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की है। उनकी यह डिजिटल सक्रियता झारखंड की राजनीति में एक नई मिसाल कायम कर रही है। उनके ट्विटर हैंडल पर 10.1 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं, जो उन्हें न केवल झारखंड, बल्कि देश के कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों की तुलना में इंटरनेट मीडिया पर अधिक प्रभावशाली बनाता है।

प्रशासनिक कार्यों के लिए हेमंत सोरेन ने विशेष बैठकों में अपनी अनुपस्थिति में अन्य अधिकारियों को अधिकृत किया है। उन्होंने मुख्य सचिव, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठकें कीं, जिनमें विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, अवैध खनन और साइबर क्राइम जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

इसके अलावा, उन्होंने नई दिल्ली में नवनिर्मित झारखंड भवन का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए। हेमंत सोरेन की यह कार्यशैली उनकी संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है। एक ओर जहां वे अपने पिता की सेवा में तत्पर हैं, वहीं दूसरी ओर जनता की समस्याओं के प्रति उनकी सजगता उनकी नेतृत्व क्षमता को और मजबूत करती है।

उनके इस संतुलित दृष्टिकोण की सराहना हो रही है और इंटरनेट मीडिया पर उनके समर्थन में कई पोस्ट वायरल हो रहे हैं। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य में हाल के दिनों में आंशिक सुधार देखा गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जनता से उनके लिए प्रार्थना करने की अपील की है। उनकी इस दोहरी जिम्मेदारी के निर्वहन ने न केवल उनकी छवि को और निखारा है, बल्कि यह भी साबित किया है कि कुशल नेतृत्व कठिन परिस्थितियों में भी रास्ता निकाल लेता है।

आरबीआई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, 17 म्यूचुअल फंड कंपनियों की डेट स्कीमों में दिखा तनाव

नई दिल्ली, एजेंसी। तेजी से बढ़ रहे म्यूचुअल फंड में सब ठीक नहीं है। आरबीआई की रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल में 17 म्यूचुअल फंड कंपनियों की 43 डेट स्कीमों में एम्फी की तय सीमा से ज्यादा तनाव देखा गया है। इनका प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 2.25 लाख करोड़ से ज्यादा है। हालांकि, इस तनाव का मतलब यह नहीं है कि निवेशकों के ये पैसे डूब जाएंगे या कोई खतरा है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) हर माह तरलता से लेकर निवेश और कईपैमाने पर फंड हाउसों की ओपन एंडेड डेट योजनाओं के तनाव का परीक्षण करता है। आरबीआई की रिपोर्ट में इसी परीक्षण का हवाला दिया गया है ।रिपोर्ट के अनुसार, 31 फंड हाउसों की 269 स्कीमों में तय सीमा से कम तनाव रहा। इस तरह, कुल 48 स्कीमों की 312 योजनाओं का परीक्षण किया गया, जिनका एयूएम 16.84 लाख करोड़ रुपये था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अनिवार्य किया है कि परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को हर माह ओपन एंडेड डेट योजनाओं का तनाव परीक्षण करना चाहिए ताकि इनसे संबंधित विभिन्न जोखिम मापदंडों (ब्याज दर, क्रेडिट और तरलता जोखिम) के उनके शुद्ध परिसंपत्ति मूल्यों पर प्रभाव का मूल्यांकन किया जा सके। ऐसे तनाव जब सीमा से ऊपर होते हैं, तो इसमें सुधार के लिए संबंधित फंड मैनेजर को एक महीने का समय दिया जाता है।

क्रायोजेनिक ओजीएस आईपीओ : 695 गुना सब्सक्रिप्शन, 47 प्रतिशत प्रीमियम की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। जब से क्रायोजेनिक ओजीएस का आईपीओ 3 जुलाई को खुला, निवेशकों की भीड़ उमड़ पड़ी। पहले ही दिन इसे 25 गुना सब्सक्रिप्शन मिल गया, लेकिन आखिरी दिन तक जो हुआ वह हैरान करने वाला था। छोटे निवेशकों (रिटेल) ने इसे 774 गुना, बड़े निवेशकों (एनआईआई) ने 1,155 गुना और संस्थाओं (क्यूआईबी) ने 210 गुना भर दिया! यानी कुल मिलाकर यह आईपीओ 695 गुना सब्स्क्राइब हुआ, जो एसएमई सेगमेंट में एक रिकॉर्ड है।

क्यों है इतना क्रेज : इसका राज ग्रे मार्केट में छिपा है। आज भी इसके शेयरों की अंडरग्राउंड कीमत (जीएमपी) 22 प्रति शेयर है। यानी अगर आईपीओ की ऊपरी कीमत 47 मानें, तो लिस्टिंग 69 (47 प्रतिशत प्रीमियम) पर होने की उम्मीद है। ऐसे में जिन्हें अलॉटमेंट मिल गया, वे मानो लॉटरी लग गई समझ रहे हैं।

कंपनी की योजना : क्रायोजेनिक ऑयल-गैस, पेट्रोकेमिकल्स जैसे क्षेत्रों के लिए हाई-टेक फिल्ट्रेशन सिस्टम बनाती है। आईपीओ से जुटाए 17.77 करोड़ का इस्तेमाल वह अपने वर्किंग कैपिटल को बढ़ाने और नई परियोजनाओं में करेगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि इसमें कोई ओएफएस (मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री) नहीं है—पूरा पैसा सीधे कंपनी को जाएगा।

ओरियाना पावर कंपनी को एनटीपीसीकी सहायक कंपनी से मिला 465 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली, एजेंसी। ओरियाना पावर के शेयरों में आज 5 प्रतिशत की उछाल देखी गई। यह उछाल तब दर्ज की गई, जब कंपनी ने एनटीपीसी की सहायक कंपनी एनवीवीएन से 465.15 करोड़ रुपये के बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम प्रोजेक्ट का ठेका हासिल करने की घोषणा की। यह प्रोजेक्ट राजस्थान के गिरल सब-स्टेशन पर 125 एमडब्लू/250 एमडब्लूएच क्षमता का स्टैंडअलोन बैटरी स्टोरेज सिस्टम स्थापित करने के लिए है, जिसे बिल्ड-ओन-ऑपरेट मॉडल पर कार्यान्वित किया जाएगा। कंपनी ने बताया कि यह प्रोजेक्ट ग्रिड स्थिरता को बेहतर बनाएगा और ब्लैकआउट के जोखिम को कम करेगा। 465 करोड़ रुपये के इस अनुबंध की अवधि 12 वर्ष निर्धारित की गई है।

ऑटो इंडस्ट्री के बाद अब हमारी बागवानी फसलों को मार रहा है चीन

भारत में बचा है दो महीने का स्टॉक

गुजरात में डब्ल्यूएसएफबनाने वाले ललितकुमार पेरीवाल ने कहा कि देश में सिर्फ दो महीने का स्टॉक बचा है। उन्होंने बताया चीन ने 2023 में भी रोक लगाई थी, लेकिन 2024 में हटा ली थी। तब हमने रिकॉर्ड मात्रा में आयात किया था, जिससे हमें 2025 में मदद मिली। लेकिन अब फिर से रोक लगा दी है। उन्होंने तुरंत नीति में बदलाव करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि डब्लूएसएफ को आवश्यक वस्तु अधिनियम से हटा देना चाहिए, ताकि स्थानीय स्तर पर उत्पादन हो सके।

बागवानी फसलों का बढ़ा है महत्व

भारत का बागवानी सेक्टर कृषि विकास के लिए बहुत जरूरी है। यह सेक्टर अब 13 प्रतिशत से ज्यादा जमीन पर फैला हुआ है। यह देश की कृषि जीडीपी में लगभग एक तिहाई योगदान देता है। इसके अलावा, इसने देश के अनाज उत्पादन को भी पीछे छोड़ दिया है। किसान पारंपरिक तरीके की खेती छोड़ कर पॉली हाउस में खेती कर रहे हैं और एक्जोटिक फल एवं सब्जियां उगा रहे हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने पहले भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर को झटका दिया था। उन्होंने रेअर अर्थ से बने चुंबकों के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अब चीन ने एक और कदम उठाया है। उन्होंने पानी में घुलने वाले उर्वरकों के निर्यात पर रोक लगा दी है। ये उर्वरक भारत के बागवानी सेक्टर में इस्तेमाल होते हैं।

क्या होता है डब्ल्यूएसएफ

डब्ल्यूएसएफ एक तरह की खाद है। ये खाद पौधों में आसानी से घुल जाती है। इसे ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर या पत्तियों पर स्प्रे करके इस्तेमाल किया जाता है। इससे खाद सीधे पौधों की पत्तियों या जड़ों तक पहुंचती है, मिट्टी के ज़रिये नहीं। यह कारगर तरीका है, खास कर बागवानी फसलों के लिए।

चीन के रोक का क्या होगा असर

न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस रोक से भारत के बागवानी उद्योग को नुकसान हो सकता है। यह उद्योग भारत के अनाज के कारोबार से भी बड़ा है। यह देश की कृषि में लगभग एक तिहाई का योगदान देता है। इससे अंगूर, अनार, केला और पॉलीहाउस खेती पर असर पड़ेगा। पॉलीहाउस में विदेशी फल और सब्जियां उगाई जाती हैं, जिन्हें बाहर भेजा जाता है। आधुनिक ढंग से खेती करने वाले किसान गेहूं जैसी फसलों पर भी पत्तियों पर स्प्रे करके खाद डालते हैं, ताकि उन्हें त्वरित पोषण मिल सके।

क्या कर रहा है चीन

पिछले दो महीनों में चीन ने चीन निरीक्षण संगरोध का इस्तेमाल किया है। यह एक तरह की जांच में देरी करने की रणनीति है। इससे मोनो अमोनियम फॉस्फेट, कैल्शियम नाइट्रेट और पोटेशियम नाइट्रेट जैसे जरूरी सामानों की सप्लाई कम हो गई है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत विशेष तरह के खाद चीन से खरीदता है। यह खरीदारी सबसे ज्यादा बुवाई के समय में होती है। लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि इन दिनों आयात बहुत कम हो गया है, जबकि इस समय खरीफ की बुवाई चल रही है। उदाहरण के लिए, मानचित्रका आयात 2023 में 12,525 टन था और 2024 में 21,214 टन था। लेकिन 1 जून तक यह घटकर 2,842 टन हो गया। इसी तरह, सीएन का आयात 2023 में 223,941 टन था, जो जून 2025 तक घटकर 49,311 टन हो गया। पीएन का आयात 2024 में 27,913 टन था, जो घटकर 16,837 टन हो गया।

भारत की नाकाबंदी कर दी

सॉल्यूबल फर्टिलाइजर इंडस्ट्री एसोसिएशन के सचिव विनोद गोयल ने कहा, चीन ने ष्टद्धक्त के जरिए एक तरह की नाकाबंदी कर दी है। उन्होंने भारत को आधिकारिक तौर पर बैन कर दिया है, जबकि दूसरे देशों को सप्लाई जारी रखी है। भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से ज्यादा ऐसी खाद चीन से खरीदता है। भारत को हर साल लगभग 4 लाख टन स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर की जरूरत होती है। यहां, सवाल उठता है कि चीन से ही आयात क्यों तो इसका जवाब है कि उससे फर्टिलाइजर इसलिए खरीदा जाता है क्योंकि वहां अच्छी क्वालिटी का सामान मिलता है और कीमतें भी कम होती हैं। इसे खाड़ी देशों और रूस से भी खरीदा जा सकता है, लेकिन वहां के मुकाबले चीन से सामान खरीदना सस्ता पड़ता है।

सोने की कीमत में लगातार गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स पर सोने की कीमत लगातार गिर रही है। अगस्त वायदा अनुबंधों में हाल ही में आई तेजी अब कम हो गई है। 16 जून को सोना 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम के शिखर पर था, लेकिन अब यह करीब 4000 रुपये तक गिर गया है। यानी इन 22 दिनों में इसमें करीब 4 फीसदी की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर ज्वेलरी से जुड़ी कंपनियों के शेयर में भी गिरावट आई है।

मंगलवार को सोने की कीमत 98 रुपये की गिरावट के साथ 97,172 रुपये पर खुली। इसके बाद भी इसमें गिरावट आती गई। सुबह 10:30 बजे सोने की कीमत 97,049 रुपये थी। सोने की कीमत में गिरावट का कारण दुनिया भर में चल रहे व्यापारिक तनाव और संभावित नीतिगत बदलावों को माना जा रहा है।

ट्रंप के टैरिफ ने डराया!: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से कहा कि 1 अगस्त से उन देशों पर उच्च शुल्क लगेगा जिनके साथ कोई समझौता नहीं है। लेकिन ट्रेजरी सचिव बेसेंट ने कहा कि देशों को बातचीत के लिए तीन और सप्ताह मिल सकते हैं। इससे व्यापार जोखिम कम हो गया है और सोने की सुरक्षित ठिकाने के रूप में मांग भी कम हो गई है।

मेहता इक्विटीज के वीपी कमोडिटीज राहुल कलंत्री के मुताबिक अमेरिका में नौकरियों के अच्छे आंकड़ों ने जुलाई में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम कर दी है। यानी अमेरिका में नौकरियां बढ़ रही हैं। इसलिए अब इस बात की उम्मीद कम है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को कम करेगा।

अब तक पांच सरकारी बैंकों ने हटाया न्यूनतम जमा पर शुल्क, आगे और भी बैंक कर सकते हैं घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंकों ने अब खाते में मासिक आधार पर औसत न्यूनतम जमा न होने पर वसूले जाने वाले जुर्माना को खत्म करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 2023-24 में इन बैंकों ने ग्राहकों से 2,331 करोड़ की कमाई इसी मद से की थी। अभी तक पांच सरकारी बैंकों ने खाते में न्यूनतम जमा न होने पर किसी भी शुल्क को नहीं लगाने का फैसला किया है। इस वजह से आने वाले समय में बाकी सरकारी बैंक भी इसका पालन कर सकते हैं। हालांकि, यह नियम केवल बचत खाते पर है जहां बैंक 2.50 फीसदी से लेकर 6 फीसदी या उससे भी ज्यादा ब्याज देते हैं। हाल में आरबीआई ने रेपो दर में एक फीसदी की कमी की है, इससे बैंकों के पास जमा नहीं आ रहा है। इस वजह से बैंकों को आगे नकदी के मामले में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। अब तक जिन पांच बैंकों ने न्यूनतम जमा शुल्क खत्म किया है, उनमें पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, केनरा बैंक और एसबीआई है।

2022-23 में वसूले थे 1855 करोड़ : सरकारी बैंकों ने 2022-23 में न्यूनतम जमा नहीं होने पर ग्राहकों से 1,855 करोड़ रुपये की वसूली की थी। हालांकि, 2023-24 में यह करीब 26 फीसदी बढ़ गई। तीन वर्षों में इन बैंकों ने कुल 5,614 करोड़ रुपये की वसूली की थी। आरबीआई के नियमों के अनुसार, बैंकों को खाता खोलते समय ग्राहकों को न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता के बारे में सूचित करना आवश्यक है। इसके बाद होने वाले बदलाव के बारे में भी खाताधारकों को सूचित किया जाना चाहिए।

मोबाइल पर बात करना और इंटरनेट चलाना होगा महंगा, कंपनियां 12 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं बिल

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल पर बात करना या इंटरनेट का इस्तेमाल करना महंगा होने वाला है। साल के आखिर तक कंपनियां मोबाइल के बिल में करीब 10 से 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकती हैं। इसका असर खासकर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो मीडियम या महंगे प्लान लेते हैं।

इंडस्ट्री के अधिकारियों और एनालिस्ट्स का कहना है कि मई में एक्टिव सब्सक्राइबर में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। यह लगातार पांचवां महीना है जब नए यूजर जुड़े हैं। इससे टेलीकॉम कंपनियों की टैरिफ बढ़ाने की चाहत बढ़ गई है। हालांकि, उन्होंने सावधान किया है कि जब पिछली बार जुलाई 2024 में दाम बढ़े थे, तब बेस प्लान 11 से 23 फीसदी महंगे हुए थे। ऐसे में अगर और बढ़ोतरी होती है, तो ग्राहक छोड़कर जा सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि टैरिफ बढ़ोतरी में प्लान में मिलने वाला डेटा कम किया जा सकता है, जिससे लोग ज्यादा डेटा पैक खरीदें।

कितने बढ़े यूजर्स: मई में एक्टिव यूजर्स में 29 महीने का रेकॉर्ड उछाल आया। इस दौरान 74 लाख नए एक्टिव यूजर जुड़े। इससे कुल संख्या करीब 108 करोड़ हो गई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जुलाई 2024 में टेलीकॉम कंपनियों ने बेस प्लान 11 से 23 फीसदी बढ़ाए थे। इससे जुलाई से नवंबर के बीच 2.1 करोड़ यूजर्स कम हो गए थे, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है।

मार्केट लीडर रिलायंस जियो इंफोकॉम ने मई में 55 लाख एक्टिव सब्सक्राइबर्स जोड़े हैं। इससे कंपनी के एक्टिव यूजर बेस में 150 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी हुई है और यह 53 प्रतिशत तक पहुंच गया है। भारती एयरटेल ने 13 लाख एक्टिव सब्सक्राइबर्स जोड़े हैं। अब कंपनी के पास 36 प्रतिशत एक्टिव सब्सक्राइबर्स हैं।

क्या कहना है एक्सपर्ट का: एनालिस्ट्स का कहना है कि बेस प्लान की कीमतें तेजी से बढ़ने की वजह से कम पैसा खर्च करने वाले ग्राहक पहले से ही काफी दबाव में हैं। एक टेलीकॉम इंडस्ट्री एनालिस्ट ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि ऐसी संभावना है कि टैरिफ 10-12 फीसदी तक बढ़ें। लेकिन आगे की बढ़ोतरी सभी तरह के ग्राहकों के लिए एक जैसी होने की उम्मीद कम है। खासकर मीडियम और महंगे प्लान लेने वाले ग्राहकों के लिए दाम बढ़ाना ज्यादा सही होगा।

दिल्ली के प्रगति मैदान में 31 जुलाई से इंडियन डीजे एक्सपो 2025

नई दिल्ली। इंडियन डीजे एक्सपो 2025 अपने 10वें वर्ष का जश्न मनाते हुए 31 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक भारत मंडपम, प्रगति मैदान, दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। एक दशक से भारत के संगीत और मनोरंजन व्यवसाय के लिए एग्रीगेटर की भूमिका निभा रही इस वार्षिक प्रदर्शनी में 500 से ज्यादा अग्रणी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड शामिल होंगे, जो प्रो साउंड, प्रो लाइट, प्रो एवी, डीजे गियर, पब्लिक एड्रेस, एलईडी डिस्प्ले सॉल्यूशंस और स्पेशल इफेक्ट्स से संबंधित नवीनतम तकनीकों, उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। डीजे एक्सपो के संयोजक मैनुअल डायस कहते हैं, ÷10वां डीजे एक्सपो अत्याधुनिक तकनीक और उत्पादों को सीधे अनुभव करने का एक बेजोड़ अवसर प्रदान करेगा। चाहे आप म्यूजिक प्रोडक्शन, इवेंट प्रोडक्शन या एंटरटेनमेंट टेक्नोलॉजी मार्केटप्लेस में हों, यह आपके लिए एक ज़रूरी एक्सपो है। साउंड और लाइट रेंटल कंपनियों के लिए प्रो ऑडियो, पीए, लाइटिंग, एलईडी स्क्रीन उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित होगी, जिसमें 150 से अधिक कंपनियां अपने स्थापित और प्रसिद्ध ब्रांडों की पेशकश करेंगी।÷ मैनुअल डायस के मुताबिक एक्सपो का मुख्य उद्देश्य छोटे और मध्यम उद्यमों का समर्थन करना और भारत में उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना है। हर साल की तरह इस बार भी डीजे एक्सपो उद्योग में नए और बड़े व्यावसायिक अवसरों और भविष्य की निवेश संभावनाओं पर प्रकाश डालेगा।

सीडीएसएल और एनएसडीएल ने नए एप लॉन्च किए, ई-वोटिंग करना होगा आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज(सीडीएसएल) और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी (एनएसडीएल)ने निवेशकों को लिए अपने निवेशक एप में नई सुविधाएं पेश की है, इससे शेयरधारक कंपनी मामलों पर मतदानत करते समय उनके द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को आसान बनाएगा। यह एप निवेशकों को सीडीएसएल के मायईसी एप और एनएसडीएल के स्पीड ईएप पर उपलब्ध है। यह प्रॉक्सी सलाहकार फर्मों की सिफारिशों और सलाहों को सीधे ई-वोटिंग प्लेटफॉर्म में एकीकृत करता है। यह सुविधा 7 जुलाई 2025 से शुरू की गई है। निवेशकों को इससे मुख्य सुविधा यह होगी कि वे अब कॉरपोरेट प्रस्तावों पर विशेषज्ञों की सलाह देख सकते हैं। इसके लिए अब शेयरधारकों को अलग-अलग वेबसाइट पर जाने की जरूरत नहीं होगी।

इससे उनकों अपने वोट डालने मदद भी मिलेगी। यह एप्स सेबी की निगरानी में है। इससे पहले इस तरह की सुविधा प्रमुख रूप से संस्थागत निवेशकों के लिए ही उपलब्ध थी। जबकि रिटेल निवेशकों को मतदान से पहले सलाह और सिफारिशों के लिए अनेक प्रॉक्सी सलाहकार फर्मों की वेबसाइट पर जाना पड़ता था। इससे एप के जरिए सभी छोटे बड़े शेयरधारक विशेषज्ञ द्वारा दी गई सलाह को देख सकेंगे और उचित निर्णय ले सकेंगे।

इस अवसर पर छोटे बड़े सभी निवेशकों को कैपिटल मार्केट के बारे में जानकारी देने के लिए माइक्रो साइट को भी शुरू किया गया। यह वेबसाइट 7 क्षेत्रिय भाषाओं में उपलब्ध है, जहां कैपिटल मार्केट, निवेश के बारे में पूरी जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य देश में बढ़ती युवा निवेशकों और महिलाओं को बाजार के सही जानकारी और उनके निवेश को अधिक आसान बनाना है।

इस पहल में स्टेकहोल्डर्स एम्पावरमेंट सर्विसेज, इंस्टीट्यूशन इंवेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज (आईआईएएस) और इन गवर्न रिसर्च तीन फर्म की हिस्सेदारी है। यह फर्म कंपनी प्रबंधन द्वारा पेश किए गए प्रस्तावों को पेशवर मूल्यांकन की सुविधा देती है।

नौकरी छोड़ी और बढ़ा दिए कदम... दो दोस्तों ने खड़ा किया करोड़ों का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि क्षेत्र में अच्छी पकड़ रखने वाले दो दोस्तों ने जबदस्त सफलता हासिल की है। इनके नाम हैं- शशांक सिंह और भुवनेश गुप्ता। दोनों ने मिलकर नवंबर 2020 में पोष्ण नाम का डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया। इसका मकसद कृषि उत्पादों के व्यापार को आसान बनाना था। तीन साल में इस प्लेटफॉर्म ने करोड़ों का टर्नओवर हासिल कर लिया। शशांक और भुवनेश ने अपनी अच्छी कॉर्पोरेट नौकरियों को छोड़कर यह काम शुरू किया। पोष्ण किसानों के लिए बिक्री प्रक्रिया को आसान बनाता है। यह प्लेटफॉर्म बिना किसी गोदाम के काम करता है। इससे लागत घटती है। किसानों और व्यापारियों दोनों को बेहतर मूल्य मिलता है। आइए, यहां शशांक सिंह और भुवनेश गुप्ता की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

समस्या की जड़ को पहचाना : शशांक सिंह और भुवनेश गुप्ता कृषि पृष्ठभूमि से आते हैं। उन्होंने किसानों की जमीनी समस्याओं को करीब से देखा था। शशांक उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से हैं। वहीं, भुवनेश पंजाब के जालंधर से आते हैं। दोनों ने महसूस किया कि किसानों को अक्सर बिचौलियों की वजह से फसल बेचने में दिक्कतें आती हैं। इससे देरी होती है, लागत बढ़ती है और भुगतान में भी जोखिम रहता है। पोष्ण इसी समस्या का सीधा समाधान है। यह बी2बी प्लेटफॉर्म है जो प्रोसेसर (जो फसल को बाजार में बेचने लायक बनाते हैं, जैसे गेहूं से आटा) और थोक विक्रेताओं को सीधे किसानों से जोड़ता है। इस सीधे संपर्क से बिचौलियों की जरूरत खत्म हो जाती है। लागत कम होती है। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलता है। वहीं खरीदारों को भी अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद किफायती दामों पर मिलते हैं।

बिना गोदाम वाला अनूठा मॉडल अपनाया

पोष्ण का बिजनेस मॉडल अपनी बिना गोदाम वाली नीति के कारण खास है। शशांक और भुवनेश स्टॉक नहीं रखते, बल्कि ऑर्डर के आधार पर सामान खरीदते और फिर डिलीवरी करते हैं। यह रणनीति न केवल परिचालन लागत को कम करती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि किसानों और व्यापारियों दोनों को बेहतर मूल्य मिलें। पोष्ण मुख्य रूप से किराने का सामान (जैसे चावल, आटा, खाद्य तेल) और तरल उत्पादों (जैसे दूध) के थोक व्यापार पर केंद्रित है। खरीदार और विक्रेता स्मार्टफोन ऐप के जरिये ऑर्डर देते और प्राप्त करते हैं। पोष्ण प्लेटफॉर्म लॉजिस्टिक्स से लेकर भुगतान तक पूरी प्रक्रिया को संभालता है। इसे ऐप पर ट्रैक किया जा सकता है।

दोनों को कॉर्पोरेट सेक्टर का अनुभव

शशांक सिंह उत्तर प्रदेश के उन्नाव के एक कृषि परिवार से आते हैं, जहां उन्होंने बचपन से ही खेती की चुनौतियों को देखा। बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी से इंजीनियरिंग और आइआइएम कलकत्ता से एमबीए करने के बाद उन्होंने विप्रो, ब्लैकबक और उबर जैसी कंपनियों में काम किया। वहीं, पंजाब के जालंधर से आने वाले भुवनेश गुप्ता ने भी बैंकिंग और ई-कॉमर्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव प्राप्त किया, जिसमें ओयो रूम्स और भारतपे जैसी कंपनियों के साथ काम करना शामिल है। शशांक और भुवनेश 2019 में मिले और कृषि के प्रति उनकी समान रुचि ने उन्हें एक साथ पोष्ण शुरू करने के लिए प्रेरित किया।

रूट-रनिंग आउट ऑफ टाइम से तमिल सिनेमा में डेब्यू करेंगे अपारशक्ति खुराना

पीटीआई के अनुसार फिल्म 'रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' की शूटिंग इन दिनों चेन्नई में चल रही है। इस फिल्म का निर्देशन सूर्यप्रताप एस कर रहे हैं। इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में वह तमिल एक्टर गौतम कार्तिक के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। तमिल फिल्म 'रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' का हिस्सा बनकर अपारशक्ति खुराना उत्साहित हैं। वह कहते हैं, 'मैं रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' के साथ तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत को लेकर एक्साइटेड हूं। फिल्म की कहानी काफी चुनौतीपूर्ण और अलग है। इस फिल्म की टैलेंटेड टीम के साथ काम करके काफी खुश हूं।' इस फिल्म के मेकर्स का भी कहना है, 'हम एक इमोशनल स्टोरी को साइंस फिक्शन, क्राइम थ्रिलर के साथ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

भाई के साथ फिल्मों में आए

अपारशक्ति खुराना के भाई आयुष्मान खुराना भी बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर हैं। अपारशक्ति, आयुष्मान से इंस्पायर हैं। दोनों भाइयों की बॉन्डिंग भी कमाल की है। दोनों भाई साथ ही मुंबई करियर बनाने आए। अपारशक्ति एक्टिंग में आने से पहले क्रिकेट में भी रुचि रखते थे। वह हरियाणा अंडर 19 क्रिकेट टीम के कैप्टन भी रह चुके हैं।

अपारशक्ति की चर्चित फिल्में

अपारशक्ति खुराना के करियर फ्रंट की बात करें तो वह 'स्त्री 2' फिल्म और सीरीज 'जुबली' के कारण चर्चा में आए। अपारशक्ति ने सीरियस से लेकर कॉमेडी किरदारों तक में खूब रंग जमाया है। वह वाणी कपूर, परेश रावल के साथ एक फिल्म 'बदतमीत गिल' में नजर आएंगे।

'द ट्रेटर्स' जीतने और ट्रोलिंग के बाद बोलीं उर्फी

उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर अपने अलग ढंग के फैशन स्टाइल, बेबाक बातों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में वह शो 'द ट्रेटर्स' को लेकर खबरों में रहीं। उर्फी ने बाकी कंटेस्टेंट्स को पीछे छोड़ते हुए इस शो को जीता है। इस जीत के कारण वह जमकर ट्रोल हुईं, ट्रोलिंग भी ऐसी, जिसमें यूजर्स ने अपनी सीमा ही लांघ दी। गालियां, धमकी तक उर्फी को दे डाली। इस ट्रोलिंग को लेकर एक बार फिर उर्फी ने बात की है। इससे पहले वह बेहूदा ट्रोलिंग पर एक सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा कर चुकी हैं।

पूरब को लेकर साझा की अपनी राय

उर्फी का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह पैपराजी से बात कर रही हैं। इस बातचीत में वह कहती हैं, 'पहली बार थोड़े ना ट्रोल कर रहे हैं, ये लोग मुझे कब से ट्रोल कर रहे हैं। चलता रहता है, ये तो लाइफ है।' आगे उर्फी पूरब झा के बारे में कहती हैं, 'पूरब भी शो 'द ट्रेटर्स' जीतने का हकदार था। मगर यह गेम ही ऐसा था, जिसने पकड़ लिया, वह जीत गया। पूरब के लिए यही कहूंगी कि वह बहुत अच्छा लड़का है, उसने मेरे लिए इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाई कि उर्फी को ट्रोल मत करो। ऐसा कम ही लोग करते हैं।'

उर्फी ने जब पैपराजी को कहा कि पूरब भी शो 'द ट्रेटर्स' जीतने का हकदार था, तो एक बार फिर कुछ यूजर्स ने तंज कसना शुरू कर दिया। एक यूजर्स ने लिखाा, 'उर्फी बहन, पूरब ही शो जीतना डिजर्व करता था।' एक अन्य यूजर्स ने लिखा, 'आप चीटिंग से जीते हो, बातें छुपकर सुनी।' ऐसे ही कुछ और यूजर्स ने उर्फी को लेकर कमेंट किए और पूरब को 'द ट्रेटर्स' जीतने का हकदार बताया।

उर्फी पहले भी हुई ट्रोल

यह पहली बार नहीं है कि उर्फी सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हो, इससे पहले भी वह अपने ड्रेसिंग सेंस, स्टाइल को लेकर ट्रोल हो चुकी हैं। उर्फी ने टीवी सीरियल में एक्टिंग करके अपना करियर शुरू किया था, फिर वह फैशन इंफ्लुएंसर बन गईं। अब तक कई रियलिटी शो कर चुकी हैं, 'द ट्रेटर्स' को तो जीत भी लिया है।

लैंगिक भेदभाव पर भोजपुरी अक्षरा सिंह ने किया पोस्ट

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह फिल्मों और सिनेमा से अलग तमाम सामाजिक मुद्दों पर भी मुखर होकर बोलती हैं। आज गुरुवार को उन्होंने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव पर बात की। इस दौरान उन्होंने मेल ईगो पर भी कटाक्ष किया। अक्षरा सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आज गुरुवार को एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, जब वो चुप हो जाए तो समझ जाओ तुम गलत हो और जब तुम चुप हो जाओ, तब भी तुम ही गलत हो, क्योंकि लॉजिक नहीं, जेंडर चलता है। मेल ईगो मेल ईगो...बित्ता भर से लेकर सत्तर तक, जहां जाओ वहां पाओ। भातिं-भांति के ईगो कोई माने ना माने पर ये फैक्ट है। अक्षरा सिंह अपनी आगामी फिल्म रुद्र-शक्ति को लेकर चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर आज ही जारी किया गया है। इस फिल्म में अक्षरा सिंह एक्टर विक्रांत सिंह के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। वे एक्टर विक्रांत सिंह के साथ नजर आएंगी। सावन के महीने में फिल्म दर्शकों तक पहुंचेगी। फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आज जारी ट्रेलर को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसके अलावा अक्षरा अपने नए गाने सईयां जी प्रधान को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। भोजपुरी सिनेमा की क्वीन कही जाने वाली अक्षरा सिंह की जोड़ी इस गाने में सतीश रे के साथ बनाई गई है। गाने में अक्षरा प्रधान की पत्नी बनी हैं और अपने पति की तारीफों के पुल बांधती दिखी हैं।

क्या बॉलीवुड में वापसी करने वाली हैं सेलिना जेटली?

सेलिना जेटली पिछले 14 वर्षों से फिल्मों से दूर हैं। आखिरी बार उन्हें लीड एक्ट्रेस के तौर पर साल 2011 में आई फिल्म थैंक यू में देखा गया था। इसके बाद वह 2012 में विल यू मैरी मी में बहुत कम देर के लिए नजर आईं। उनके फैंस उनकी पर्दे पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक हिंट दी, जिससे फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वह जल्द ही फिल्म में वापसी करेंगी। सेलिना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पुराना वीडियो शेयर किया। ये वीडियो उस वक्त का है जब वह प्रेगनेंट थीं। वीडियो में देखा जा सकता है कि वह चल नहीं सकतीं, इसलिए वह कुर्सी पर बैठी हैं। वीडियो शेयर करते हुए सेलिना ने लिखा सात साल पहले मैं 6 महीने की प्रेगनेंट थी। उस वक्त मैं सिम्फिसिस प्यूबिस डिसफंक्शन की वजह से चल नहीं सकती थी। क्या किसी के साथ ये दिक्कत हुई है?

सेलिना जेटली के इस वीडियो को कई यूजर्स ने लाइक किया और कई यूजर्स ने इस पर कमेंट किए। एक यूजर ने पूछा हम आपको बहुत याद करते हैं। आप बॉलीवुड में वापस कब आओगी? इस पर सेलिना जोटली ने रिप्लाई किया जल्द ही। सेलिना जेटली ने रिप्लाई में एक गुलाब वाला इमोजी भी कमेंट किया।

शॉर्ट फिल्म में निभाई भूमिका

सेलिना जेटली साल 2020 में आई शॉर्ट फिल्म सीजंस ग्रीटिंग में नजर आईं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई। फिल्म का निर्देशन राम कमल मुखर्जी ने किया था। हालांकि इससे उनकी पर्दे पर वापसी नहीं हुई। इस साल फरवरी में सेलिना जेटली किसी काम से मुंबई गईं थीं। उनके इस दौरे को फिल्मों में उनकी वापसी के तौर पर देखा गया। साल 2020 बातचीत में सेलिना ने कहा था कि उन्होंने सिनेमा से ब्रेक ले लिया था। उन्होंने कहा लगातार खुद को साबित करने की वजह से मैं थक गई थी। इसके बाद मैंने कहा ठीक है, मुझे एक ब्रेक लेना होगा, जिंदगी में कुछ अलग काम करने होंगे, बैटरी रिचार्ज करनी होगी और जब भी मैं तैयार हो जाऊंगी, मैं फिर से वापस आऊंगी।

शाहरुख-सलमान में से किसके साथ काम करना चाहेंगे राजकुमार

अभिनेता राजकुमार राव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मालिक' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। वो फिल्म की अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के साथ फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान 'मालिक' के दोनों लीड एक्टर ने खास बातचीत की। इस दौरान राजकुमार राव ने रैपिड फायर अंदाज में कुछ मजेदार सवालों के जवाब भी दिए।

फिल्म में तो आप मालिक बन गए, लेकिन घर में असली मालिक कौन है? आप या फिर पत्रलेखा?

ऐसा कुछ नहीं है। हम दोनों ही मालिक हैं। लेकिन पत्रलेखा अपनी जिंदगी में ज्यादा अच्छे फैसले लेती हैं। तो इसलिए मैं उन्हीं की ज्यादा सुनता हूं।

एक ओर करण जौहर कोई रोमांटिक फिल्म ऑफर करें और दूसरी ओर यशराज कोई एक्शन फिल्म, तो दोनों में से किसे चुनेंगे?

दोनों में से जिसकी कहानी अच्छी होगी, मैं उसे ही चुनूंगा। जिसका निर्देशक अच्छा हो और कहानी बेहतर हो।

तीनों खानों में से आप आमिर के साथ काम कर चुके हैं। अब सलमान-शाहरुख दोनों मौजूद हों लेकिन आप किसी एक को चुन सकते हैं, तो किसके साथ काम करेंगे?

मैं चाहूंगा कि हम लोग करण-अर्जुन की तरह करण-अर्जुन और नकुल के नाम से एक नई फिल्म बना दें।

खाली समय होने पर सबसे पहले क्या करते हैं?

मैं खाली समय में कुछ भी नहीं करता हूं। मुझे घर पर खाली काउच पर बैठे रहना और बातें करना बहुत अच्छा लगता है। मैं इतना आलसी हूं कि मुझे जूतों के फीते बांधने में बहुत आलस आता है, इसलिए मैं जूते के फीते हमेशा बांधकर ही रखता हूं। उन्हें खोलता ही नहीं हूं। मुझे बचपन से ही जूते के फीते बांधने में बहुत आलस आता है।

अगला प्रोजेक्ट किस तरह का करना चाहते हैं? क्या फिर से एक्शन अवतार में ही दिखेंगे या फिर कोई नया जॉनर पकड़ेंगे?

फिलहाल तो 'मालिक' आ रही है। इसके बाद दादा (सौरव गांगुली) की बायोपिक है, उस पर काम चल रहा है। उससे पहले भी एक-दो प्रोजेक्ट्स हैं, जो बहुत ही एक्साइटिंग हैं। दर्शकों के लिए भी नया है, उनमें नजर आऊंगा। मुझे उम्मीद है लोगों को पसंद आएंगे।

पैपराजी कल्चर को लेकर रितेश ने दी प्रतिक्रिया

शेफाली जरीवाला की मौत के बाद एक बार फिर पैपराजी कल्चर सेलेब्स के निशाने पर है। वरुण धवन समेत कई सेलेब्स पैपराजी कल्चर पर उंगली उठा चुके हैं। उनका कहना है कि पैपराजी को भी थोड़ी संवेदनाएं दिखानी चाहिए। अब इस बीच अभिनेता रितेश देशमुख ने पैपराजी कल्चर को लेकर बात की और उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने बच्चों को पैपराजी के सामने आने और उनसे बात करने के बारे में बताया है।

मैंने बच्चों को बताया फोटो खिंचवाना सम्मान की बात

हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत के दौरान रितेश ने कहा कि हमें पैपराजी से निपटना सीखना होगा। अभिनेता ने कहा, हमारे बच्चे खेल खेलते हैं और वे रोजाना वहां जाते हैं। कभी-कभी, जब हम उनके मैच देखते हैं, तो कुछ पैपराजी हमारी तस्वीर खींच लेते हैं, इसलिए हमें इससे निपटना सीखना होगा। आपको बच्चों से बात करनी होगी और सुनिश्चित करना होगा कि वे खुद को हकदार न समझें। मैं अपने बेटों से बस यही कहता हूं कि फोटो खिंचवाना सम्मान की बात है। जब पैपराजी तस्वीरें मांगते हैं, तो आप उन्हें क्लिक करने के लिए धन्यवाद देते हैं और आगे बढ़ जाते हैं।

सेलेब्रिटी किड्स के मीडिया के सामने आने का कोई नियम नहीं है

सेलेब्रिटी पेरेंट्स को अपने बच्चों के मीडिया के सामने किस तरह से लाना चाहिए या क्या करना चाहिए। इस पर बात करते हुए रितेश देशमुख ने कहा कि सेलिब्रिटी माता-पिता को अपने बच्चों को मीडिया के सामने लाने के लिए किस तरह का रवैया अपनाना चाहिए, इस बारे में कोई खास नियम नहीं है। सिर्फ इसलिए कि एक व्यक्ति कुछ करता है, इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे भी वैसा ही करें। मुझे लगता है कि माता-पिता जानते हैं कि उनके बच्चों के लिए क्या सबसे अच्छा है। अगर लोगों को लगता है कि वे नहीं चाहते कि उनके बच्चे मीडिया में आएं, तो इसका

कार्तिक आर्यन को हटाने की फिराक में इंडस्ट्री

सिंगर और म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में खुलकर बात की। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में कार्तिक आर्यन के साथ भी वही व्यवहार हो रहा है, जैसा पहले दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ किया गया था। इंटरव्यू में अमाल मलिक ने कहा, 'अब लोगों को फिल्म इंडस्ट्री की सच्चाई समझ आ चुकी है। यह इंडस्ट्री अंदर से इतनी काली है कि कई बार लोगों की जान तक चली जाती है। सुशांत सिंह राजपूत इस सबको सहन नहीं कर पाए। कुछ लोग कहते हैं कि उनकी मौत मर्डर थी, कुछ कहते हैं सुसाइड। लेकिन जो भी हुआ, इंसान तो चला गया।' उन्होंने आगे कहा, 'इस इंडस्ट्री ने ही उनके मनोबल पर असर डाला। शायद उनके आत्मा और मानसिक स्थिति को नुकसान पहुंचाया। जब आम जनता को ये सब पता चला, तो उनका भरोसा बॉलीवुड से उठ गया। लोग कहने लगे कि यह इंडस्ट्री बहुत गंदी है।' अमाल मलिक ने आगे कहा कि सुशांत की मौत के बाद इंडस्ट्री की असली सच्चाई सामने आई और इसकी छवि खराब हो गई। इन लोगों ने जो किया, उसका नतीजा अब इन्हें भुगतना पड़ रहा है। ये लोग अब अपने डाउनफॉल के दौर से गुजर रहे हैं और ये इसके हकदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब वही सब कार्तिक आर्यन के साथ भी हो रहा है। उसे भी अलग करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन फिर भी वह मेहनत कर रहा है, मुस्कुरा रहा है, डांस करता है और आगे बढ़ रहा है। कार्तिक भी एक आउटसाइडर है, जिसने अपनी मेहनत से नाम कमाया है। लेकिन अब भी 100 लोग उसे हटाने की कोशिश में लगे रहते हैं।

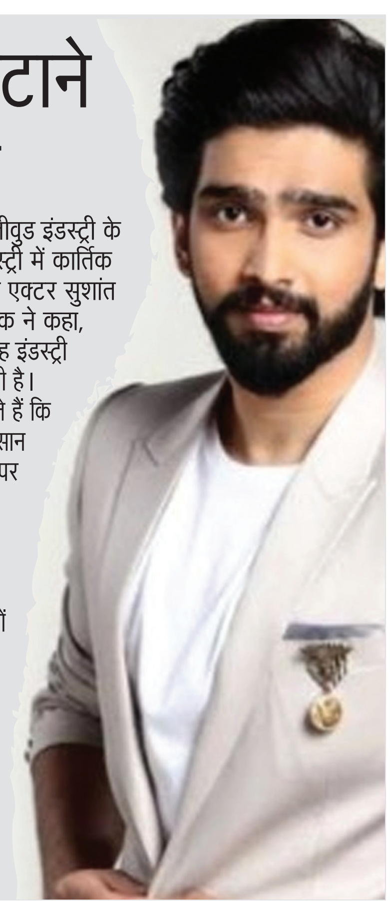

विश्व मुक्केबाजी ने बीएफआई की अंतरिम समिति का कार्यकाल 31 अगस्त तक बढ़ाया

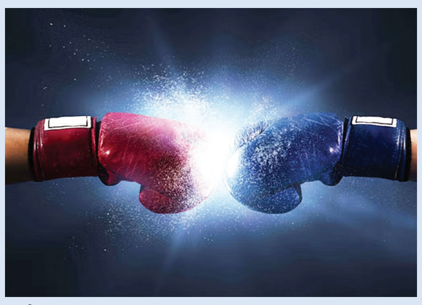

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी प्रशासन में पारदर्शिता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों से प्रभावित होकर विश्व मुक्केबाजी ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की अंतरिम समिति का कार्यकाल 31 अगस्त तक बढ़ा दिया है। अजय सिंह की अध्यक्षता वाली अंतरिम समिति को इस साल अप्रैल में भारत में मुक्केबाजी के दिन-प्रतिदिन के मामलों का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त किया गया था।नियुक्ति के बाद से समिति ने अपने शुरुआती 90 दिवसीय कार्यकाल के दौरान 'खिलाड़ी पहले' दृष्टिकोण को अपनाते हुए राष्ट्रीय चैंपियनशिप और उसके बाद सभी आयु समूहों (अंडर-15, अंडर-17 और एलीट) में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए हैं। सोमवार को अजय सिंह को लिखे पत्र में विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने अंतरिम समिति को उनके 'खिलाड़ी पहले' दृष्टिकोण के लिए बधाई दी जिसने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय मुक्केबाजों की निरंतर भागीदारी के साथ पदक सुनिश्चित किए।वान डेर वोर्स्ट ने अपने पत्र में लिखा, हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि अंतरिम समिति प्रभावी ढंग से काम कर रही है और राष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रशासन के भीतर पारदर्शिता और स्थिरता बहाल करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा, विश्व मुक्केबाजी भारतीय मुक्केबाजी में विकास पर बारीकी से नजर रखती है और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों की निरंतर भागीदारी और पदक के रूप में उनकी लगातार सफलता से उत्साहित है। ये उपलब्धियां आपके नेतृत्व में किए जा रहे ढांचागत और सकारात्मक प्रयासों का प्रतिबिंब हैं।वान डेर वोर्स्ट ने कहा, आगामी घरेलू और महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं को देखते हुए अंतरिम समिति से अनुरोध है कि वह सभी स्तरों पर भारतीय खिलाड़ियों की निर्बाध भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बीएफआई के मामलों का प्रबंधन जारी रखे। भारतीय मुक्केबाजों ने कजाकिस्तान के अस्ताना में रविवार को संपन्न हुए विश्व मुक्केबाजी कप में तीन स्वर्ण और पांच रजत सहित कुल 11 पदक जीते।

कोहली के भतीजे और सहवाग के बेटे बीच होगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र में दो हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली और वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग का जलवा देखने को मिल सकता है। इन दोनों को रविवार को हुई नीलामी के दौरान अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों ने खरीदा। उभरते हुए लेग-स्पिनर आर्यवीर कोहली विराट के बड़े भाई विकास के बेटे हैं जिन्हें साउथ दिल्ली सुपरस्टारज ने खरीदा। इस टीम में लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में शुमार लेग-स्पिनर दिग्वेश राठी (38 लाख रुपये) भी शामिल हैं। इस लीग के शुरुआती सत्र में किसी टीम से बोली हासिल करने में नाकाम रहे अंडर-19 बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपये में खरीदा। आर्यवीर के पिता वीरेंद्र सहवाग इस टूर्नामेंट के ब्रांड एमबेस्डर भी हैं। सहवाग ने कहा, 'मैं वास्तव में इस सत्र का इंतजार कर रहा हूं। यह खिलाड़ियों के लिए एक बड़े मंच पर खुद को साबित करने का शानदार अवसर है। उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता और सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय प्रशंसकों की नजर भी इस लीग पर है। यह लीग खिलाड़ियों को अपनी पहचान बनाने का मौका देती है। हमने पिछले साल कुछ अविश्वसनीय क्रिकेट देखा और मुझे यकीन है कि यह सत्र और भी रोमांचक होगा। लीग की नीलामी की सूची में 520 खिलाड़ी शामिल थे जिसमें से सिमरजीत सिंह (39 लाख रुपए में सेंट्रल दिल्ली किंग्स) सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। नितीश राणा (34 लाख रुपए में वेस्ट दिल्ली लायंस) और प्रिंस यादव (33 लाख रुपये में न्यू दिल्ली टाइगर्स) के लिए टीमों को बड़ी रकम खर्च करनी पड़ी।

लारा का 400 रन का रिकॉर्ड बचा, द. अफ्रीकी बल्लेबाज ने सम्मान में पहले घोषित की पारी

बुलावायो, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर ने कहा कि उन्होंने ब्रायन लारा के नाबाद 400 रन के रिकॉर्ड के करीब होने के बावजूद पारी घोषित करने का फैसला किया क्योंकि उनका मानना है कि वेस्टइंडीज के दिग्गज 'रिकॉर्ड बनाए रखने के हकदार हैं।

मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन नाबाद 367 रन की पारी खेली लेकिन टीम की पारी को 626 रन पर घोषित कर दिया जबकि वह लारा के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ 34 रन पीछे थे। मुल्डर ने दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, 'सबसे पहले मुझे लगा कि हमारे पास पर्याप्त रन हैं और हमें गेंदबाजी करने की जरूरत है। दूसरा, ब्रायन लारा एक दिग्गज हैं। उनके कद का व्यक्ति यह रिकॉर्ड बनाए रखने का हकदार है।

उन्होंने कहा, 'अगर मुझे दोबारा ऐसा करने का मौका मिला तो मैं बिल्कुल ऐसा की करूंगा। मैंने शुक्स (शुकरी कॉनराड) से बात की और उन्हें भी ऐसा ही लगा। ब्रायन लारा एक महान खिलाड़ी हैं और वह इस रिकॉर्ड को बनाए रखने के हकदार हैं। लारा टेस्ट पारी में 400 रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह स्कोर 2004 में एंटीग में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था।

उपलब्धि: हिमाचल के अविनाश जम्वाल ने विश्व मुक्केबाजी कप में देश को दिलाया रजत

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के अविनाश जम्वाल ने विश्व मुक्केबाजी कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता है। इससे पहले उन्होंने ब्राजील में भी इसी प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया था। अब कजाकिस्तान के अस्ताना में भी ताकत का लोहा मनवाया। कजाकिस्तान के अस्ताना में 30 जून से 7 जुलाई तक विश्व मुक्केबाजी कप हुआ। विभिन्न मुकाबलों में अविनाश ने पूर्व ओलंपियन और मेजबान खिलाड़ियों को मात दी। फाइनल मुकाबले में अविनाश का सामना ब्राजील के यूरी फाल्काओ से हुआ।

दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल और ताकत का प्रदर्शन किया। मुकाबला रोमांचक मोड़ तक पहुंचा। आखिरकार 2-3 के करीबी बाउट में अविनाश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हालांकि इससे पहले अविनाश ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अजरबैजान के पूर्व ओलंपियन मलिक हसनओव को हराया। हिमाचल प्रदेश बॉक्सिंग संघ के महासचिव एसके शांडिल ने कहा कि लगातार दूसरी बार विश्व स्तर पर सिल्वर मेडल जीतकर यह साबित कर दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में भारत की मजबूत उम्मीद बन चुके हैं।

मोनिका और शशि ने भी चमकाया नाम

अमेरिका में हुई वर्ल्ड पुलिस बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिमाचल की बेटियों ने भी देश के लिए सम्मान हासिल किया। शिमला के रामपुर की रहने वाली मोनिका ने अपने वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। किन्नौर की शशि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल पर कब्जा किया।

वोक्स का सर्वश्रेष्ठ बीत चुका है, क्रॉली में सीखने की क्षमता नहीं, दूसरे टेस्ट में हार के बाद भड़के पूर्व कप्तान

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने क्रिस वोक्स और जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैच में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय भी चुका है जबकि सलामी बल्लेबाज में अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है।

बॉयकॉट ने अपने कॉलम में लिखा, 'जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है।

पृथ्वी शॉ महाराष्ट्र के साथ नई शुरूआत करेंगे, 2025–26 सत्र से पहले टीम से जुड़े

मुंबई । भारतीय बल्लेबाज और मुंबई के पूर्व खिलाड़ी पृथ्वी शॉ आगामी घरेलू सत्र के लिए महाराष्ट्र की टीम के साथ जुड़ गए। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने इसकी घोषणा की। शॉ ने किसी और राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए पिछले महीने मुंबई क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र की मांग की थी, जिस पर उसकी संचालन समिति ने मुहर लगा दी थी। शॉ को खराब फिटनेस और अनुशासन संबंधी मुद्दों के कारण मुंबई की लाल गेंद टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने मुंबई के लिए अपना पिछला मैच मध्य प्रदेश के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के आक्रामक बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आधिकारिक तौर पर मुंबई क्रिकेट संघ से अलग हो गए हैं और वह आगामी घरेलू सत्र में महाराष्ट्र क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जोफ्रा आर्चर खिलाना ही होगा, यह बहुत महत्वपूर्ण मैच है

लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट से पहले बोले एंडरसन

लंदन (यूके), एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड को भारत के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के आगामी तीसरे टेस्ट में अनुभवी खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर को खिलाना चाहिए, जो गुरुवार 10 जुलाई से प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। आर्चर ने चार साल से अधिक समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में बर्मिंघम में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल होने से पहले ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी स्तर पर लाल गेंद से वापसी की।

इंग्लैंड को एजबेस्टन में भारत के खिलाफ 336 रनों से हार का सामना करना पड़ा जिससे पांच मैचों की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई है। एंडरसन का मानना है कि आर्चर को गुरुवार को लॉर्ड्स में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में खेलना चाहिए। एंडरसन ने आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से कहा, आप उनके ओवरों को बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं और उन्हें श्रृंखला में बाद में खिला सकते हैं, लेकिन तब तक बहुत देर हो सकती है। मुझे लगता है कि वह खेलेंगे। उन्होंने ससेक्स के लिए एक मैच खेला; वह एजबेस्टन में टीम के साथ थे और थोड़ी गेंदबाजी भी की। मुझे लगता है कि आपको उन्हें खिलाना ही होगा। यह बहुत महत्वपूर्ण मैच है।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम आर्चर की वापसी की गारंटी देने से चूक गए, लेकिन उन्होंने कहा कि दाएं हाथ का यह लंबा गेंदबाज फिट है और चयन के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा, %जोफ्रा फिट दिख रहे हैं, वे मजबूत दिख रहे हैं, वे खेलने के लिए तैयार दिख रहे हैं और वे सभी की नजर में आएंगे। यह बेहद रोमांचक है। वे भी उत्साहित हैं। वे अपनी चोटों और टेस्ट क्रिकेट से बाहर रहने के दौर से गुजरे हैं। हम सभी जानते हैं कि वे टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं और हमें उम्मीद है कि जब उन्हें मौका मिलेगा, तो वे अपनी पुरानी उपलब्धियों को फिर से हासिल कर पाएंगे और खेल के उस रूप में जो उन्होंने पहले से किया है, उसमें सुधार भी कर पाएंगे।

आर्चर का संभावित समावेश ही एकमात्र बदलाव नहीं है जिस पर इंग्लैंड लॉर्ड्स टेस्ट के लिए अपने लाइन-अप पर विचार कर रहा है, साथी तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और बैक-अप बल्लेबाज जैकब बेथेल भी क्रिकेट के घर में होने वाले इस महत्वपूर्ण मुकाबले की दौड़ में हैं। बेथेल ने अपने नाम केवल तीन टेस्ट मैच किए हैं, जिसमें उनका सबसे हालिया मैच पिछले साल के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ था, जबकि एटकिंसन ने मई में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है।

बेथेल के शामिल होने से इंग्लैंड को एक और मौका मिलेगा। एक और स्पिन विकल्प के साथ मैकुलम ने कहा कि वह पहली पसंद के स्पिनर शोएब बशीर की जगह ङ्खद्ध में नहीं लेंगे। मैकुलम ने बेथेल के बारे में कहा, वह एक बल्लेबाजी विकल्प है। अगर कुछ होता है तो वह अगला खिलाड़ी है। वह अपनी गेंदबाजी में सुधार करना चाहता है ताकि वह स्पष्ट रूप से बल्ले और गेंद दोनों से खेल को प्रभावित कर सके। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे हम सामरिक दृष्टिकोण से करने पर विचार करेंगे।

तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

क्रिकेट के किंग का टेनिस के ग्लैडिएटर को सलाम, विंबलडन में जोकोविच का खेल देख हैरान रह गए कोहली

लंदन (यूके), एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और किंग के नाम से मशहूर विराट कोहली भी सोमवार को नोवाक जोकोविच और एलेक्स डि मिनोर के बीच मुकाबला देखने पहुंचे। इस दौरान कोहली के साथ उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी नजर आईं। जोकोविच ने यह मैच 1-6, 6-4, 6-4, 6-4 से जीता और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सर्बिया का यह दिग्गज खिलाड़ी 63वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में खेलेंगे। जोकोविच का खेल देखकर विराट कोहली हैरान रह गए। मैच के बाद कोहली ने

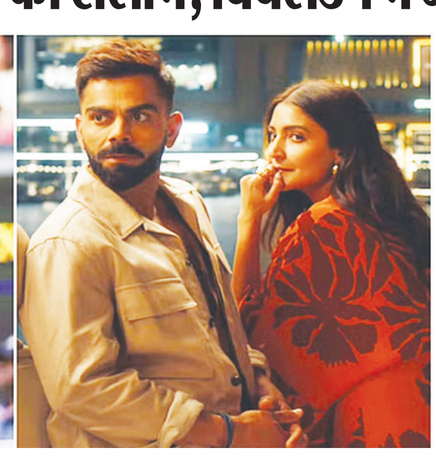

इंस्टाग्राम स्टोरी में जोकोविच की तारीफ भी की। किंग कोहली ने लिखा, क्या मैच था! यह हमेशा की तरह ग्लैडिएटर (जोकोविच) के लिए एक आम बात थी। कोहली ने जो तस्वीर साझा की है, उसमें जोकोविच सर्व करते नजर आ रहे हैं।

कोहली इन दिनों पत्नी अनुष्का के साथ लंदन में हैं। हालांकि, वह अब तक इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम का मैच देखने नहीं पहुंचे हैं। कोहली ने एजबेस्टन में टीम इंडिया की जीत के बाद जरूर तारीफ की थी और जीत को ऐतिहासिक बताया था। अब भी तीन टेस्ट बाकी हैं। कोहली से 10 जुलाई से लंदन के लॉर्ड्स में शुरू हो रहे टेस्ट में पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। कोहली ने हाल ही में टेस्ट से संन्यास लिया था। अब वह टीम इंडिया के लिए सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है।कोहली के अलावा सात बार के विंबलडन चैंपियन जोकोविच का मुकाबला देखने के लिए आठ बार के विंबलडन चैंपियन रोजर फेडरर भी रॉयल बॉक्स में मौजूद थे। छठे वरीय जोकोविच पर 2016 से विंबलडन में सबसे जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन उन्होंने खराब शुरुआत से उबरकर डि मिनोर को 1-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पिता और भाई की मौत से टूट गए थे आकाश दीप, बड़ी बहन के योगदान ने बनाया मैच विजेता क्रिकेटर

कोलकाता, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच के भारतीय नायक आकाश दीप के क्रिकेटर बनने में उनकी बहन अखंड ज्योति का बड़ा योगदान रहा है जो खुद अब कोलोन कैंसर के तीसरे चरण से जूझ रही हैं। आकाश दीप ने 2015 में छह महीने के अंतराल में अपने पिता रामजी सिंह और अपने सबसे बड़े भाई को खो दिया था तब उनके क्रिकेट करियर पर संकट छा गया था। निराशा के उस क्षण में अखंड ज्योति ने अपने सबसे छोटे भाई के सपने को पूरा करने के लिए लगातार प्रेरित किया। उस समय उनकी बहन ने कहा था, इसी फील्ड (क्षेत्र) में आगे बढ़े।

इस वाक्ये के कई साल के बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट लेकर भारत की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन को मैच के बाद भावुक होकर अपनी बहन को समर्पित किया। आकाश दीप ने मैच की पहली पारी में 88 रन देकर चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 99 रन देकर छह विकेट लेकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन से भारत ने 336 रन की जीत के साथ पांच मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया।

आकाश दीप के इस प्रदर्शन के पीछे एक भावुक कहानी छिपी है। अखंड ज्योति 14 मई को कोलन कैंसर की सर्जरी करवाने के बाद अब कीमोथेरेपी पर हैं। ज्योति के पति नितेश कुमार सिंह सेना से रिटायर हैं और अब बैंक में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया, यह पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है। पिता की मृत्यु के बाद आकाश दिल्ली में क्लब क्रिकेट खेल रहे थे लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिल रही थी। यह ज्योति ही थीं जिन्होंने उनसे कहा, इसे गंभीरता से लो। अगर जरूरत पड़े तो कहीं और जाओ और इस सपने को पूरा करो।

उन्होंने कहा, वह 2017 में कोलकाता चले गए और फिर बंगाल अंडर-23 के लिए चुने गए। उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। यहीं से उनकी जिंदगी शुरू हुई। परिवार ने आर्थिक तंगी के बावजूद कभी आकाश दीप

पर भरोसा करना कम नहीं किया। ज्योति आकाश दीप से 10 साल बड़ी है। पिता तथा भाई की मौत के बाद आकाश का अपनी बहन के साथ रिश्ता और भी गहरा हो गया। नितेश ने कहा, वे सब कुछ साझा करते हैं। बात चाहे कोई फैसला लेने की हो, चुटकुले हो या ताने मारना हो। वे हमेशा एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

कीमोथेरेपी के दौरान भी अखंड ज्योति ने सुनिश्चित किया कि उसका भाई खेल पर ध्यान केंद्रित रखे। इंग्लैंड दौरे से पहले परिवार आकाश को छोड़ने के लिए हवाई अड्डे गया जहां उसकी बहन ने उससे कहा कि वह उसके स्वास्थ्य के बारे में चिंता न करे और देश के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने बताया कि वह हर दिन अपने भाई से बात करती है। सिंह ने कहा, 'मैच खत्म होने के तुरंत बाद आकाश दीप का फोन आया और उन्होंने उससे वीडियो कॉल पर बात की। हम कल रात लगभग दो बजे सोए। नितेश ने कहा कि जब भी आकाश विकेट लेता है तो ज्योति को बहुत खुशी होती है और परिवार इतनी जोर से ताली बजाता है और खुशी मनाता है कि उनके पड़ोसी भी पूछते हैं कि क्या हुआ है।

आकाश दीप ने अपनी बहन के साथ अपने पैतृक गांव और जिले को भी खुशी मनाने का मौका दिया। उन्होंने अपने चचेरे भाई बैभव कुमार के साथ सासाराम में आकाश बैभव क्रिकेट अकादमी की स्थापना की। इस अकादमी में अभी 200 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण लेते है। बैभव ने कहा, इतने सारे संघर्षों को देखने के बाद आकाश हमेशा समाज को कुछ वापस देना चाहता था। हमारी अकादमी में सभी सुविधाएं (बॉलिंग मशीन, फ्लडलाइट्स, नेट) हैं। हम बहुत कम कीमत पर यह सुविधाएं मुहैया कराते है ताकि मध्यम और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चों को भी अपने सपने को साकार करने का मौका मिले। उनके गांव बद्दी में मैच के बाद से जश्न जारी है। बैभव ने कहा, हम नाच रहे हैं, मिठाइयां बांट रहे हैं। यह यहां बहुत से लोगों को प्रेरित करेगा।

कमरे में मिली लड़की-लड़के की लाशें, परिवारों में था विवाद

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के द्वारका के नजफगढ़ नागली इलाके में रविवार देर शाम एक कमरे में एक 16 साल के लड़के और लड़की की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने दोनों लाशों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भिजवा दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। बताया जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते थे। इसको लेकर पहले भी दोनों परिवारों के बीच विवाद हो चुका था। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले को प्रथम दृष्टया आत्महत्या मान रही है। हालांकि बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया था, लेकिन प्रेम संबंध जारी रहे। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। मृतक लड़के के परिजनों का आरोप है कि समझौते के दौरान लड़की के चाचा ने उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दी थी। उनका कहना है कि लड़की पक्ष के लोगों ने साजिश के तहत लड़के को घर बुलाया और दोनों की हत्या कर दी। हालांकि लड़की के परिवार की ओर से इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मामले की गहन जांच जारी है। वहीं न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके में अपने दोस्त का जन्मदिन मनाने के लिए एक नाबालिग समेत पांच बदमाशों ने मिलकर एक युवक को लूट लिया। आरोपी उसका मोबाइल फोन और थैला लूट कर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने पीड़ित की? शिकायत पर केस दर्ज कर नाबालिग समेत पांच आरोपियों को पकड़ लिया है। बालिग आरोपियों की पहचान देव उर्फ दीपक, प्रिंस कुमार, मानव और दीपक के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने दीपक का जन्मदिन मनाने के लिए लूट की वारदात को अंजाम दिया था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ऐश्वर्या शर्मा ने बताया कि गत पांच जुलाई की देर रात सीवी रमन मार्ग पर रॉयस होटल के पास लूट के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली। शिकायतकर्ता शंकर राय ने पुलिस को बताया कि रात करीब 11:30 बजे कुछ लोगों ने उन पर हमला किया और उसका मोबाइल फोन और थैला लूटकर भाग गए। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर वारदातस्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। टीम ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें दबोच लिया।

दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के वकील को कोर्ट की चेतावनी, अब 18 को होगी आरोप पर सुनवाई

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ आरोपों पर बहस स्थगित कर दी। उनके वकील ने स्थगन की मांग की थी। कोर्ट ने भविष्य में सावधानी बरतने की चेतावनी भी दी।अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया 23 जनवरी, 2020 को अपने एक्स हैंडल से दिल्ली विधानसभा चुनाव से संबंधित आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट करने के आरोप में कपिल मिश्रा के खिलाफ एक मामले की सुनवाई कर रहे थे। कोर्ट ने कहा कि वकील हिमांशु सेठी की ओर से स्थगन की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि वरिष्ठ वकील पवन नारंग (मिश्रा के वकील) अपनी व्यक्तिगत कठिनाई के कारण सुनवाई में उपस्थित नहीं हो सके। कोर्ट ने भविष्य में सावधानी बरतने की चेतावनी के साथ स्थगन की अनुमति दे दी। आरोप पर आगे की बहस के लिए 18 जुलाई को तारीख तय की गई है। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने संबंधित एसीपी की दलीलों पर गौर करते हुए एक अतिरिक्त पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। उन्होंने कहा है कि सभी मामलों में जांच पूरी हो चुकी है। कोर्ट ने कहा कि अतिरिक्त पूरक आरोपपत्र के साथ ट्विटर (अब एक्स) की ओर से जवाब दाखिल किया गया है। अन्य दस्तावेज भी दाखिल किए गए हैं। आरोप पर लिखित दलीलें दाखिल की गई हैं। कोर्ट ने कपिल मिश्रा के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम की धारा 125 (चुनाव के संबंध में वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत अपराध का संज्ञान लिया। 7 मार्च को एक विशेष अदालत ने मिश्रा की याचिका को खारिज कर दिया था। इसमें उन्होंने आपत्तिजनक बयान देने और 2020 में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए समन जारी करने का विरोध किया था। कोर्ट ने कहा कि भारत के चुनाव आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि वह उम्मीदवारों को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए माहौल को दूषित करने और दंड से मुक्त होकर कटु आलोचना करने से रोके।

दिल्ली में मुफ्त बस सफर के लिए बैंक से मिलेगा सहेली स्मार्ट कार्ड

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में महिलाओं को मुफ्त बस सफर की सुविधा मिलती रहेगी पर इसका तरीका पूरी तरह बदलने जा रहा है। रेखा गुप्ता सरकार आम आदमी पार्टी सरकार के दौर से लागू पिंक टिकट को बंद करके सहेली स्मार्ट कार्ड की योजना लागू करने जा रही है। 12 साल से अधिक उम्र की सभी लड़कियों-महिलाओं और ट्रांसजेंडर को मुफ्त बस सफर का लाभ मिलेगा। स्मार्ट कार्ड नाम और फोटोयुक्त होगा। एक अधिकारी ने बताया कि स्मार्ट कार्ड नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के तहत यह स्मार्ड कार्ड जारी किया जाएगा। इससे डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त यात्रा की जा सकेगी और परिवहन के अन्य साधनों का उपयोग करने के लिए रिचार्ज और टॉप-अप की जरूरत पड़ेगी। अधिकारी ने बताया कि सहेली स्मार्ट कार्ड प्राप्त करने के लिए आवेदक महिला/ट्रांसजेंडर को दिल्ली का निवासी होना चाहिए। आयु 12 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। दिल्ली के पते का वैध प्रमाण होना चाहिए। डीटीसी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। बैंक का चयन करना होगा और चुनी गई बैंक शाखा में पूर्ण केवाईसी सत्यापन पूरा करना होगा।

अधिकारी ने बताया कि केवाईसी पूरी हो जाने के बाद बैंक आवेदक के पंजीकृत पते पर यह स्मार्ट कार्ड भेज देगा। उन्होंने आवश्यक दस्तावेजों के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि स्मार्ट कार्ड प्राप्त करने के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, दिल्ली में निवास का प्रमाण, पासपोर्ट आकार की फोटो और बैंक-विशिष्ट केवाईसी मानदंडों के तहत अन्य दस्तावेजों की आवश्यकता होगी।

अधिकारी ने बताया कि सरकार यात्रियों से यात्रा के लिए कोई शुल्क नहीं लेगी, लेकिन जारीकर्ता बैंक अपनी नीतियों के

अनुसार मामूली कार्ड जारी करने या रखरखाव शुल्क लगा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कार्ड खो जाने की स्थिति में उपयोगकर्ताओं को इसकी सूचना जारीकर्ता बैंक को देनी होगी, जो अपनी शर्तों के अनुसार इसके बदले दूसरा कार्ड उपलब्ध करा सकते हैं।उपयोग से पहले कार्ड को डीटीसी के ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम (एएफसीएस) के माध्यम से सक्रिय करना होगा। यद्यपि टॉप-अप के बाद कार्ड का उपयोग परिवहन की अन्य सुविधाओं पर भी किया जा सकता है, लेकिन इस योजना के तहत मुफ्त यात्रा का लाभ डीटीसी और क्लस्टर बसों तक ही सीमित है। अधिकारी ने कहा, डीटीसी द्वारा कोई भी कार्ड सीधे जारी नहीं किया जाएगा। पंजीकरण डीटीसी पोर्टल के माध्यम से पूरी तरह से ऑनलाइन होगा और कार्ड चयनित बैंक द्वारा पूर्ण केवाईसी सत्यापन के बाद ही जारी किए जाएंगे।

दिल्ली-नोएडा रूट पर 15 दिन रहेगी दिक्कत! चिल्ला बॉर्डर से ओखला पक्षी विहार तक बंद रहेगा रास्ता

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-नोएडा रूट पर यात्रा करने वालों को 15 दिन दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। कांवड़ यात्रा को देखते हुए दिल्ली-नोएडा को जोड़ने वाले चिल्ला बॉर्डर से ओखला पक्षी विहार तक का रास्ता वाहनों के लिए पूरी तरह बंद रहेगा। चिल्ला बॉर्डर पर ट्रैफिक रोक-रोककर कांवड़ियों को सड़क पार कराई जाएगी। इसके अलावा कालिंदी कुंज रास्ते पर दिल्ली से आने वाली एक लेन को भी वाहनों के लिए बंद रखा जाएगा। यह बदलाव 11 जुलाई के आसपास से शुरू होगा जो कि 25 जुलाई तक लाग रहेगा।

वैसे तो सावन 11 जुलाई से शुरू हो रहा है, लेकिन नोएडा में कांवड़िये 15 जुलाई के आसपास ही आने शुरू हो होंगे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कांवड़ियों की संख्या बढ़ते ही डायवर्जन की योजना लागू कर दी जाएगी।

डीसीपी ट्रैफिक लखन यादव ने बताया कि काफी संख्या में कांवड़िये नोएडा होकर दिल्ली, यूपी के मथुरा, आगरा, हरियाणा के फरीदाबाद, बल्लभगढ़, पलवल आदि की ओर जाते हैं। इसके अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश के कांवड़िये भी नोएडा से होकर जाते हैं। कांवड़िये नोएडा में चिल्ला बॉर्डर के जरिए प्रवेश करते हैं। इसके बाद ओखला पक्षी विहार होते हुए कालिंदी कुंज से अलग-अलग स्थानों को चले जाते हैं। कांवड़ियों के सुरक्षित आवागमन को देखते हुए यह रास्ता वाहनों के लिए प्रतिबंधित रखा जाएगा।

डीसीपी ने बताया कि चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी, कालिंदी कुंज, परी चौक, अलीगढ़, बुलंदशहर आदि स्थानों से मालवाहक वाहन नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे होकर दिल्ली, मेरठ एक्सप्रेसवे होकर गंतव्य को जाते हैं। अब 11 जुलाई से वाहनों को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से ईस्टर्न पेरिफेरल होकर भेजा जाएगा।

इस बार सावन की शुरुआत 11 जुलाई से हो रही है। नोएडा शहर के मंदिरों में साफ-सफाई, सजावट और विशेष पूजा-अर्चना की तैयारियां शुरू हो गई है। इस बार सावन में चार सोमवार का संयोग बन रहा है। सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, वोडा महादेव मंदिर और सेक्टर-44 स्थित शिव शक्ति मंदिर और सेक्टर-20 श्रीहनुमान मंदिर के साथ-साथ सभी मंदिरों में खास इंतजाम किए जा रहे हैं। श्रीहनुमान मंदिर के महासचिव संदीप पोरवाल ने बताया कि 8 जुलाई को मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

इसमें तैयारियां को लेकर चर्चा की जाएगी। सेक्टर-19 सनातन धर्म मंदिर के पुजारी हरेंद्र नाथ दुबे से बताया कि इस साल पावन सावन माह 11 जुलाई से शुरू होकर नौ अगस्त तक है। पंडित प्रकाश जोशी के अनुसार सावन के पहले ही दिन शिववास योग बन रहा है। इसे अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि इस योग में भोलेनाथ का जलाभिषेक करने से साधक को मनचाहा वरदान प्राप्त होता है।

दिल्ली में रेलवे स्टेशनों से नीले-काले बैग ही क्यों हो रहे थे चोरी, बचने का था गजब तरीका

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में रेलवे स्टेशनों से नीले और काले बैग चोरी हो रहे थे। आखिर इन दो रंगे के बैग ही क्यों और कैसे चोरी हो रहे थे। यह दिल्ली पुलिस के लिए भी बड़ी पहेली बनी हुई थी, जिसे अब सुलझा लिया गया है। पुलिस ने चार चारों को गिरफ्तार करने के बाद यह खुलासा किया है। खुद को कपड़ा व्यापारी दिखाते हुए चोर बड़ी चालाकी से यात्रियों के नीले-काले बैग चोरी करते थे। तरीका ऐसा अपनाया था कि सीसीटीवी से भी बच जाएं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अमित कुमार (37), करण कुमार (27), गौरव (33) और पुनीत महतो (38) को गिरफ्तार किया गया है जो ट्रेन में चढ़ते और उतरते हुए यात्रियों के बैग चोरी करते थे। भीड़भाड़ के समय ये स्टेशनों से नीले और काले बैग चुरा लेते थे और सीसीटीवी से बचने के लिए चोरी किए गए बैग को उसी रंग के अन्य बैग से बदल देते थे। गैंग की चोरी के खिलाफ आखिरी शिकायत 3 जुलाई को मिली थी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शिकायत मिली की श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के-1 कोच से पांच बैग गायब हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई और जांच शुरू की गई।

अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल करते हुए पुलिस टीम पहाड़गंज के एक होटल तक पहुंची। यहां छापेमारी में अमित, करण और गौरव को गिरफ्तार किया गया। सभी बिहार के रहने वाले हैं। पुनीत को बाद में आनंद विहार रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। खुद को कपड़ा व्यापारी बताते हुए गैंग के सदस्य रेलवे स्टेशनों के नजदीक होटल में रहते थे। वे अपने साथ कई खाली काले और नीले बैग रखते थे और इनकी मदद से वारदात को अंजाम देते थे। चोरी के बाद वे सामान उसी रंग के दूसरे बैग में रख लेते थे ताकि पकड़े जाने का जोखिम कम हो जाए।

दिल्ली के व्यापारियों के लिए गुड न्यूज! रेखा गुप्ता सरकार जल्द लाएगी एकमुश्त कर माफी योजना

नईदिल्ली, एजेंसी। व्यापारियों के लिए एक राहत भरी गुड न्यूज है। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार जीएसटी से पहले एक्साइज, सर्विस और वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) विवादों के जल्द निपटारे के लिए एकमुश्त कर माफी योजना लाने जा रही है। दिल्ली सरकार के इस कदम से राजधानी में 10-15 हजार करोड़ रुपये के लंबित वैट विवादों का निपटारा होगा। आधिकारिक सूत्रों की मानें तो व्यापार एवं कर विभाग ने इस एकमुश्त कर माफी योजना का कैबिनेट प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है। ज्ञात हो कि दिल्ली समेत पूरे देश में जुलाई 2017 में जीएसटी लागू किया गया था। दिल्ली सरकार उससे पहले वैट के रूप में इन डायरेक्ट टैक्स की वसूली करती थी। जीएसटी लागू होने के बाद से पुराने टैक्स के मामले तब से लंबित चले आ रहे हैं।

औलादों के मामले में भी अरबपति निकले एलन मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी।
दुनिया के सबसे अमीर शख्सियतों में से एक अरबपति बिज़नेसमैन एलन मस्क ने हाल ही में अपनी नई राजनीतिक पार्टी अमेरिका पार्टी के गठन का ऐलान किया है। उन्होंने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ङ्क) पर दी। मस्क का कहना है कि 66त्न लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। इन सबके बीच मस्क सिर्फ दौलत को लेकर ही नहीं बल्कि औलादों के मामले में अरबपति निकले हैं और 14 बच्चों के विशाल परिवार को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं।

दिलचस्प बात यह है कि एलन मस्क सिर्फ पैसों के मामले में ही दौलतमंद नहीं हैं बल्कि उनके पास बच्चों से भरा पूरा परिवार है। एलन मस्क के एक-दो नहीं बल्कि पूरे 14 बच्चे हैं जिसकी वजह से वह अपनी निजी ज़िंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बने रहते हैं। बीते 28 फरवरी 2025 को एलन मस्क की पार्टनर और

न्यूरालिंक की एक्जीक्यूटिव शिवोन जिलिस ने घोषणा की कि उन्होंने अपने चौथे बच्चे का स्वागत किया है। इस बच्चे का नाम सेल्डन लाइकगर्स है और यह एलन मस्क की 14वीं संतान है। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क अपने कारनामों के अलावा अपनी निजी ज़िंदगी को लेकर भी चर्चा में बने रहते हैं। मस्क कुल 14 बच्चों के पिता हैं जोकि उनको अलग-अलग रिश्तों से हुए हैं।

एलन मस्क ने हमेशा से वैश्विक जनसंख्या में कमी के बारे में अपनी चिंता जताई है और ज़्यादा बच्चों को जन्म देने की बात कही है। उनका कहना है कि ज़्यादा दिमाग वाले लोगों को जनसंख्या संकट से निपटने के लिए ज़्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए।

एलन मस्क की पहली शादी कनाडाई लेखिका जस्टिन विल्सन से साल 2000 में हुई थी। शादी के आठ साल बाद दोनों अलग हो गए। साल 2002 में जस्टिन ने नेवादा एलेक्जेंडर को जन्म दिया था, लेकिन शिशु मृत्यु सिंड्रोम की वजह से सिर्फ 10 हफ्ते में ही उस बच्चे की मौत हो गई थी। इसके बाद साल 2004 से 2006 के बीच मस्क और जस्टिन ने पांच बच्चों को जन्म दिया जिनमें से दो जुड़वाँ हुए थे और बाकी तीन एकसाथ हुए थे। एलन मस्क की दूसरी शादी ब्रिटिश अभिनेत्री तलुलाह रिले से हुई थी। हालांकि इस दूसरी शादी से कोई बच्चा नहीं हुआ।

तीसरा रिश्ता (ग्रिम्स): मस्क का तीसरा रिश्ता संगीतकार ग्रिम्स के साथ रहा था। इनके तीन बच्चे हैं और उनके नाम काफी अलग हैं। शिवोन जिलिस के साथ बच्चे- मस्क के अन्य हाई-प्रोफाइल रिश्तों से उलट शिवोन जिलिस के साथ उन्होंने अपने संबंधों को लंबे समय तक छिपाकर रखा था। 28 फरवरी को जिलिस ने अपने चौथे बच्चे की पुष्टि की थी जिससे एलन मस्क के कुल बच्चों की संख्या 14 हो गई है।

अमेरिका में रह रहे 80,000 होंडुरास और निकारागुआ नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा खत्म

वाशिंगटन, एजेंसी।
ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में रह रहे करीब 80,000 होंडुरास और निकारागुआ नागरिकों की अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीएसपी) सुरक्षा खत्म करने का फैसला किया है। यह लोग 1998 में आए विनाशकारी तूफान मिच के बाद से अमेरिका में रह रहे थे और 25 वर्षों से उन्हें काम करने और देश में रहने की अनुमति मिली हुई थी। मामले में अब ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इन देशों की स्थिति पहले से बेहतर हो गई है, इसलिए इन्हें अब अपने देश लौट जाना चाहिए। यह फैसला अमेरिका की आव्रजन सख्ती नीति का हिस्सा है, जिसके तहत ट्रंप प्रशासन अधिक से अधिक लोगों को निर्वासन (डिपोर्ट) के योग्य बना रहा है।

टीपीएस यानी टेम्पररी प्रोटेक्टेड स्टेटस एक अस्थायी सुरक्षा होती है जो अमेरिका में कुछ देशों के नागरिकों को दी जाती है, यदि उनके देश में युद्ध, आपदा या अन्य गंभीर संकट हो। यह सुरक्षा डिपोर्ट से बचाव और काम करने की अनुमति देती है, लेकिन नागरिकता का रास्ता नहीं देती। अब बात अगर ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से प्रभावित होने वाले लोगों की करें तो इससे 72,000 होंडुरास और 4,000 निकारागुआ नागरिकों को यह सुरक्षा मिली हुई थी। टीपीएस एलायंस का कहना है कि कई लोग अब वैध निवास पा चुके हैं, इसलिए करीब 40,000 होंडुरास नागरिक सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। सुरक्षा की अवधि 5 जुलाई को समाप्त हो चुकी है और अब 60 दिनों के भीतर यह पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

इजराइल ने ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया, नेतन्याहू बोले- आप इसके हकदार

पाकिस्तान पहले नॉमिनेट कर चुका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। नेतन्याहू ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात के दौरान इसकी जानकारी दी।

नेतन्याहू ने कहा, मैं आपको वह लेटर दिखाना चाहता हूं जो मैंने नोबेल पुरस्कार कमेटी को भेजा है। इसमें आपको शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। आप इसके हकदार हैं। आपको यह मिलना चाहिए। नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने यह फैसला मिडिल ईस्ट में शांति के लिए ट्रम्प की तरफ से की जा रही कोशिशों के मद्देनजर किया है। इजराइल से पहले पाकिस्तान ने 20 जून को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रम्प के नाम की सिफारिश की थी।

इससे पहले ट्रम्प भी कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने कई देशों के बीच जंग रुकवाई और उन्हें नोबेल मिलना चाहिए। उन्होंने 22 जून को कहा था, मुझे नोबेल शांति पुरस्कार 4-5 बार मिलना चाहिए था। लेकिन वे मुझे ये पुरस्कार नहीं देंगे क्योंकि वे इसे केवल लिबरल्स को देते हैं।

ट्रम्प ने दोहराया- भारत-पाक समेत कई देशों के विवाद निपटाए राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार को फिर से दावा किया कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बहुत बड़ी लड़ाई को रोक दिया। इसके साथ ही उन्होंने कोसोवो-सर्बिया और रवांडा-कांगो के बीच संघर्ष रोकने का दावा किया। ट्रम्प ने कहा- हमने कई झगड़े रोके, जिनमें भारत और पाकिस्तान का बहुत बड़ा विवाद शामिल था। हमने दोनों देशों से कहा कि अगर आप आपस में लड़ेंगे, तो हम आपके साथ कोई व्यापारिक संबंध नहीं रखेंगे। वे शायद परमाणु युद्ध के स्तर पर थे। इसे रोकना बहुत जरूरी था।

पाकिस्तान आर्मी चीफ ने कहा था- ट्रम्प ने भारत-पाक संघर्ष रुकवाया पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने 18 जून को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी। यह मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर

ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था।

इसके दो दिन बाद पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई। पाकिस्तान ने कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की।

सितंबर में शुरू होगा नोबेल प्राइज के लिए नॉमिनेशन नोबेल प्राइज 2026 के लिए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन सितंबर में शुरू किए जाएंगे। हालांकि, अभी अंतिम तारिख का ऐलान नहीं किया गया है। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 31 जनवरी थी। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 338 नॉमिनेशन किए गए। इनमें से 244 व्यक्ति और 94 संगठन थे। 2023 में इस पुरस्कार के 286 उम्मीदवार नामांकित थे। 2016 में सबसे अधिक 376 नॉमिनेशन हुए थे। नोबेल प्राइज वेबसाइट के मुताबिक उनकी ओर से किसी भी फील्ड में नोबेल के लिए नॉमिनेट होने वाले लोगों के नाम अगले 50 साल तक उजागर नहीं किए जाते हैं।

भारतीय मजदूर संघ रहेगी हड़ताल से दूर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कुछ ट्रेड यूनियन द्वारा 9 जुलाई को लेबर कोड को लेकर देशव्यापी हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है। भारतीय मजदूर संघ इस हड़ताल में शामिल नहीं है । भारत सरकार ने देश में प्रभावी 29 श्रम कानून के स्थान पर चार नए लेबर कोड वर्ष 2019 एवं 2020 के दौरान किया है । इसके अंतर्गत 29 श्रम कानून को चार नवीन श्रम कोड में सम्मिलित कर इसका नामांकरण किया है। भारतीय मजदूर संघ दो लेबर कोड, कोड एंड वेजेज 2019 तथा कोड एंड सोशल सिक्योरिटी 2020 का स्वागत किया है। यह एक ऐतिहासिक कोड है, जिसमें पहली बार सेंट्रल गवर्नमेंट के स्तर पर फ्लोर लेबल मिनिमम वेज करने तथा राज्य सरकार को इसके बराबर तथा इससे अधिक न्यूनतम वेतन राज्य में तय करने का अधिकार दिया गया है' इस कोड के तहत न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी प्रत्येक 5 साल में हो सकेगी यह भी उल्लेखित है पहले अधिसूचित रोजगार में कार्यरत मजदूर ही केवल न्यूनतम वेतन का हकदार होता था अब इसे बदल दिया गया है कोई भी मजदूर जो 8 घंटे कहीं भी कार्य करेगा। न्यूनतम वेतन पाने का हकदार होगा। बीएमएस से संबद्ध बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ के महामंत्री विनोद कुमार ने जारी विज्ञप्ति में कहा है कि विगत दिनों में सरकार ने सभी अलग अलग श्रमिक संगठनों और मालिकों के साथ चर्चा भी की है, परन्तु यह पर्याप्त नहीं है। इस विषय में सरकार को और भी गंभीर होकर अतिशीघ्र सभी पक्षों से चर्चा कर दो कोड में संशोधन करने की आवश्यकता है।

आम हड़ताल में भागीदारी सुनिश्चित करेंगे बीमा कर्मचारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। केंद्रीय श्रम संगठनों के संयुक्त राष्ट्रीय आह्वान पर बुधवार 09 जुलाई को केंद्र - राज्य सरकार के कर्मचारी, बैंक-बीमा, पोस्ट ऑफिस, बी एस एन एल,आयकर विभाग, सेंट्रल एक्साइज, गोदी, बंदरगाह व अन्य सार्वजनिक व निजी क्षेत्र में का करने वाले कामगार हड़ताल में शामिल हो रहे हैं। आल इंडिया इन्शोरेन्स एम्पलाईज एसोसिएशन के आह्वान पर जीवन बीमा और साधारण बीमा कंपनियों में का करने वाले बीमा कर्मचारी भी सत्तारूढ़ मोदी सरकार की जनविरोधी व मजदूर किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ 21 सूत्रीय मांगों के समर्थन में होने वाली आम हड़ताल को सफल बनाने को अपने कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन कर संयुक्त तौर पर ट्रेड यूनियनों की ओर से निकाली जाने वाली रैली व सभाओं में शिरकत करेंगे।

आम हड़ताल को सफल बनाने को बैंक व बीमा कर्मियों ने दिखाई एकजुटता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 9 जुलाई की प्रस्तावित एक दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल में बैंक एवं बीमा कर्मियों के संगठनों एआईबीईए, बीईएफआई, एआईआईईए, ज ी अ ा इ ि इ ए अ ा इ ि ए, एआईएलआईसीईएफ, ने भी अपना समर्थन दिया है। भारत सरकार की कथित जन विरोधी मजदूर विरोधी नीतियों के विरुद्ध हो रहे इस संघर्ष में उपरोक्त संगठनअपनी भागीदारी को सुनिश्चित करेंगे। संगठनों ने अपने सदस्यों का आह्वाहन किया है कि इस हड़ताल को शत प्रतिशत सफल करें। इस निमित्त आज चास-बोकारो में कार्यरत उपरोक्त सभी बैंक एवं बीमा कर्मियों के संगठनों ने संयुक्त रूप से बैंक ऑफ इंडिया, आंचलिक कार्यालय के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया, जिसमें महिलाओं की भी भागीदारी बहुत अच्छी रही। एक स्वर से मांग किया कि अविलंब भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित तथा तथाकथित श्रम सुधार कानून को वापस लिया जाए। श्रमिकों को कठिन संघर्ष से प्राप्त अधिकारों की रक्षा की जाए तथा जो भी संस्थान इसका उल्लंघन करें उसके लिए कठोर कानून का प्रावधान किया जाए। इसके साथ ही सभी मजदूर एवं कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा के उपाय किए जाएं, न्यूनतम पारिश्रमिक 18000 रुपए से कम नहीं हो एनपीएस वाले कर्मियों को सुनिश्चित पेंशन योजना में शामिल किया जाए। मजदूरों के लिए पेंशन की सुविधा बाहल की जाए, समान काम के लिए समान वेतन दिया जाए, जो कि ठेका मजदूरों पर भी लागू हो, सरकारी उपक्रमों का निजीकरण नहीं किया जाए, बोनस की सीमा को समाप्त किया जाए जिससे कि सभी मजदूर एवं कर्मियों को बोनस प्राप्त हो सके, 45 दिनों के अंदर ट्रेड यूनियन का रजिस्ट्रेशन होना सुनिश्चित हो, रक्षा बीमा एवं रेलवे आदि में अंधाधुंध विदेशी पूंजी निवेश को बंद किया जाए इत्यादि मांगों के समर्थन में नारे लगाए। आज के प्रदर्शन को सफल करने वालों में दिलीप झा के साथ बैंक यूनियन के राजेश कुमार ओझा, राजेश श्रीवास्तव, अरुण कुमार, विभाष झा, राकेश मिश्रा, प्रदीप कुमार के साथ बीमा कर्मियों के नेता राकेश चंद्र शर्मा, महावीर, अजय कुमार, उज्जवल कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति हेतु एसडीओ ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अनुमंडल कार्यालय चास के कार्यालय कक्ष में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 36 बोकारो विधानसभा सह अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा की अध्यक्षता में मतदाता सूची की तैयारी और संशोधन की प्रक्रिया में पारदर्शिता को बढ़ाने तथा इसकी विश्वसनीयता में सुधार लाने के निमित्त बी एल ए की नियुक्ति से संबंधी बैठक की गई। इसमें उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को बी एल ए बनाने के लिए फॉर्म भी उपलब्ध कराया गया। *मौके पर जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों एवं सचिवों उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर विचार-विमर्श करना था। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों को बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों - जैसे घर-घर सर्वेक्षण, मतदान केंद्रों का नजरी नक्शा तैयार करना, मतदाताओं को केंद्रवार टैग करना की विस्तृत जानकारी दी गई।

एसडीओ चास ने सभी राजनीति दलों से किया अपील -निबंधन पदाधिकारी, 36 बोकारो विधानसभा सह अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे बूथ स्तर पर सक्रिय, जिम्मेदार एवं प्रशिक्षित एजेंटों की नियुक्ति सुनिश्चित करें ताकि मतदाता सूची को अद्यतन, त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाया जा सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सही और अद्यतन मतदाता सूची एक निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव की नींव होती है, जिसमें सभी दलों का सक्रिय सहयोग आवश्यक है। बैठक के दौरान सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह- प्रखण्ड विकास पदाधिकारी चास प्रदीप कुमार, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी- सह- कार्यपालक दण्डाधिकारी, चास सत्यबाला सिन्हा सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने सेक्टर 11 तेलमच्चों सड़क का किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार शाम उपायुक्त अजय नाथ झा ने बी.एस.सिटी को जोड़ने वाली सेक्टर 11 से तेलमच्चों ब्रिज तक की सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भतुआ गांव के समीप जर्जर सड़क एवं जल जमाव की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित पदाधिकारियों को शीघ्र समस्या के समाधान हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण क्रम में उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग (आरसीडी) के कार्यपालक अभियंता अमीत कुमार को स्पष्ट निर्देश दिया कि सड़क की मरम्मति कार्य शीघ्र आरंभ करें, जल निकासी को लेकर दोनों किनारे नाली निर्माण कर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसकी कार्य योजना बनाकर काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में जल जमाव से ग्रामीणों के साथ राहगीरों/वाहन चालकों को हो रही परेशानी को हर हाल में दूर करना है। मौके पर उपायुक्त ने पंचायत के मुखिया उर्मिला देवी एवं ग्रामीणों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में जनसहयोग अहम होता है, स्थानीय प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की भागीदारी से कार्यों की गुणवत्ता और गति में तेजी आता है। उपायुक्त ने भरोसा दिलाया कि भतुआ पंचायत के समग्र विकास के लिए जिला प्रशासन हरसंभव प्रयास करेगा। ग्रामीणों की आय कैसे बढ़ेगा, इस पर काम किया जाएगा। मौके पर से ही उपायुक्त ने निर्देशित किया कि जिला पंचायती राज पदाधिकारी (डीपीआरओ), प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं अंचलाधिकारी (सीओ) चास भतुआ पंचायत के ग्रामीणों के साथ बैठक कर क्षेत्र की समस्याओं की समीक्षा करेंगे और त्वरित समाधान को लेकर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। पंचायत की मुखिया ने बड़े वाहनों के आवागमन से परेशानी होने की बात कहीं। इस पर उपायुक्त ने सड़क के दोनों ओर भाड़ी वाहनों का प्रवेश वर्जित संबंधित बोर्ड आरसीडी को लगाने एवं भाड़ी वाहन नहीं प्रवेश कर सकें, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

कोयला खदान और बैंक में रहेगा पूर्ण हड़ताल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के निरीक्षण भवन में सभी मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया । जिसमें लगभग सभी यूनियन के नेताओं ने भाग लिया। श्री सिंह ने कहा की 9 जुलाई को पूरे भारत में सभी ट्रेड यूनियन के द्वारा भारत बंद करने की नोटिस केंद्र सरकार और दूसरे सभी संबंधित पदाधिकारियों को जानकारी पहले ही दे दी गई है, क्योंकि वर्तमान में केंद्र सरकार मजदूर और किसान विरोधी कार्य कर रही है। आज मजदूर भुखमरी के कगार पर जाने पर बाध्य है वहीं अमीर और अमीर होते जा रहे हैं पूंजी पतियों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है उनके कमाई को बढ़ाया जा रहा है किसान की हालत बद से बद्तर होती जा रही है इसीलिए देश के सभी श्रमिक संगठनों और मान्यता प्राप्त यूनियनों के द्वारा किसान और मजदूर के मांगों को उठाने के लिए और सरकार को ध्यान आकर्षित करने के लिए 9 जुलाई को पूरा सार्वजनिक प्रतिष्ठान बंद रहेगा का नारा दिया है जिसमें कोयला खदान के साथ-साथ, बैंक , एल आई सी से लेकर सभी तरह के खदान और अन्य प्रतिष्ठान यहां तक की कोयल का उत्पादन और ढुलाई बंद रहेंगे मजदूरों को सप्ताह में 90 घंटा काम करने को बाध्य किया जाएगा साथ ही पेंशन भी बंद करने की योजना लाई जा रही है। किसानों को कहा गया था कि आपकी आय दुगना किया जाएगा लेकिन किसानों को खेती से नुकसान हो रहा है मजदूर एकता जिंदाबाद के नारे को कल हम सभी को सफली भूत बनाना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से इंटक नेता ए के झा, ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह, अर्जुन सिंह मानस चटर्जी, एस एस डे , स्वप्न कुमार बनर्जी मनोज कुमार साव दीना नाथ पांडे अर्जुन भुइया राम कृष्णा पासवान पप्पू कुमार तिवारी भवानी बंदोपाध्याय रंजय कुमार नंदू यादव के साथ सभी ट्रेड यूनियन के नेता मौजूद रहे।

बीएमएस हड़ताल से रखेगी खुद को अलग : के. लक्ष्मा रेडडी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय मजदूर संघ ऐसा श्रम संगठन है, जो अपनी स्पष्ट नीति की वजह से जानी जाती है। जिसमें कार्यकताओं को प्राथमिकता दिया जाता है। ये बातें धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में के. लक्ष्मा रेड्डी कोल उद्योग प्रभारी सह स्थाई सुरक्षा समिति सदस्य भारत सरकार ने कही है। उन्होंने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दिनांक 09 जुलाई को अन्य श्रम संगठनों द्वारा हड़ताल की घोषणा की गई है, जिसमें भारतीय मजदूर संघ अपने आप को पूरी तरह से अलग रखा है। कोयला में काम करने वाले श्रमिकों को आवाहन करते हुए कहा कि कल के बुनियादी हड़ताल में न जाए और पूर्व की तरह अपना योगदान देकर राष्ट्र हित और उधोग हित में सहयोग करें क्योंकि हड़ताल पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष सह केन्द्रीय सलाहकार समिति सदस्य बीसीसीएल मुरारी तांतीं एवं संचालन संघ के महामंत्री सह कोल इंडिया सुरक्षा बोर्ड सदस्य सह एपेक्स सुरक्षा समिति सदस्य बीसीसीएल उमेश कुमार सिंह ने किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में संजय चौधरी, के. के. सिंह मंत्री, धर्मजीत चौधरी मंत्री, माधव सिंह बीसीसीएल, ईसीएल एवं सीएमपीएफ, ओम कुमार सिंह कार्यसमिति सदस्य भामसंघ झा.सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए।

एफसीआइ डपो, पीइजी गोदाम व जनवितरण प्रणाली की हुई जांच

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत सरकार की केंद्रीय जांच टीम ने मंगलवार को जिला के चास एवं चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया। जांच दल में भारत सरकार के अवर सचिव संतोष कुमार मीणा, सहायक अनुभाग अधिकारी हरविंदर कुमार, एफसीआइ धनबाद के मंडल प्रबंधक सिद्धार्थ चक्रपाणि, एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी बोकारो शालिनी खलखो शामिल थीं। जांच क्रम में टीम द्वारा एफसीआइ डिपो-पीईजी गोदाम, चास/बीएस सिटी, जन वितरण प्रणाली विक्रेता लता मांझी की दुकान, तथा चास प्रखंड के अंतर्गत कृष्ण देव महतो की पीडीएस दुकान का निरीक्षण किया गया। साथ ही जांच दल द्वारा चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत धान अधिप्राप्ति केंद्रझ साबड़ा पैक्स का भी दौरा किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर, वितरण अभिलेख,भंडारण की स्थिति, लाभुकों को समय पर वितरण आदि प्रमुख बिंदुओं की जांच की। जिस पर संतोष जताया। टीम ने संपूर्ण व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने लाभुकों से संवाद किया, केंद्र सरकार की योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की, लाभुकों ने वन नेशन वन कार्ड योजना के संबंध में बताया। लाभुकों ने टीम को बताया कि उन्हें जून, जुलाई एवं अगस्त माह का खाद्यान्न प्राप्त है। इस पर टीम ने वितरण में पारदर्शिता रखने तथा लाभुकों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने को लेकर प्रसन्नता व्यक्त किया।

सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद ढुल्लू महतो को लिखा पत्र

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के प्रयास से बोकारो के शास्त्री चौक से लेकर तेल तेलमचो ब्रिज तक लगभग 6 किलोमीटर फोरलेन सड़क का निर्माण होगा। जिस पर लगभग 62 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उक्त जानकारी सांसद प्रतिनिधि शाम बाबू गुप्ता ने दी है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में स्थानीय सांसद ढुल्लू महतो ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर बोकारो के शास्त्री चौक से लेकर तेलमचो बिज तक लगभग 10 किलोमीटर सड़क फोरलेन बनाने की मांग की थी। मंत्री श्री गडकरी ने सांसद को लिखे पत्र में इस मांग के लिए उन्हें बधाई देते हुए सूचित किया है कि आपके आग्रह पर उक्त को फोरलेन बनाने की स्वीकृति दे दी गई है, जिस पर लगभग 62 करोड़ खर्च होगा।टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। बधाई देने वालों में रोहित लाल सिंह अंबिका कवास जिला अध्यक्ष जयदेव राय महिला मोर्चा के प्रदेश मंत्री अर्चना अर्चना सिंह कृष्ण कुमार मुन्ना अशोक कुमार पप्पू सांसद प्रतिनिधि मनोज सिंह अविनाश कुमार दिलीप श्रीवास्तव आदि शामिल हैं।

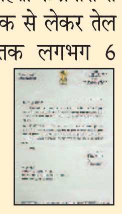

बीएसएल में मेडिक्लेम योजना के नवीनीकरण की प्रक्रिया आरंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा वर्तमान मेडिक्लेम योजना का नवीनीकरण आगामी अवधि, अर्थात 11 जुलाई 2025 से 10 जुलाई 2026 तक के लिए प्रारंभ कर दिया गया है. इस अवधि के लिए बीमा प्रदाता के रूप में मेसर्स न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में मेसर्स एमडी इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए लिमिटेड का चयन किया गया है. योजना के अंतर्गत वार्षिक प्रीमियम आयु के अनुसार निर्धारित किया गया है. 70 वर्ष से कम आयु के सदस्य के लिए यह ₹10,011 है, वहीं 70 से 80 वर्ष के बीच आयु वाले सदस्य के लिए ₹6,861 निर्धारित किया गया है। 80 वर्ष से अधिक आयु के सदस्य के लिए यह राशि ₹100 रखी गई है. सदस्य योजना का नवीनीकरण https://sailenrollment.mdindia.com पर जाकर कर सकते हैं। लॉगिन हेतु सदस्य अपने MIN को यूजर आईडी तथा सेवा रिकॉर्ड के अनुसार जन्मतिथि को पासवर्ड के रूप में उपयोग करें. वे सदस्य जो पूर्व में योजना में शामिल नहीं हुए हैं या समय पर नवीनीकरण नहीं कर सके हैं, वे "गैप केस" श्रेणी के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए उन्हें सहयोग पोर्टलपर जाकर भरना होगा। इस श्रेणी में सदस्यता लेने के लिए निर्धारित प्रीमियम की दोगुनी राशि का भुगतान करना अनिवार्य है. मेडिक्लेम योजना के नवीनीकरण और गैप केस आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है. योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी सेल की वेबसाइट तथा सहयोग पोर्टल पर उपलब्ध है. किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए 8986876252, 8986875050, 06542-240273 अथवा 06542-280232 पर संपर्क किया जा सकता है. यदि नवीनीकरण के दौरान कोई जानकारी अधूरी या त्रुटिपूर्ण प्रदान की जाती है, तो ऐसी स्थिति में सेल/बीएसएल किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा.

दिव्यांग विक्रम कुमार को आर्थिक सहायता का डीडीसी ने सौंपा चेक

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत दी सहायता

बोकारो। जिले के चंदनकियारी प्रखंड निवासी दिव्यांग विक्रम कुमार को उनके इलाज के लिए मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा के निदेर्शानुसार इस सहायता की व्यवस्था की गई, ताकि दिव्यांग विक्रम को समय पर इलाज मिल सके और उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके। मौके पर उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने विक्रम कुमार को चेक सौंपते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित नहीं रह जाए। जिला प्रशासन जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। विक्रम कुमार दिव्यांग हैं और किसी गंभीर बिमारी से ग्रस्त है, जिसका इलाज बोकारो से बाहर संभावित है। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है, जिसके कारण इलाज संभव नहीं हो पा रहा था। प्रशासन तक जानकारी पहुंचते ही इस मामले को गंभीरता से लिया गया और आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर सहायता राशि का चेक तत्काल उपलब्ध कराया गया। मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी एन एस कुजूर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, राहुल कुमार आदि उपस्थित थे।

सीलिंग फैन को बीएलडीसी फैन से बदलने की औपचारिक शुरूआत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम पहल करते हुए, बोकारो स्टील टाउनशिप में विभाग द्वारा 10,000 पारंपरिक सीलिंग फैन को बीएलडीसी फैन से बदलने की प्रक्रिया की औपचारिक शुरूआत 08 जुलाई को बोकारो जनरल हॉस्पिटल से की गई. इसका उद्घाटन बोकारो जनरल हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ बी.बी. करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) कुंदन कुमार,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आनंद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिन्दा मंडल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ इंद्रनील चौधरी, महाप्रबंधक-प्रभारी (नगर सेवा-विद्युत) राजुल हरकरनी एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति में संपन्न हुआ. इछ्उ्ळ फैन प्रतिस्थापन के कार्य की शुरूआत बोकारो जनरल अस्पताल से की गई है तथा आगामी चरणों में इस परियोजना का विस्तार इस्पात भवन, नगर प्रशासन कार्यालय, ट्रेनीज हॉस्टल तथा अन्य सार्वजनिक इमारतों में किया जाएगा. इछ्उ्ळ फैन पारंपरिक कैपेसिटर फैन की तुलना में लगभग 50-60% तक कम बिजली की खपत करते हैं, जिससे टाउनशिप के समग्र ऊर्जा खपत में भी कमी आएगी. बीएलडीसी फैन से कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में भी कमी आएगी, जिससे टाउनशिप की कुल कार्बन फुटप्रिंट घटेगी. इस प्रकार, यह पहल न केवल ऊर्जा संरक्षण में सहायक होगी, बल्कि सतत विकास और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम भी सिद्ध होगी.

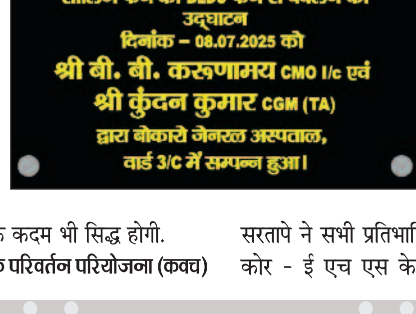

बीएसएल के सुरक्षा प्रबंधन में सांस्कृतिक परिवर्तन परियोजना (कवच)

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में संयंत्र के विभिन्न विभागों के 31 अधिशासियों के लिए पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक 08 जुलाई को किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री बी के सरतापे मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवा) एवं महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री संजय भगत उपस्थित थे. मुख्य अतिथि श्री बी के सरतापे ने सभी प्रतिभागियो को सुरक्षा शपथ दिलाई, तत्पश्चात मेसर्स कोर - ई एच एस के अनुभवी फैकल्टी श्री बी मोहन्ता ने सभी प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में परिवर्तन का प्रबंधन, प्री-स्टार्ट-अप सुरक्षा समीक्षा , और परमिट-टू-वर्क जैसे विषय की विस्तृत जानकारी दी. श्री सरतापे ने अपने सम्बोधन में इस कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभगियो से अधिकतम ज्ञान हासिल करने की अपील की. महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री संजय भगत ने सभी प्रतिभगियो से इस कार्यक्रम को अन्तः क्रियात्मक बनाकर अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा अपने अर्जित ज्ञान को विभाग के लोगों के साथ साझा करने का अनुरोध किया. कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री एस के डी भौमिक कनीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने किया. कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ओपरेटिव श्री राकेश कुमार, श्री कौशलेन्द्र प्रताप सिंह तथा इंस्ट्रक्टर श्री अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145665 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com